www.hindmatamirror.com ●वर्ष: 12 ●अंक: 222 ●ठाणे, शनिवार 9 मई, 2026 ●पेज: 8 ●मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

दैनिक **हिंदमात मिरर** पैनी नजर, पुख्ता खबर

पेज 8 **व्यक्तिगत टैक्सदाताओं में सबसे आगे धोनी**

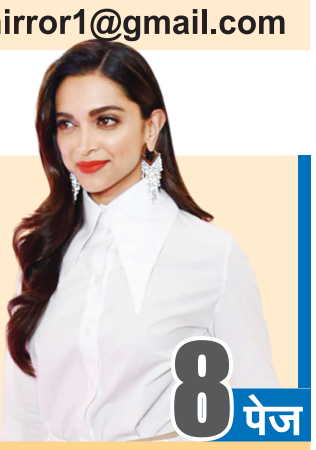

2026 की टॉप बॉक्स ऑफिस स्टार्स में दीपिका शामिल 8 पेज

सुप्रभात

स्याही की एक बूंद दस लाख व्यक्तियों को विचारमग्न कर सकती है। खून की नदियां बहाने के बजाय एक आंसू पोछने में अधिक सच्ची प्रसिद्धि है। - **बायरन**

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (9 मई) 7:03 बजे, सूर्योदय (10 मई) 6:06 बजे, **तापमान: 33 डिग्री से. (धूप खिली रहेगी।)**

आज पश्चिम बंगाल में शुभेंदु और तमिलनाडु में विजय बनेंगे मुख्यमंत्री

11 बजे दोनों की शपथ

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता/ चेन्नई

शनिवार को पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी और तमिलनाडु में विजय के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने की तैयारी है। दोनों राज्यों में सुबह 11 बजे शपथ समारोह होगा। पश्चिम बंगाल के अगले मुख्यमंत्री के बारे में फैसला कोलकाता में बीजेपी विधायक दल की बैठक के दौरान लिया गया। इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे, जिन्हें पार्टी ने नेता के चुनाव की देखरेख के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया था।

सुभेंदु अधिकारी होंगे पश्चिम बंगाल के 9वें मुख्यमंत्री

विधायक दल की बैठक खत्म होने के बाद अमित शाह ने कहा, मैं बीजेपी विधायक दल के चुने हुए नेता के तौर पर सुभेंदु अधिकारी के नाम की घोषणा करता हूं। सुभेंदु अधिकारी, शुक्रवार को बीजेपी विधायक दल के नेता चुने जाने के बाद राज्य के नौवें मुख्यमंत्री बनने के लिए तैयार हैं। सुभेंदु ने दोनों (2026 और 2021 के चुनावों में) ही मौकों पर निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हराया। पहली बार 2021 में नंदीग्राम सीट पर और इस बार भवानीपुर सीट पर।

आज होगा शपथ ग्रहण समारोह

पश्चिम बंगाल में नई चुनी गई बीजेपी सरकार का शपथ ग्रहण समारोह शनिवार को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में, रवींद्र जयंती के अवसर पर होगा। इस शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन के साथ-साथ कई केंद्रीय मंत्रियों और एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के शामिल होने की उम्मीद है।

लोकसभा में कांग्रेस के साथ नहीं बैठना चाहती डीएमके

तमिलनाडु में चुनावी नतीजे के बाद राजनीतिक स्थिति बदल गई है। डीएमके और कांग्रेस के बीच चुनाव से पहले बना गठबंधन टूट चुका है। अब डीएमके ने संसद में कांग्रेस के पास से सीट बदलने की भी मांग कर दी है। ऐसे में इंडिया गठबंधन के भविष्य को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। डीएमके ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर लोकसभा में पार्टी सदस्यों के बैठने की जगह में बदलाव की मांग की है। पत्र में बदले हुए राजनीतिक हालात का जिक्र किया गया है।

आज विजय की होगी शानदार ताजपोशी

तमिलनाडु में अब थलापति (दलपति) की सरकार बनने जा रही है। टीवीके प्रमुख विजय शनिवार की सुबह 11 बजे सीएम पद की शपथ लेंगे। इसके साथ ही तमिलनाडु को विजय के रूप में नया मुख्यमंत्री मिल जाएगा। शुक्रवार दिनभर चली सियासी हलचल के बाद आखिरकार देर शाम को प्रदेश के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उन्हें सरकार बनाने का न्योता दिया। सूत्रों के अनुसार, तमिलनाडु में मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण कार्यक्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी शामिल हो सकते हैं। विजय ने राज्यपाल को समर्थन देने वाले विधायकों की सूची सौंपी और उन्हें भरोसा दिलाया कि शपथ ग्रहण के बाद वे विधानसभा में आसानी से बहुमत साबित कर देंगे।

कहां होगा विजय का शपथ ग्रहण

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ?दलपति विजय का शपथ ग्रहण चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में आयोजित होगा, जो शानदार होगा। विजय की ताजपोशी के गवाह आम और खास लोग बनेंगे। बता दें कि एक्टर से पॉलिटिशियन बने विजय की टीवीके पार्टी ने पहली बार चुनाव लड़ा और पहली बार में ही उसने 108 सीटों पर जीत दर्ज की।

किस किस ने दिया विजय का साथ

विजय की पार्टी के 107 विधायक, कांग्रेस के पांच विधायक, सीपीएम के दो विधायक, सीपीआई के दो विधायक, वीसीके के दो विधायक, आईयूएमएल के दो विधायक। सबसे बड़ी बात ये है कि एएमएमके के भी एक विधायक का समर्थन मिल सकता है।

अड़चनें हुई खत्म, सीएम बनेंगे विजय

विजय के पक्ष में जो कुछ हो रहा था, वह लगभग तय लग रहा था, लेकिन आखिरी क्षणों में कुछ अड़चनें आ गई थीं। वीसीके, एएमएमके और एक आईयूएमएल विधायक के साथ अंतिम बातचीत होने के बाद सभी दलों ने टीवीके का साथ देने की बात कही। इसके बाद शाम छह बजे विजय ने राज्यपाल आरवी अर्लेकर से तीसरी बार मुलाकात की और बताया कि उन्हें अब 121 विधायकों का समर्थन प्राप्त है।

शॉर्ट स्टोरी

झुग्गी कानून की समीक्षा के लिए बनाएं समिति

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

बंबई उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को महाराष्ट्र सरकार को निर्देश दिया कि वह चार सप्ताह के भीतर एक विशेषज्ञ समिति गठित करे, जो महाराष्ट्र झुग्गी क्षेत्र (सुधार, सफाई और पुनर्विकास) अधिनियम के क्रियान्वयन की समीक्षा करे। न्यायमूर्ति जी. एस. कुलकर्णी और न्यायमूर्ति अद्वैत सेथना की पीठ ने कहा कि मुंबई और राज्य के अन्य शहरों को झुग्गी-मुक्त बनाने के अभी हकीकत से दूर नजर आने वाले सपने को पूरा करने के लिए इस कानून को अधिक प्रभावी और सक्षम बनाने की आवश्यकता है। नगर नियोजन की आदर्श स्थिति पीछे छूटती दिख रही है। कोर्ट ने यह आदेश एक स्वत: संज्ञान याचिका पर दिया।

मोदी को ट्रंप की बधाई अनुचित : संजय राऊत

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राऊत ने पश्चिम बंगाल चुनाव परिणामों को लेकर पीएम मोदी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दी गई बधाई को बिना सोच-समझे और अनुचित करार देते हुए कहा कि राज्यों के चुनाव भारत के लोकतंत्र का आंतरिक मामला है। राऊत ने एक्स पोस्ट में, ट्रंप को टैग करते हुए ट्रंप से चुनावों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने और संतुलित रुख अपनाने का आग्रह किया। राऊत ने लिखा, भारत के सांसद के रूप में मैं यह जवाब लिख रहा हूं। ये राज्य स्तरीय चुनाव हैं जो भारत के संघीय लोकतंत्र का आंतरिक मामला है। किसी भी बाहरी व्यक्ति का बधाई देना अनुचित प्रतीत होता है।

राऊत भारतीय राजनीति के जोकर: भाजपा

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राऊत की ओर से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को संबोधित सोशल मीडिया पोस्ट पर भारतीय जनता पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा ने राऊत को भारतीय राजनीति का जोकर बताते हुए उन पर भारत की छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खराब करने का आरोप लगाया। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने वीडियो संदेश जारी कर कहा कि संजय राऊत और कांग्रेस नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी के विरोध में देश की छवि खराब करने का काम कर रहे हैं। संजय राउत भारतीय राजनीति के जोकर हैं। वह और राहुल गांधी घरेलू राजनीतिक लड़ाई के लिए भारत की छवि खराब करने की सुपारी लेकर बैठे हैं।

आर्थर रोड जेल में डोला की जान को खतरा!

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

अंतरराष्ट्रीय नशीले पदार्थों की तस्करी के आरोपी मोहम्मद सलीम डोला के मामले में सबसे चौंकाने वाला मोड़ तब आया जब डोला की वकील जेहरा चरानिया ने उसकी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने अदालत से अनुरोध किया है कि सलीम डोला को मुंबई की प्रसिद्ध आर्थर रोड जेल के बजाय किसी अन्य सुरक्षित जेल में रखा जाए। वकील के अनुसार, उन्हें पुख्ता जानकारी मिली है कि आर्थर रोड जेल के भीतर डोला की जान को गंभीर खतरा हो सकता है। वहां बंद अन्य गिरोहों या सुरक्षा कारणों के चलते डोला को निशाना बनाया जा सकता है। टीम ने जेल प्रशासन और अदालत से इस विशेष स्थानांतरण की मांग की है।

कोर्ट के सामने छलका अनिल अंबानी का दर्द

'हो सकता है मेरे साथ धोखा हुआ हो'

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशन से जुड़े 40 हजार करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग फ्रॉड मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) कर रही हैं। दोनों ही एजेंसियों ने इस मामले में अब तक तीन हजार करोड़ रुपए की संपत्ति भी कुर्क कर चुकी हैं। इस मामले में अनिल अंबानी और उनके रिलायंस समूह की कंपनियों के खिलाफ जांच चल रही है। इस मामले में अब तक अनिल अंबानी की गिरफ्तारी नहीं हुई। इसी को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई थी। अब उसी मामले में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस सुनवाई में अनिल अंबानी ने अपनी दलील में कहा कि हो सकता हो मेरे साथ धोखा हुआ हो। उनकी तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने ये बाते कहीं।

अनिल अंबानी ने सुप्रीम कोर्ट में क्या दलीलें दीं?

अनिल अंबानी की ओर से पेश हुए कपिल सिब्बल ने अंबानी द्वारा पहले दिए गए उस वादे का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह अदालत की अनुमति के बिना देश छोड़कर नहीं जाएंगे। सिब्बल ने यह भी कहा, ''हो सकता है कि मेरे साथ धोखा हुआ हो।'' कोर्ट ने गहन जांच पर जोर दिया।

अंबानी को गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया?

कपिल सिब्बल की दलीलों पर याचिकाकर्ता के वकील ने सवाल उठाया कि जांच एजेंसियों की रिपोर्ट में गंभीर आरोप होने के बावजूद अंबानी को गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ को सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि सीबीआई और ईडी अनिल अंबानी और उनकी कंपनियों के खिलाफ कई सारी जांचें कर रही हैं।

12 क्विंटल प्याज बेचकर भी कर्जदार हुआ किसान, मंडी से लौटा खाली हाथ

1262 रुपए का प्याज, खर्च आया 1263 रुपए

हिंदमाता नेटवर्क @ छत्रपति संभाजी नगर

खेत में दिन-रात मेहनत करने वाला किसान आखिर कब तक यूं ही टूटता रहेगा? कभी बारिश फसल बर्बाद कर देती है, तो कभी सूखा किसान की कमर तोड़ देता है और अगर किसी तरह फसल तैयार होकर मंडी तक पहुंच भी जाए, तो वहां गिरते दाम किसान की उम्मीदों का गला घोंट देते हैं। ऐसी ही एक दर्दनाक तस्वीर महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर जिले के पैठण तालुका से सामने आई है, जहां वरुडी गांव के किसान प्रकाश गलधर अपने 12 क्विंटल प्याज को बड़ी उम्मीदों के साथ कृषि उपज मंडी में बेचने पहुंचे थे। लेकिन मंडी में जो हुआ, उसने इस किसान की सारी उम्मीदें तोड़ दीं।

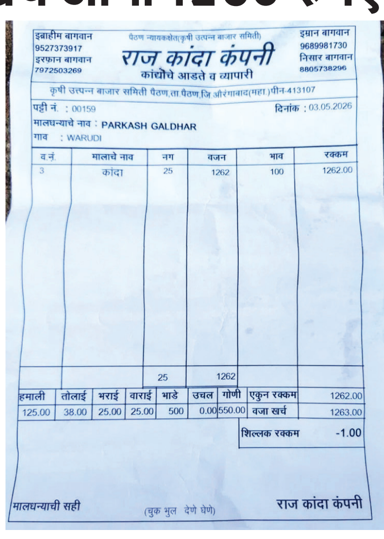

इब्राहीम बागवान 9527373917 इरफान बागवान 7972503269 | पैठण न्यायकक्षेत(कृषी उत्पन्न बाजार समिती) **राज कांदा कंपनी** कांद्यांचे आडते व व्यापारी | इम्रान बागवान 9689981730 निसार बागवान 8805738296

कृषी उत्पन्न बाजार समिती पैठण,ता.पैठण,जि.औरंगाबाद(महा.)पीन-413107

पट्टी नं. : 00159 दिनांक : 03.05.2026

मालधन्याचे नाव : PARKASH GALDHAR

गाव : WARUDI

व.नं.	मालाचे नाव	नग	वजन	भाव	रक्कम
3	कांदा	25	1262	100	1262.00
		25	1262		

हमाली	तोलाई	भराई	वाराई	भाडे	उचल	गोणी	एकुन रक्कम	1262.00
125.00	38.00	25.00	25.00	500	0.00	550.00	वजा खर्च	1263.00
							शिल्लक रक्कम	-1.00

मालधन्याची सही (चुक भुल देणे घेणे) राज कांदा कंपनी

एक रुपए किलो बिकी प्याज

पैठण कृषि उपज मंडी में राज प्याज कंपनी में किसान प्रकाश गलधर अपना प्याज लेकर पहुंचे। मंडी में 25 बोरी प्याज वजन के लिए रखी गई। कुल वजन निकला 1262 किलो। जब बोली लगी, तो एक क्विंटल प्याज का दाम सिर्फ 100 रुपए मिला यानी एक किलो प्याज की कीमत लगी महज एक रुपए। पूरे 1262 किलो प्याज के बदले किसान को कुल 1262 रुपए मिले। हैरानी की बात यह है कि खेत से मंडी तक प्याज लाने में ही किसान के 1263 रुपए खर्च हो गए। मुनाफा तो दूर एक रुपए का घाटा हो गया।

खर्च का हिसाब-किताब

कुली-125 रुपए, तुलाई -38 रुपए। भराई -25 रुपए, वाराई -25 रुपए, मंडी तक प्याज लाने का किराया - 500 रुपए और प्याज भरने के लिए इस्तेमाल हुई 25 बोरियों के 550 रुपए अलग काट लिए गए। इस तरह किसान को एक रुपए घाटा हुआ।

कर्जदार बन रहा देश का किसान

यह सिर्फ एक किसान की कहानी नहीं, बल्कि देश के लाखों किसानों की उस पीड़ा की तस्वीर है, जहां मेहनत की कीमत मिट्टी से भी सस्ती हो चुकी है। आज सवाल सिर्फ एक रुपए का नहीं है। सवाल उस व्यवस्था का है, जहां देश का अन्नदाता सबसे ज्यादा परेशान, सबसे ज्यादा बेबस और सबसे ज्यादा उपेक्षित नजर आ रहा है।

हंता वायरस के मामलों पर भारत रख रहा कड़ी नजर

■ क्रूज पर सवार दो भारतीयों को लेकर भी सामने आया अपडेट

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अटलांटिक महासागर में क्रूज शिप एमवी होंडियस पर हंता वायरस संक्रमण के मामले सामने आने के बीच भारत सरकार स्थिति पर कड़ी नजर बनाए हुए है। जहाज पर सवार दो भारतीय नागरिक फिलहाल स्वस्थ हैं और अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रोटोकॉल के तहत निगरानी में रखे गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, जहाज पर मौजूद दोनों भारतीय नागरिकों में हंता वायरस संक्रमण के कोई लक्षण नहीं पाए गए हैं। उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियमों (आईएचआर) के तहत निगरानी में रखा गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, विश्व स्वास्थ्य संगठन और अन्य अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ लगातार संपर्क में है। इसके साथ ही स्थिति के विकसित होने पर बारीकी से नजर रख रहा है। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) और एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) जैसी संस्थाएं भी इस मामले में सक्रिय रूप से समन्वय कर रही हैं। डब्ल्यूएचओ को मई के पहले सप्ताह में एवी होंडियस पर हंता वायरस संक्रमण की सूचना मिली थी

टीसीएस नाशिक उत्पीड़न मामला

आरोपी निदा खान को 11 मई तक पुलिस हिरासत में भेजा गया

हिंदमाता नेटवर्क @ नाशिक

नाशिक की एक अदालत ने शुक्रवार को यहां टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) में यौन उत्पीड़न और धार्मिक दबाव मामले की आरोपी निदा खान को 11 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। टीसीएस की कर्मचारी रही निदा खान को गुरुवार को छत्रपति संभाजीनगर से गिरफ्तार किया गया था। मामला सामने आने के बाद से वह फरार थी। उसे शुक्रवार को यहां नाशिक रोड अदालत में पेश किया गया, जहां पुलिस ने मामले की पूरी जांच के लिए उसकी हिरासत की मांग की। पुलिस की अर्जी स्वीकार करते हुए अदालत ने उसे 11 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया।

अग्रिम जमानत देने से कोर्ट का इनकार

अदालत ने दो मई को, उसे अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया था और कहा था कि ऐसा लगता है कि संगठित कोशिशों के माध्यम से पीड़ितों का ब्रेनवॉश करने की सुनियोजित योजना थी। अदालत ने उस समय कहा था कि अपराध की गंभीरता सच में बहुआयामी और बहुस्तरीय है और मामले की जड़ तक जाने के लिए हिरासत में पूछताछ जरूरी है। नाशिक पुलिस का विशेष जांच दल (एसआईटी) आईटी कंपनी की नाशिक इकाई में छेड़छाड़ और उत्पीड़न के नौ मामलों की जांच कर रहा है।

अब तक आठ लोग गिरफ्तार

टीसीएस में महिला कर्मचारियों के शोषण, जबरदस्ती धर्म परिवर्तन की कोशिश, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने, छेड़छाड़ और मानसिक उत्पीड़न के आरोप सामने आने के बाद नौ प्राथमिकी दर्ज की गई थीं और एक महिला ऑपरेशन्स मैनेजर समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया था। टीसीएस ने साफ किया है कि उसने लंबे समय से किसी भी तरह के उत्पीड़न और जबरदस्ती के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाई है, और नाशिक दफ्तर में कथित तौर पर यौन उत्पीड़न में शामिल कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है।

एआईएमआईएम पार्षद मतीन खान पर भी एफआईआर

इस मामले में सबसे बड़ा राजनीतिक मोड़ तब आया जब नारेगांव के निगम पार्षद मतीन खान का नाम भी जांच में सामने आया। पुलिस ने उनके खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। उन पर निदा खान की मदद करने और मामले से जुड़ी गतिविधियों में सहयोग देने का आरोप है। इस घटनाक्रम के बाद छत्रपति संभाजीनगर की राजनीति गरमा गई है। विपक्ष ने पूरे मामले की निष्पक्ष और गहन जांच की मांग की है।

मुझसे मदद मांगती तो मैं भी करता: सांसद

एआईएमआईएम के नेता और पूर्व सांसद इम्तियाज जलील ने कहा कि यह समझना चाहिए कि वह अभी केवल एक आरोपी है, अपराधी नहीं। अभी अपराध सिद्ध नहीं हुआ है। अगर वह हाई कोर्ट जाती, तो मुझे यकीन है कि उसे जमानत जरूर मिलती। अगर निदा मुझसे भी मदद मांगती, तो मैं भी उसकी मदद करता।

सरकार सख्त, कार्यस्थलों पर पॉश कानून के कड़े पालन के निर्देश

नासिक स्थित टीसीएस मामले के बाद महाराष्ट्र सरकार ने कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यौन उत्पीड़न की रोकथाम (पॉश) एक्ट के सख्त पालन के निर्देश जारी किए हैं। सरकार ने कहा है कि किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राज्य सरकार की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि 10 या उससे अधिक कर्मचारियों वाले सभी सरकारी और निजी संस्थानों में आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) का गठन अनिवार्य होगा और इसका पंजीकरण केंद्र सरकार के 'शी-बॉक्स' पोर्टल पर करना जरूरी होगा।

लापरवाही पर भारी जुर्माने का प्रावधान

महिला एवं बाल विकास विभाग के आयुक्त जगदीश मिनियार ने चेतावनी दी है कि नियमों का पालन न करने पर 50 हजार रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। बार-बार उल्लंघन होने पर जुर्माना दोगुना किया जा सकता है या लाइसेंस भी रद्द किया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

आईसीसी गठन के नियम भी तय

कानून के अनुसार, हर आंतरिक शिकायत समिति में एक वरिष्ठ महिला कर्मचारी अध्यक्ष के रूप में होगी। इसके अलावा कम से कम दो कर्मचारी सदस्य और एक एनजीओ प्रतिनिधि शामिल होगा। समिति में कम से कम 50 प्रतिशत सदस्य महिलाएं होना अनिवार्य है।

हिंदमाता एंकर: महाराष्ट्र में कक्षा 10 के परिणाम घोषित, 92 प्रतिशत से अधिक छात्र उत्तीर्ण, अपनी ही मातृभाषा में पिछड़े छात्र, 94 हजार से ज्यादा विद्यार्थी मराठी में फेल

179 छात्रों को मिले परफेक्ट 100 प्रतिशत, कोंकण विभाग रहा अव्वल, छत्रपति संभाजीनगर पिछड़ा

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

महाराष्ट्र राज्य बोर्ड ने शुक्रवार को कक्षा 10 या माध्यमिक विद्यालय प्रमाणपत्र (एसएससी) परीक्षा के परिणाम घोषित किए, जिसमें कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 92.09 रहा। महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (एमएसबीएसएचएसई) द्वारा घोषित परिणामों के अनुसार, परीक्षा में लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया। बोर्ड के अध्यक्ष त्रिगुण कुलकर्णी ने बताया कि लड़कियों का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 94.96 रहा, जबकि लड़कों का उत्तीर्ण प्रतिशत 89.56 रहा। उन्होंने बताया कि कोंकण मंडल 97.62 प्रतिशत के साथ सूची में शीर्ष पर रहा, जबकि छत्रपति संभाजीनगर मंडल 88.41 प्रतिशत के साथ सबसे नीचे रहा।

179 छात्रों को मिले परफेक्ट 100%

इस साल की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि राज्य के 179 विद्यार्थियों ने 100 प्रतिशत अंक प्राप्त कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। मुंबई और पुणे जैसे प्रमुख शहरों ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 94 प्रतिशत से अधिक का आंकड़ा पार किया है।

विभाग की सफलता का प्रतिशत

- कोंकण: 97.62%
- कोल्हापुर: 95.47%
- मुंबई: 94.97%
- पुणे: 94.24
- नासिक: 90.53%
- अमरावती: 90.50%
- नागपुर: 89.07%
- लातूर: 88.42%
- छत्रपति संभाजीनगर: 88.41%

बेटियों का परचम बुलंद

नतीजों के आंकड़ों के अनुसार, लड़कियों का उत्तीर्ण प्रतिशत लड़कों की तुलना में 5.40% अधिक रहा। जहां 94.96% लड़कियां सफल हुईं, वहीं लड़कों का उत्तीर्ण प्रतिशत 89.56% रहा। राज्य के लगभग 4 लाख 82 हजार विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त की है।

94 हजार से ज्यादा विद्यार्थी मराठी में फेल

जहां एक ओर राज्य का कुल प्रदर्शन सुधार की ओर है और 35 में से 12 विषयों का परिणाम 100% रहा है, वहीं दूसरी ओर एक बेहद परेशान करने वाली तस्वीर सामने आई है। जिस राज्य की पहचान उसकी मराठी संस्कृति और भाषा से है, उसी राज्य के करीब 94,544 छात्र मराठी विषय में अनुत्तीर्ण हो गए हैं। महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड द्वारा जारी 10वीं बोर्ड परीक्षा के आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष कुल 10,87,699 छात्रों ने प्रथम भाषा के रूप में मराठी को चुना था। इनमें से 80,803 छात्र फेल हो गए हैं। प्रथम भाषा के रूप में मराठी का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 92.57% रहा है। केवल प्रथम भाषा ही नहीं, बल्कि द्वितीय और तृतीय भाषा के रूप में मराठी चुनने वाले छात्रों का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा। इस श्रेणी में परीक्षा देने वाले 4,13,917 छात्रों में से 13,741 छात्र फेल हुए हैं। मतलब महराष्ट्र में कुल मिलाकर 94 हजार से अधिक छात्रों का मराठी विषय में फेल हो गए।

नतीजों की प्रमुख विशेषताएं

इस परीक्षा के लिए राज्य के 9 विभागों से कुल 15,55,026 नियमित छात्रों ने पंजीकरण कराया था। इनमें से 15,42,472 छात्र परीक्षा में शामिल हुए और 14,20,486 छात्र सफल रहे। कुल 9,912 दिव्यांग छात्रों ने परीक्षा दी थी, जिनमें से 9,042 छात्र उत्तीर्ण हुए। उनका कुल सफलता प्रतिशत 91.22% रहा। कुल 6,612 स्कूलों का रिजल्ट 100% रहा है, जो गौरव की बात है। कुल 64 विषयों की परीक्षा ली गई थी, जिनमें से 20 विषयों का परिणाम 100% रहा।

अब 11 वीं की प्रवेश प्रक्रिया पर टिकी निगाहें

राज्य के लाखों छात्रों का इंतजार खत्म हो गया है और अब सभी की नजरें 11वीं की प्रवेश प्रक्रिया पर टिकी हैं। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि पुनर्मूल्यांकन और पूरक परीक्षा के अवसर जल्द ही उपलब्ध कराए जाएंगे।

आयलानी के प्रयासों को मिली सफलता

म्हारल से जावसई गांव तक सड़क निर्माण के लिए 200 करोड़ की निधि मंजूर

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

उल्हासनगर शहर से सटे म्हारल गांव से सीधे अंबरनाथ पश्चिम स्थित जावसई गांव के बीच सड़क बनाए जाने की मांग वर्षों से की जा रही थी, यह मांग अब पूरी हो गई है। उल्हासनगर के विधायक कुमार आयलानी ने बताया कि उक्त सड़क निर्माण के लिए आवश्यक लगभग 200 करोड़ रुपए की निधी को मंजूरी मिल गई है। जानकारी के अनुसार म्हारल, वरप और कांबा क्षेत्र पहले ग्रामीण स्वरूप के थे, लेकिन वर्तमान में इन क्षेत्रों में तेजी से शहरीकरण हो रहा है। यहां बड़ी संख्या में बहुमंजिला इमारतें, गृह परियोजनाएं और नई आवासीय बस्तियां विकसित हो रही हैं। इन क्षेत्रों के नागरिकों का अंबरनाथ और बदलापुर शहरों में शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार तथा पारिवारिक कारणों से घनिष्ठ संबंध होने के कारण दैनिक आवागमन में लगातार वृद्धि हो रही है।

उल्हासनगर होकर लंबा चक्कर

वर्तमान में म्हारल-वरप-कांबा क्षेत्र से अंबरनाथ और बदलापुर जाने के लिए नागरिकों को उल्हासनगर होकर लंबा चक्कर लगाना पड़ता है। जिससे भारी यातायात जाम की स्थिति उत्पन्न होती है। इसके कारण लोगों का डेढ़ से 2 घंटे तक का समय यात्रा में व्यर्थ हो जाता है। यह स्थिति नागरिकों के लिए अत्यंत असुविधाजनक और कष्टदायक साबित हो रही है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए म्हारलपाडा स्थित मयुरेश्वर शॉप परिसर से जावसई गांव, अंबरनाथ (पश्चिम) तक प्रस्तावित 24 मीटर चौड़े विकास आराखड़ा (डीपी) सड़क निर्माण के लिए राज्य सरकार द्वारा 200 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं।

सुरक्षित और सुगम संपर्क मार्ग

विधायक कुमार आयलानी के निजी सचिव उमेश सोनार से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस सड़क को बनाए जाने के लिए विधायक कुमार आयलानी द्वारा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे अजितदादा पवार, एवं सार्वजनिक बांधकाम मंत्री शिवेंद्र राजे भोसले से पिछले दो साल से मांग कर रहे थे उस मांग को लेकर राज्य सरकार द्वारा इस सड़क को निधी की मंजूरी दी गयी। इस सड़क के निर्माण से म्हारल, वरप और कांबा क्षेत्र के नागरिकों को अंबरनाथ और बदलापुर तक सीधा, सुरक्षित और सुगम संपर्क मार्ग उपलब्ध होगा। इससे यात्रा का समय काफी कम होगा, यातायात जाम में राहत मिलेगी तथा पूरे क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को गति प्राप्त होगी। सड़क निर्माण पूर्ण होने के बाद म्हारल, वरप और कांबा क्षेत्र के नागरिकों को मुरबाड, टिटवाला, गोवेली, अंबरनाथ मार्ग होते हुए बदलापुर तथा नवी मुंबई तक आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी और समय की भी बचत होगी।

दोस्तों के झगड़े में मौत

एक किशोर की गई जान

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ठाणे रेलवे स्टेशन के पास एक नाबालिग ने कथित रूप से चाकू से हमला कर एक किशोर की हत्या कर दी और एक अन्य को गंभीर रूप से घायल कर दिया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राजकीय रेलवे पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि यह वारदात पांच मई की रात को हुई, जिसके बाद कथित हमलावर को हिरासत में ले लिया गया।

बीच-बचाव में गई जान

उन्होंने बताया कि 16 से 18 साल के तीनों किशोर नाले के पुल के पास थे, तभी उनके बीच झगड़ा हो गया। अधिकारियों के अनुसार एक नाबालिग ने चाकू निकाला और अपने एक दोस्त पर हमला कर दिया तथा जब तीसरे लड़के विशाल पाटेकर ने बीच-बचाव किया तो वह भी गंभीर रूप से घायल हो गया। राजकीय रेल पुलिस (जीआरपी) के अधिकारी ने बताया कि पाटेकर बेहोश हो गया और उसे ठाणे जिला सरकारी अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घायल किशोर का इलाज जारी

उन्होंने बताया कि दूसरा घायल नाबालिग किसी तरह पास के इलाके में पहुंच गया, जहां लोगों ने उसे एक निजी अस्पताल पहुंचाया। अधिकारी ने बताया कि बाद में उसे और बेहतर इलाज के लिए कालवा के छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल ले जाया गया। एक अधिकारी ने कहा, 'घायल 16 वर्षीय लड़के के बयान के आधार पर ठाणे जीआरपी थाने में मामला दर्ज किया गया है। हमने कथित हमलावर को हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच की जा रही है।

कराटे कोच गिरफ्तार

बच्ची से अशोभनीय हरकत का आरोप

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

कल्याण शहर में 9 वर्षीय बच्ची के साथ कथित यौन उत्पीड़न के मामले में महात्मा फुले पुलिस ने एक कराटे कोच को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान गिरीश वाघमारे (47) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी पेशे से कराटे कोच है और उसके खिलाफ पॉक्सो सहित संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बहाने से बुलाया

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, घटना 5 मई की है। उस समय आरोपी अपने घर पर अकेला था। उसने बच्ची को चेस्ट गार्ड दिखाने के बहाने घर बुलाया। आरोप है कि चेस्ट गार्ड पहनाने के दौरान उसने बच्ची के साथ अशोभनीय हरकत करते हुए उसका यौन उत्पीड़न किया।

परिजनों ने दर्ज कराई शिकायत

घटना के बाद बच्ची घर पहुंची और उसने पूरी बात अपने परिजनों को बताई। बच्ची की मां तुरंत महात्मा फुले पुलिस थाने पहुंचीं और आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी।

पुलिस की कार्रवाई

महात्मा फुले पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी गिरीश वाघमारे को 7 मई को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच जारी है और आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

मीरा-भायंदर में बढ़ा शिवाजी महाराज प्रतिमा विवाद

● हार की रार में जनता को गुमराह कर रहे सरनाईक: नरेंद्र मेहता

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा-भायंदर

काशीमीरा नाका स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज की अश्वारूढ़ प्रतिमा के मरम्मत और संभावित स्थानांतरण के मुद्दे ने शहर की राजनीति को गरमा दिया है। शुक्रवार को आयोजित पत्रकार परिषद में विधायक नरेंद्र मेहता ने परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कई गंभीर खुलासे किए। मेहता ने कहा कि काशीमीरा नाका पर स्थापित छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा लगभग 30 वर्ष पुरानी हो चुकी है। आसपास की सड़कों की ऊंचाई बढ़ने, मेट्रो पुल और फ्लाईओवर निर्माण के कारण प्रतिमा का चबूतरा धंस गया है। मनपा द्वारा कराए गए स्ट्रक्चरल ऑडिट में प्रतिमा में कई स्थानों पर दरारें पाए जाने के बाद उसकी तत्काल मरम्मत आवश्यक बताई गई है।उन्होंने स्पष्ट किया कि मनपा महासभा में पारित प्रस्ताव में कहीं भी प्रतिमा को स्थानांतरित करने का उल्लेख नहीं है, बल्कि केवल मरम्मत का प्रस्ताव पारित किया गया है। इसके बावजूद मंत्री सरनाईक इस मुद्दे को राजनीतिक रंग देकर लोगों को भ्रमित कर रहे हैं।

'24 केस' वाले आरोप पर मेहता का जवाब

पत्रकार परिषद में मेहता ने सरनाईक द्वारा उन पर 24 केस दर्ज होने के आरोपों का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1997 से अब तक उनके राजनीतिक जीवन के दौरान विभिन्न आंदोलन और प्रदर्शनों में शामिल होने के कारण ये मामले दर्ज हुए थे, जिनमें से अब केवल 3-4 केस ही शेष हैं। इसके बावजूद उन्हें बदनाम करने के उद्देश्य से बार-बार 24 केसों का उल्लेख किया जा रहा है।

स्विमिंग पूल और कला दालान में भ्रष्टाचार का आरोप

मेहता ने स्व। बालासाहेब ठाकरे कला दालान तथा विभिन्न आरक्षित भूखंडों पर बनाए गए स्विमिंग पूलों में भ्रष्टाचार होने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं में पारदर्शिता नहीं बरती गई और जनता के पैसों का दुरुपयोग किया गया। प्रॉपर्टी टैक्स वृद्धि के मुद्दे पर मेहता ने कहा कि पुरानी संपत्तियों के कर में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। इस विषय पर भी लोगों के बीच गलत जानकारी फैलाकर भ्रम की स्थिति पैदा की जा रही है।

138 करोड़ की निधि हस्तांतरित करने पर सवाल

मीरा-भायंदर मनपा के लिए लाई गई 138 करोड़ रुपए की निधि को ठाणे मनपा में हस्तांतरित किए जाने के मुद्दे पर भी मेहता ने सरनाईक पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि किसी विधायक की निधि दूसरे निर्वाचन क्षेत्र में खर्च नहीं की जा सकती, लेकिन सरनाईक चाहें तो उसी निधि का उपयोग मीरा-भायंदर मनपा सीमा में उनके निर्वाचन क्षेत्र में कर सकते थे। मेहता ने आरोप लगाया कि मनपा में भाजपा की सत्ता होने के कारण यहां भ्रष्टाचार की गुंजाइश नहीं थी, इसलिए राजनीतिक हार का बदला शहरवासियों से लिया जा रहा है।

43 माह पहले ही जिलाधिकारी ने दिए थे मरम्मत के निर्देश

■ मेहता ने बताया कि तत्कालीन ठाणे जिलाधिकारी अशोक शिंगारे ने नवंबर 2022 में ही मनपा प्रशासन को प्रतिमा की जर्जर स्थिति को देखते हुए शीघ्र मरम्मत कराने तथा आवश्यकता पड़ने पर अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने की सलाह और निर्देश दिए थे। जिलाधिकारी ने अपने पत्र में सड़क की भराई से प्रतिमा के पांच फुट तक ढंक जाने तथा मेट्रो और फ्लाईओवर के बीच प्रतिमा की दृश्यता प्रभावित होने का भी उल्लेख किया था। हालांकि, प्रशासकीय कार्यकाल में इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

आरोपी एक पुरुष और एक महिला सबूतों के अभाव में बरी

2018 के वेश्यावृत्ति मामले में अदालत का फैसला

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ठाणे की एक सत्र अदालत ने वेश्यावृत्ति गिरोह चलाने के आरोपी एक पुरुष और एक महिला को सबूतों के अभाव में बरी करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष उनके खिलाफ आरोपों को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ए. एस. भागवत ने गुरुवार को सैफ सलाउद्दीन इसरारुद्दीन शेख (46) और कंचन मधारम चौधरी (41) को सभी आरोपों से मुक्त कर दिया। उन पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था।

छापेमारी में महिलाओं को बचाया गया

अभियोजन पक्ष के अनुसार, पुलिस ने 8 मई, 2018 को ठाणे जिले के काशीगांव इलाके में एक अभियान चलाया था, जिसमें नकदी, कंडोम और मोबाइल फोन जब्त किए गए थे। छापेमारी के दौरान पुलिस ने पांच महिलाओं को भी बचाया था। जिरह के दौरान मामले में पुलिस की जांच प्रक्रिया और 'स्वतंत्र' गवाहों की विश्वसनीयता को लेकर कई विसंगतियां सामने आईं।

गवाहों का पता नहीं चला

अभियोजन पक्ष ने अदालत को यह भी बताया कि इस मामले की पीड़ित महिलाएं, फर्जी ग्राहक और कई अन्य गवाहों का पता नहीं चल पा रहा है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि ऐसी स्थिति में, अभियोजन पक्ष किसी भी तरह के आरोप साबित नहीं कर सका। आरोपी सैफ सलाउद्दीन इसरारुद्दीन शेख और आरोपी कंचन मधारम चौधरी को आरोपों से बरी किया जाता है।

अशोक खरात का अंधभक्त और बलात्कार मामले का आरोपी

ठाणे नगर निगम का सहायक आयुक्त महेश आहेर गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ठाणे नगर निगम के विवादित सहायक आयुक्त महेश आहेर की मुश्किलें अब और बढ़ गई हैं। यौन उत्पीड़न के मामले में पिछले 15 दिनों से पुलिस को छका रहे आहेर को आखिरकार गुरुवार तड़के कोल्हापुर पुलिस की स्थानीय अपराध शाखा ने गिरफ्तार कर लिया। वह हातकणंगले तालुका के नरंदे गाँव के एक होटल में अपनी पहचान छिपाकर रह रहा था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि आहेर कोल्हापुर के सीमावर्ती इलाकों में शरण लिए हुए है, जिसके बाद योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाकर उसे हिरासत में लिया गया। पीड़िता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, महेश आहेर ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए उसे डराया-धमकाया और कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उसके साथ जबरदस्ती की। यह सिलसिला 2020 से 2023 तक चलता रहा। जब पीड़िता ने विरोध किया, तो उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। गिरफ्तारी से बचने के लिए आहेर ने अदालत में अग्रिम जमानत याचिका भी दायर की थी, लेकिन बाद में साक्ष्य भारी पड़ते देख उसने अपनी याचिका वापस ले ली थी।

अशोक खरात और अघोरी प्रथाओं का एंगल

इस मामले में सबसे सनसनीखेज खुलासा नाशिक के चर्चित घोटालेबाज और खुद को आध्यात्मिक गुरु बताने वाले अशोक खरात के नाम के जुड़ने से हुआ है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि महेश आहेर उसका अंधभक्त था और उसे जबरन नाशिक स्थित खरात के कार्यालय में लेकर गया था। आरोप है कि वहां पीड़िता के साथ कुछ अघोरी प्रथाओं को अंजाम दिया गया। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि क्या आहेर और खरात मिलकर महिलाओं के शोषण का कोई बड़ा रैकेट चला रहे थे।

पुलिस की छापेमारी

कासारवडवली पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज होने के बाद से ही ठाणे क्राइम ब्रांच की कई टीमें महेश आहेर की तलाश में महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों और पड़ोसी राज्यों में छापेमारी कर रही थीं। पुलिस ने उसके घर और संभावित ठिकानों पर दबिश दी थी, लेकिन वह लगातार अपना लोकेशन बदल रहा था। अंततः तकनीकी विश्लेषण और स्थानीय नेटवर्क की मदद से कोल्हापुर पुलिस उसे पकड़ने में सफल रही।

पत्नी पर जानलेवा हमला

मामूली विवाद में पति ने मिक्सर के जार से किया वार

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

कांदिवली पश्चिम इलाके में घरेलू विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। मामूली कहासुनी के बाद एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी पर हमला कर दिया। आरोप है कि गुस्से में पति ने पहले पत्नी की पिटाई की और बाद में मिक्सर के जार से उसके सिर पर वार कर दिया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है।

रसोईघर से शुरू हुआ विवाद

पुलिस के अनुसार, घटना चारकोप सेक्टर-9 स्थित साई बाबा सोसायटी की है। महिला अपने पति, बेटे और सास-ससुर के साथ रहती थी। रसोईघर के पास रखे बैग को हटाने की बात पर पति-पत्नी के बीच विवाद शुरू हुआ, जो देखते ही देखते हिंसक हो गया। आरोप है कि पति ने पहले पत्नी को लात-घूंसे मारे। महिला ने बचने की कोशिश की, लेकिन आरोपी लगातार हमला करता रहा। इसी दौरान उसने रसोई में रखा मिक्सर का जार उठाकर महिला के सिर पर दे मारा, जिससे वह लहूलुहान हो गई।

पुलिस ने किया गिरफ्तार

घर में मौजूद सास-ससुर ने बीच-बचाव किया। डरी हुई महिला किसी तरह कमरे में जाकर अंदर से दरवाजा बंद कर पाई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। परिजनों ने घायल महिला को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसके सिर पर आठ टांके लगाए गए। चारकोप पुलिस ने महिला की शिकायत पर हत्या की कोशिश का मामला दर्ज किया। कुछ दिनों बाद आरोपी को कांदिवली इलाके से गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

विकी वाइन में चोरी

हिंदमाता संवाददाता @ बदलापुर

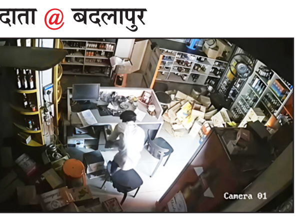

शहर में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ताजा मामला बदलापुर के प्रसिद्ध 'विकी वाइन' शॉप का है, जहां अज्ञात चोरों ने देर रात दुकान में घुसकर नकदी और मोबाइल फोन चोरी कर लिया। घटना के बाद इलाके के व्यापारियों में डर और नाराजगी का माहौल है। जानकारी के मुताबिक, 5 तारीख की देर रात चोरों ने दुकान का शटर तोड़कर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद उन्होंने गल्ले में रखी नकदी पर हाथ साफ किया और दुकान में रखा मोबाइल फोन भी चोरी कर लिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। सुबह जब दुकान मालिक दुकान खोलने पहुंचे, तो शटर टूटा देखकर उन्हें चोरी की जानकारी मिली। अंदर जाकर देखने पर गल्ले से नकदी और मोबाइल गायब था। इसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का पंचनामा कर जांच शुरू कर दी। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि क्षेत्र में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन पुलिस गश्त पर्याप्त नहीं होने से चोरों के हौसले बुलंद हैं। पुलिस ने जल्द आरोपियों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया है।

हिंदमाता एंकर: सफर में 45 मिनट तक की होगी बचत, तीन चरणों में किया जा रहा है निर्माण, आठ किलोमीटर घट जाएगी दूरी

ऐरोली-कटाई नाका कॉरिडोर से बदलेगी एमएमआर की कनेक्टिविटी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी ने बताया कि ऐरोली-कटाई नाका कॉरिडोर प्रोजेक्ट पर काफी प्रगति हुई है। यह एक बड़ा ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट है, जिसका मकसद नवी मुंबई, ठाणे, कल्याण-डोम्बिवली और मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन के आस-पास के इलाकों के बीच कनेक्टिविटी को बेहतर बनाना है। एमएमआरडीए के मुताबिक, 12.71 किलोमीटर लंबा यह कॉरिडोर एक लगातार हाई-स्पीड रास्ते के तौर पर विकसित किया जा रहा है, जो ऐरोली, मुंब्रा और कटाई नाका को जोड़ेगा। अथॉरिटी ने बताया कि इस प्रोजेक्ट से यात्रा की दूरी कम होने, मौजूदा सड़कों पर ट्रैफिक जाम कम होने और पूरे इलाके में यात्रियों और माल ढुलाई, दोनों की आवाजाही बेहतर होने की उम्मीद है। इस प्रोजेक्ट का 3 चरणों में निर्माण किया जा रहा है। बताया गया कि दूसरा चरण पूरा हो चुका है, जबकि पहला चरण पूरा होने के करीब है और तीसरे चरण पर काम चल रहा है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि यह प्रोजेक्ट विकास के मुख्य केंद्रों के बीच कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा और राज्य में आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा।

यात्रा का कुल समय 30 से 45 मिनट तक होगा कम

एमएमआरडीए के मुताबिक, जब तीनों चरण पूरे हो जाएंगे, तो इस कॉरिडोर से यात्रा का कुल समय 30 से 45 मिनट तक कम होने की उम्मीद है, अथॉरिटी ने बताया कि यह रास्ता मुलुंड और कटाई नाका के बीच की दूरी को करीब 7 से 8 किलोमीटर तक कम कर सकता है। यह प्रोजेक्ट इलाके में पूरब पश्चिम कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा और ठाणे और नवी मुंबई के व्यस्त रास्तों पर ट्रैफिक जाम कम करने में मदद करेगा। उन्होंने आगे कहा कि इस कॉरिडोर से यात्रियों के समय में बचत होगी।

आसपास के इलाके में होगा आर्थिक विकास

यह हाई-स्पीड ऐरोली-कटाई नाका कॉरिडोर ठाणे और नवी मुंबई के लिए कनेक्टिविटी के मामले में एक बड़ा कदम है, खासकर टनल लिंक की वजह से, जिससे दोनों इलाकों के बीच सफर तेज और आसान हो जाएगा। एमएमआरडीए का कहना है कि हमारा लक्ष्य मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन को रहने के लिए और बेहतर बनाना और अपने नागरिकों की रोजमर्रा की जिंदगी को आसान बनाना है। भीड़ कम करके और अहम ग्रोथ सेंटर के बीच आसान कनेक्टिविटी बनाकर, हम न सिर्फ तेज सफर मुमकिन बना रहे हैं, बल्कि इस इलाके के बढ़ते आर्थिक विकास में भी मदद कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट से न सिर्फ सफर का समय 35 से 40 मिनट कम होगा। एमएमआरडीए का कहना है कि फेज एक, जो ठाणे-बेलापुर रोड से एनएच-04 तक फैला है, इसमें 1.69 किलोमीटर लंबी जुड़वां टनल और 0.94 किलोमीटर लंबी एलिवेटेड रोड शामिल है। टनल को इस तरह डिजाइन किया गया है कि इसकी हर ट्यूब में तीन ट्रैफिक लेन और एक रिफ्यूज लेन हो। अथॉरिटी के मुताबिक, टनल का सिविल वर्क अभी 92 फीसदी पूरा हो चुका है। इस प्रोजेक्ट में 'न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड' का इस्तेमाल किया गया है।

शॉर्ट स्टोरी

मुंबई में कौथिग का आगाज

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

नवी मुंबई में उत्तराखंड की लोक संस्कृति, परंपरा और भाईचारे के प्रतीक 'कौथिग मुंबई' का गुरुवार को भव्य शुभारंभ हुआ। जुईनगर-सानपाड़ा स्थित झांसी की रानी मैदान में आयोजित इस महोत्सव की शुरूआत कलश यात्रा से हुई, जिसमें पारंपरिक उत्तराखंडी वेशभूषा में सजी महिलाओं ने आकर्षण बिखेरा। आयोजकों ने बताया कि यह आयोजन केवल सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि उत्तराखंडी समाज की जड़ों, परंपराओं और पहचान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। महोत्सव में लोकगीत, लोकनृत्य, पारंपरिक व्यंजन और रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां लोगों को अपनी संस्कृति से जोड़ रही हैं। प्रवासी उत्तराखंडियों के लिए यह आयोजन एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक गौरव का महापर्व बन गया है।

मुंब्रा में कैंडल मार्च

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंब्रा में महिलाओं और बच्चियों पर बढ़ते अत्याचार के विरोध में गुरुवार शाम राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार गुट की ओर से कैंडल मार्च निकाला गया। यह मार्च पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं विधायक जितेंद्र आव्हाड के नेतृत्व तथा जिला अध्यक्ष मनोज प्रधान के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। ठाणे महिला अध्यक्ष एवं नगरसेविका मनीषा भगत के नेतृत्व में निकाले गए इस मार्च में अत्याचारियों को फांसी देने की मांग उठाई गई। यह कैंडल मार्च पुणे जिले के नसरपुर में साढ़े तीन से चार साल की बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या की घटना के विरोध में आयोजित किया गया। मुंब्रा स्टेशन से डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर चौक तक निकाले गए मार्च में सैकड़ों महिलाओं और युवतियों ने भाग लिया। चौक पर पीड़ित बच्ची को श्रद्धांजलि अर्पित कर मार्च का समापन किया गया। इस अवसर पर मनीषा भगत ने कहा कि महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा के लिए सख्त कानून बनाए जाने चाहिए तथा ऐसे अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

सुनेत्रा पवार की ऐतिहासिक जीत

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

बारामती विधानसभा उपचुनाव में उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने रिकॉर्ड मतों से जीत हासिल कर नया इतिहास रच दिया है। उन्होंने 2 लाख 18 हजार 930 वोटों के अंतर से जीत दर्ज करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर नया रिकॉर्ड बनाया। इस जीत के साथ उन्होंने दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजीत पवार द्वारा वर्ष 2019 में बनाए गए 1 लाख 65 हजार 265 वोटों के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया। सुनेत्रा पवार की इस ऐतिहासिक जीत पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) मुंबई के कार्याध्यक्ष सिद्धार्थ टी कांबले, प्रदेश महासचिव संजय तटकरे तथा चांदीवली विधानसभा अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह ने उन्हें गुलदस्ता भेंट कर अभिनंदन किया। नेताओं ने सुनेत्रा पवार को जीत की बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह जीत जनता के विश्वास और पार्टी कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है।

महासभा में चर्चा की मांग

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

एआईएमआईएम के गटनेता एवं नगरसेवक सरफराज खान उर्फ सैफ पठान ने ठाणे महानगरपालिका की सर्वसाधारण सभा लोकतांत्रिक तरीके से चलाने की मांग को लेकर महापौर और आयुक्त को निवेदन सौंपा है। उन्होंने आरोप लगाया कि महासभा में विपक्षी सदस्यों को बोलने का अवसर नहीं दिया जा रहा और विषयों को बिना चर्चा के बहुमत के आधार पर मंजूर किया जा रहा है। सैफ पठान ने कहा कि फरवरी, मार्च और अप्रैल 2026 की महासभाओं में बड़ी संख्या में विषय धारा 72 (ब) और 35 (अ) के तहत प्रस्तुत किए गए, लेकिन अधिकांश प्रस्तावों पर चर्चा किए बिना सामूहिक रूप से मंजूरी दे दी गई। उन्होंने इसे लोकतंत्र और नगरसेवकों के अधिकारों के खिलाफ बताया। उन्होंने मांग की कि प्रत्येक विषय पर अनिवार्य चर्चा हो, 'मंजूरी' और 'जानकारी' वाले विषय अलग-अलग प्रस्तुत किए जाएं तथा शासन की अधिसूचना का सख्ती से पालन किया जाए। सैफ पठान ने कहा कि महासभा को केवल औपचारिक 'रबर स्टैम्प' बनाकर नहीं चलाया जाना चाहिए।

शिवसेना में जश्न

हिंदमाता संवाददाता @ अंबरनाथ

अंबरनाथ नगरपालिका में गुट नेता संबंधी फैसला शिवसेना के पक्ष में आने के बाद नगरसेवकों और पदाधिकारियों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। फैसले के बाद शिवसेना कार्यकर्ताओं ने छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर एकत्र होकर ढोल-ताशों के साथ जोरदार जश्न मनाया। इस अवसर पर सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे भी उपस्थित रहे। कार्यकर्ताओं ने मिठाइयां बांटीं और शिवसेना के समर्थन में नारे लगाए। बड़ी संख्या में मौजूद शिवसैनिकों ने इस फैसले को संगठन और कार्यकर्ताओं के संघर्ष की जीत बताया। शिवसेना गटनेते रवि करणजुले ने कहा कि सत्यमेव जयते ही हमारी प्रतिक्रिया है। सत्य की जीत हुई है और शिवसेना की विचारधारा को न्याय मिला है। उपनगराध्यक्ष सदाशिव पाटिल ने कहा कि अब सभी को साथ लेकर विकास कार्यों को गति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल राजनीति नहीं, बल्कि शहर का विकास और नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना है। फैसले के बाद नगरपालिका के राजनीतिक समीकरणों में बदलाव की चर्चा भी तेज हो गई है।

डेढ़ घंटे बंद रहेगी आरक्षण सेवा

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मध्य रेल ने जानकारी दी है कि यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) में पीएनआर फाइल कम्प्रेशन के रखरखाव कार्य के कारण 9 मई की रात 11.45 बजे से 10 मई की रात 1.15 बजे तक आरक्षण सेवाएं बंद रहेंगी। इस दौरान कई ऑनलाइन और ऑफलाइन सुविधाएं प्रभावित होंगी। रेल प्रशासन के अनुसार बंदी अवधि में यात्री आरक्षण प्रणाली, कोचिंग रिफंड, चार्टिंग गतिविधियां, ट्रेन फायरिंग, आईवीआरएस, तत्काल आरक्षण, चार्ट प्रदर्शन, टच स्क्रीन, रिफंड काउंटर और कोचिंग रिफंड टर्मिनल की सेवाएं उपलब्ध नहीं रहेंगी। इसके अलावा मुंबई पीआरएस ट्रेनों के लिए इंटरनेट बुकिंग भी बंद रहेगी। हालांकि, मौजूदा नियमों के अनुसार यात्रियों को रिफंड के लिए टीडीआर जारी किया जाएगा। मध्य रेल ने यात्रियों और रेल उपयोगकर्ताओं से इस आवश्यक रखरखाव कार्य में सहयोग करने की अपील की है।

रविवार को मेगा ब्लॉक

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मध्य रेल ने 10 मई (रविवार) को इंजीनियरिंग और रखरखाव कार्यों के लिए मेन लाइन और ट्रांस-हार्बर लाइन पर मेगा ब्लॉक की घोषणा की है। मेन लाइन पर माटुंगा और मुलुंड के बीच अप और डाउन फास्ट लाइन पर सुबह 11.05 बजे से दोपहर 3.45 बजे तक ब्लॉक रहेगा। इस दौरान सीएसएमटी से चलने वाली कई फास्ट ट्रेनें स्लो लाइन पर डायवर्ट की जाएंगी और अपने गंतव्य तक लगभग 15 मिनट की देरी से पहुंचेंगी। इसी तरह ठाणे से चलने वाली अप फास्ट ट्रेनें भी मुलुंड और माटुंगा के बीच स्लो लाइन पर चलेंगी। ट्रांस-हार्बर लाइन पर ठाणे और वाशी/नेरुल स्टेशनों के बीच सुबह 11.10 बजे से शाम 4.10 बजे तक ब्लॉक रहेगा। इस दौरान वाशी, नेरुल, पनवेल और ठाणे के बीच चलने वाली कई सेवाएं रद्द रहेंगी। मध्य रेल ने बताया कि बुनियादी ढांचे के रखरखाव और यात्रियों की सुरक्षा के लिए यह मेगा ब्लॉक जरूरी है। रेल प्रशासन ने यात्रियों से सहयोग की अपील करते हुए असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है।

स्कूल में शर्मनाक वारदात

बच्चे ने परिवार को बताई आपबीती

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

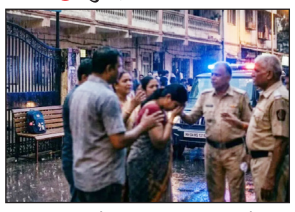

मुंबई के गोवंडी इलाके में एक शर्मनाक घटना सामने आई है, जहां 45 वर्षीय एक स्कूल चपरासी को छह साल के बच्चे के साथ कथित रूप से गलत हरकत करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह घटना एक स्थानीय स्कूल में हुई, जिसे लोग आमतौर पर सुरक्षित और प्रतिष्ठित मानते हैं। पुलिस के मुताबिक, बच्चा स्कूल से घर लौटने के बाद काफी डरा हुआ था। शुरूआत में उसने किसी से कुछ नहीं कहा, लेकिन बाद में हिम्मत जुटाकर उसने अपने परिवार को पूरी घटना के बारे में बताया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन बच्चे को लेकर तुरंत गोवंडी पुलिस स्टेशन पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। यह कानून बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा देने के लिए बनाया गया है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई का प्रावधान करता है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और स्कूल के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि घटना कब और कैसे हुई।

कर्मचारियों से भी पूछताछ

इसके साथ ही पुलिस स्कूल के अन्य कर्मचारियों से भी पूछताछ कर रही है, ताकि मामले की पूरी सच्चाई सामने आ सके। इस घटना के बाद स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकों में गहरी चिंता और नाराजगी है। उनका कहना है कि स्कूल प्रशासन को गैर-शिक्षण कर्मचारियों की बेहतर जांच और निगरानी करनी चाहिए थी। अभिभावकों का कहना है कि बच्चों की सुरक्षा सिर्फ पढ़ाई तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि स्कूल परिसर में हर स्तर पर सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।

बैकग्राउंड जांच की मांग

कई लोगों ने मांग की है कि स्कूलों में काम करने वाले सभी कर्मचारियों का बैकग्राउंड वेरिफिकेशन और सख्ती से किया जाए। इससे पहले, 26 अप्रैल को भी मुंबई में एक मामला सामने आया था, जिसमें एक निजी कंपनी के कर्मचारी पर अपनी पूर्व सहकर्मी को परेशान करने और अश्लील संदेश भेजने के आरोप लगे थे। उस मामले में भी पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया था। पीड़िता ने शिकायत में बताया था कि नौकरी छोड़ने के बाद आरोपी ने ऑफिस ग्रुप से उसका नंबर लेकर उसे लगातार परेशान करना शुरू कर दिया था।

विजय को समर्थन पर कांग्रेस का बचाव

• सपकाल बोले- लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए लिया गया फैसला

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

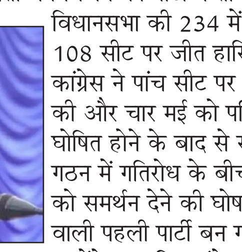

कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने शुक्रवार को तमिलनाडु में विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) को समर्थन देने के पार्टी के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि यह कदम संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करने और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ लोकतांत्रिक ताकतों को मजबूत करने की आवश्यकता से प्रेरित है। अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी ने तमिलनाडु विधानसभा की 234 में से 108 सीट पर जीत हासिल की। कांग्रेस ने पांच सीट पर जीत दर्ज की और चार मई को परिणाम घोषित होने के बाद से सरकार गठन में गतिरोध के बीच विजय को समर्थन देने की घोषणा करने वाली पहली पार्टी बन गयी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि गठबंधन के फैसले केवल चुनावी गणित के नजरिए से नहीं बल्कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के व्यापक उद्देश्य के नजरिए से देखे जाने चाहिए।

द्रमुक को धोखा देने के आरोप खारिज

सपकाल ने इस आरोप को खारिज कर दिया कि कांग्रेस ने दक्षिणी राज्य में विधानसभा चुनावों में सहयोगी रही द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को धोखा दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर कांग्रेस ने द्रमुक का समर्थन भी किया होता तो भी तमिलनाडु में सरकार बनने की कोई संभावना नहीं थी। कांग्रेस नेता ने कहा, हम द्रमुक के साथ गठबंधन में थे लेकिन लंबे समय तक हमें मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली। तमिलनाडु में पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं की ओर से एक व्यापक विपक्षी मोर्चे की मांग थी। कांग्रेस नेतृत्व का मानना था कि संवैधानिक मूल्यों और लोकतंत्र की रक्षा के व्यापक हित में पुराने सहयोगियों को यथासंभव समर्थन दिया जाना चाहिए।

भाजपा के खिलाफ व्यापक मोर्चे पर जोर

सपकाल ने कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का गठन भाजपा के लोकतंत्र विरोधी रवैये और संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने के प्रयासों का मुकाबला करने के लिए किया गया था। कांग्रेस नेता ने कहा, कोई भी राजनीतिक दल जो लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और संवैधानिक मूल्यों के लिए खड़ा होने को तैयार है, वह कांग्रेस के साथ मिलकर काम कर सकता है। टीवीके को समर्थन देने और तमिलनाडु में व्यापक राजनीतिक समझ बनाने के संबंध में लिया गया निर्णय इसी भावना से प्रेरित है। कांग्रेस राजनीतिक असफलताओं की कीमत पर भी अपने वैचारिक रुख के प्रति प्रतिबद्ध रही।

निदा खान की गिरफ्तारी के बाद भाजपा नेता चित्रा वाघ का बड़ा बयान

कहा- धर्मांतरण नेटवर्क पर होगा कड़ा प्रहार

हिंदमाता नेटवर्क @ नाशिक

नाशिक टीसीएस मामले में गुरुवार को फरार आरोपी निदा खान को छतपति संभाजीनगर से गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके बाद भाजपा नेता चित्रा वाघ ने नाशिक टीसीएस मामले, जबरन धर्मांतरण और लव जिहाद से जुड़े आरोपों को लेकर बड़ी बात कही है। चित्रा वाघ ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के माध्यम से धर्मांतरण गतिविधियों के संचालन की बातें सामने आई हैं, जो बेहद गंभीर विषय है और सरकार इस पर सख्ती से कार्रवाई कर रही है। उन्होंने बताया कि इस मामले में पहले भी कई लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। वहीं लंबे समय से फरार चल रही थी निदा खान को भी छत्रपति संभाजीनगर से गिरफ्तार किया गया है।

धर्मांतरण नेटवर्क पर सरकार की पैनी नजर : चित्रा वाघ

भाजपा एमएलसी चित्रा वाघ ने कहा कि इस प्रकार की घटनाओं को रोकना सरकार की जिम्मेदारी है और महाराष्ट्र की महायुति सरकार इस दिशा में लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण नेटवर्क पर सरकार की पैनी नजर है और दोषियों पर कार्रवाई होना तय है। वाघ ने दावा किया कि टीसीएस जैसी कंपनियों के नाम भी इस मामले में सामने आ रहे हैं। ऐसे मामलों में पुलिस और सरकार पूरी सख्ती के साथ कार्रवाई करेगी ताकि किसी भी प्रकार के अवैध धर्मांतरण या समाज को प्रभावित करने वाली गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके।

वारिस पठान पर भड़की चित्रा वाघ

इधर वंदे मातरम पर एआईएमआईएम नेता वारिस पठान की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए चित्रा वाघ ने कहा कि यह भारत की आत्मा से जुड़ा गीत है और इसे सम्मान देना हर भारतीय का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम को राष्ट्रीय गीत जैसा सम्मान मिलना देश के लिए गौरव की बात है और इसका गायन सभी नागरिकों को करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की सोच हमेशा राष्ट्रहित और भारतीय संस्कृति के सम्मान को प्राथमिकता देने वाली रही है।

पीएम मोदी के सोमनाथ दौर पर दी प्रतिक्रिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सोमनाथ दौरे को लेकर पूछे गए सवाल पर भाजपा नेता चित्रा वाघ ने कहा कि सोमनाथ मंदिर करोड़ों भारतीयों की आस्था और ऊर्जा का केंद्र है। पीएम मोदी का सोमनाथ जाना बेहद सकारात्मक और प्रेरणादायक कदम है। उनके कार्यकाल में सोमनाथ मंदिर के विकास और सौंदर्यीकरण का व्यापक कार्य हुआ है, जिससे मंदिर को नया स्वरूप मिला और देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं प्राप्त हुई हैं। चित्रा वाघ ने पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनावों में भाजपा की बड़ी सफलता और सुवेंदु अधिकारी के निजी सहायक की हत्या के मुद्दे पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी के नेतृत्व में वर्षों से पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा और गुंडागर्दी का माहौल बना हुआ था, जिसे जनता लंबे समय से झेल रही थी। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम आने और भाजपा को भारी जनसमर्थन मिलने के बावजूद राज्य में भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमले किए जा रहे हैं। वाघ ने दावा किया कि भाजपा कार्यकर्ताओं को निशाना बनाकर मारपीट की जा रही है, लेकिन आने वाले समय में राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति मजबूत होगी और राजनीतिक हिंसा पर नियंत्रण स्थापित किया जाएगा।

सोशल मीडिया संपर्क के जरिए नाबालिग के धर्मांतरण और शोषण का आरोप

वर्धा का मामला चर्चा में

हिंदमाता नेटवर्क @ वर्धा

देश और राज्य के विभिन्न हिस्सों की तरह अब वर्धा जिले में भी लव जिहाद का एक गंभीर मामला प्रकाश में आया है। अंतरराष्ट्रीय बजरंग दल के विदर्भ प्रांत अध्यक्ष संतोषसिंह ठाकुर ने एक पत्र परिषद के माध्यम से प्रशासन पर दबाव बनाया है कि इस प्रकरण में गहराई से जांच की जाए। आरोप है कि एक नाबालिग किशोरी को सोशल मीडिया के माध्यम से प्रेम जाल में फंसाया गया और उस पर धर्म बदलने का दबाव बनाया गया। स्थानीय श्री राम मंदिर में आयोजित इस बैठक में कई संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इंस्टाग्राम के जरिए संपर्क और शोषण का आरोप

संतोषसिंह ठाकुर ने बताया कि आरोपी रेहान फारुख अली ने 4 सितंबर 2025 से 27 अप्रैल 2026 के दौरान पीड़िता से इंस्टाग्राम और फोन के माध्यम से संपर्क बनाए रखा। आरोप है कि इस दौरान उसने पीड़िता को बहला-फुसलाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। वर्धा पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए 29 अप्रैल को आरोपी को हिरासत में लिया है और फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में है। बजरंग दल का दावा है कि आरोपी के मोबाइल संपर्कों से पता चला है कि वह चार अन्य युवतियों के भी संपर्क में था, जिसकी जांच होनी चाहिए।

पीड़िता का ब्रेनवॉश और धर्मांतरण की कोशिश

पत्र परिषद में अंतरराष्ट्रीय दुर्गाशक्ति परिषद की विदर्भ प्रांत अध्यक्ष शीतल बघेल ने चौंकाने वाले खुलासे किए। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी ने पीड़िता का इस कदर ब्रेनवॉश किया है कि वह अरबी भाषा में नमाज पढ़ने लगी है। पीड़िता ने ऑनलाइन बुर्का भी मंगवाया था और उसके मोबाइल से कई आपत्तिजनक वीडियो और फोटो बरामद हुए हैं। फिलहाल पीड़िता की स्थिति को देखते हुए उसका विशेषज्ञों द्वारा समुपदेशन किया जा रहा है।

सतर्कता के लिए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए अंतरराष्ट्रीय बजरंग दल ने जिला स्तर पर विशेष टीम का गठन किया है। राजसम्राट बघेल ने बताया कि लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण जैसे मामलों को रोकने के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे। संगठन ने अपील की है कि यदि कहीं भी ऐसी संदिग्ध गतिविधियां दिखाई दें, तो तुरंत उनसे संपर्क करें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। पत्र परिषद में अखिल आर्यवत संघ के श्याम देशपांडे सहित अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

प्यार में हुई लड़ाई तो जल्लाद बना शख्स

ब्लेड से काटा गर्लफ्रेंड का गला

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

पुणे के चंदननगर इलाके में प्रेम संबंध के विवाद को लेकर 22 वर्षीय युवती पर जानलेवा हमले की चौंकाने वाली घटना सामने आई है। आरोपी ने ब्लेड से युवती के गले पर वार कर उसकी हत्या करने की कोशिश की। गंभीर रूप से घायल युवती की हालत नाजुक बनी हुई है और उसका एक निजी अस्पताल के आईसीयू में इलाज चल रहा है। घायल युवती की पहचान उजालादेवी जसवंतसिंह दोहरे (22) के रूप में हुई है। इस मामले में दिलीप राठौड़ (22) के खिलाफ चंदननगर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। युवती के भाई भगतसिंह जसवंतसिंह दोहरे (25) ने शिकायत दर्ज कराई है।

आरोपी ने युवती के गले पर ब्लेड से किया हमला

पुलिस के मुताबिक, आरोपी दिलीप राठौड़ और पीड़िता एक मॉल में साथ काम करते थे। दोनों के बीच प्रेम संबंध थे, लेकिन पिछले कुछ दिनों से दोनों के बीच विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते आरोपी दिलीप पठारेवस्ती स्थित युवती के घर पहुंचा। उस समय युवती घर में अकेली थी, जबकि उसका भाई और भाभी काम के सिलसिले में बाहर गए हुए थे। मौके का फायदा उठाकर आरोपी घर में घुसा और युवती के गले पर ब्लेड से हमला कर दिया। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

परिजनों ने युवती को अस्पताल में कराया भर्ती

गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद युवती ने अपने भाई को फोन कर कहा कि जल्दी घर आओ, एक लड़के ने मुझे मार दिया है। मुझे बहुत चोट लगी है। मेरे गले से आवाज नहीं निकल रही है। इसके बाद उसने अपने भाई को वीडियो कॉल भी किया, जिसमें वह खून से लथपथ दिखाई दे रही थी। सूचना मिलते ही भाई तुरंत घर पहुंचा। तब तक आसपास के लोग और रिश्तेदार भी मौके पर जमा हो चुके थे। सभी ने मिलकर युवती को तुरंत अस्पताल पहुंचाया।

घटना की जांच में जुटी पुलिस

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस भी अस्पताल पहुंची। युवती बोलने की स्थिति में नहीं थी, इसलिए उसने इशारे से पेन और कागज मंगवाया और उस पर 'दिलीप राठौड़' लिखकर आरोपी का नाम बताया। घर में घुसकर युवती पर हुए इस जानलेवा हमले से चंदननगर इलाके में सनसनी फैल गई है। मामले की आगे की जांच चंदननगर पुलिस कर रही है।

अकोला में पानी को लेकर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा

जीवन प्राधिकरण के कार्यालय पर ठिया आंदोलन

हिंदमाता नेटवर्क @ अकोला

84 ग्राम क्षेत्रीय पानी आपूर्ति योजना के अंतर्गत आने वाले गांवों में पानी की आपूर्ति 25 दिन में केवल एक बार हो रही है। इस कारण नागरिकों को पीने के पानी के लिए दूर-दूर भटकना पड़ रहा है। आखिरकार नागरिकों का धैर्य टूट गया और उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) के नेतृत्व में महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण के अकोला कार्यालय पर धावा बोलकर ठिया आंदोलन किया। ग्रामस्थों ने अपनी व्यथा व्यक्त करने के लिए अनोखा तरीका अपनाया, उन्होंने पानी के पाइप, नल, मटके और यहां तक कि चूड़ियां भी अभियंताओं को भेंट कर विरोध दर्ज कराया। आंदोलन में दहिहंडा, गणोरी, हिंगणी, बडद खुर्द, रोहणा, ब्रम्हपुरी, पाटी, काटी, दोनवडा, ठोकबर्डी, जऊलखेड सहित कई गांवों के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

25 दिन में केवल एक बार पानी की आपूर्ति

जिसमें शिवसेना जिला प्रमुख गोपाल दातकर, पार्षद अभय खुमकर, ज्ञानेश्वर गावंडे, संजय भांबेरे, अविनाश राऊत, गोपाल वावरे, श्रीकांत तिवारी, विश्वास मापे, सरपंच भीमराव आठवले, बजरंग बोदडे, गजानन चहाटे सहित 84 ग्राम जलापूर्ति योजना के अंतर्गत आने वाले गांवों के सैकड़ों नागरिक शामिल थे। पानी की आपूर्ति 25 दिन में केवल एक बार होती है। क्षेत्र खारे पानी पट्टे में होने से स्थानीय पानी पीने योग्य नहीं है, मरम्मत पर खर्च होने के बावजूद पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं है।

नागरिकों को भटकना पड़ रहा

नागरिकों को रोजी रोटी छोड़कर पानी के लिए भटकना पड़ता है, खुले स्थानों पर गंदा पानी जमा है और स्वास्थ्य संबंधी खतरे बढ़ रहे हैं। आंदोलन के दौरान नागरिकों ने कार्यकारी अभियंता और ठेकेदार कर्मचारियों से सीधे सवाल किए, नागरिकों के आक्रामक रुख को देखते हुए अभियंताओं ने वहीं पर गांववार पानी आपूर्ति का नया नियोजन घोषित किया और आश्वासन दिया कि अब हर छठे दिन पानी की आपूर्ति होगी। इस आश्वासन से नागरिकों ने सतोष व्यक्त किया।

भाजपा नेता की पत्नी से संबंधित मानहानि मामले में बंबई उच्च न्यायालय ने राऊत को नोटिस जारी किया

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता किरीट सोमैया की पत्नी मेधा सोमैया की याचिका पर बंबई उच्च न्यायालय ने शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राऊत को शुक्रवार को नोटिस जारी किया। मेधा ने मानहानि के मामले में राऊत को निचली अदालत द्वारा बरी किए जाने को उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। मेधा सोमैया ने अधिवक्ता लक्ष्मण कनाल के जरिये मजिस्ट्रेट अदालत में मानहानि की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने दावा किया था कि राऊत ने 2022 में मीडिया में उनके और उनके पति के खिलाफ निराधार एवं मानहानिकारक आरोप

पिछले साल 26 सितंबर को एक न्यायिक मजिस्ट्रेट ने राऊत को भारतीय दंड संहिता की धारा 500 के तहत मानहानि का दोषी ठहराया था। अदालत ने उन्हें 15 दिन कारावास और 25 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई थी। राऊत ने मजिस्ट्रेट अदालत के फैसले के खिलाफ सांसदों और विधायकों के सुनवाई के लिए गठित विशेष सत्र न्यायालय में अपील दायर की। इस साल फरवरी में, सत्र न्यायालय ने मजिस्ट्रेट अदालत के फैसले को रद्द करते हुए राऊत को बरी कर दिया। सत्र न्यायालय ने फैसले में कहा कि यह साबित नहीं किया जा सकता कि कथित मानहानिकारक समाचार लेख राऊत के निदेशों पर प्रकाशित किया गया था। अदालत ने स्पष्ट किया कि सामना के 'कार्यकारी संपादक' के रूप में, राऊत को प्रकाशित होने वाली प्रत्येक समाचार सामग्री के लिए कानूनी रूप से उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता।

मेधा ने अप्रैल में सत्र न्यायालय के फैसले को कानून के अनुकूल नहीं होने और अवैध करार देते हुए उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति एस जी डिगे की एकल पीठ ने शुक्रवार को मामले में सुनवाई करते हुए राऊत को नोटिस जारी किया। साथ ही अगली सुनवाई के लिए 18 जून की तारीख तय की। मेधा सोमैया ने दावा किया है कि राऊत ने मीडिया में उनके और उनके पति के खिलाफ निराधार एवं पूरी तरह से मानहानिकारक आरोप लगाए हैं, जिनमें उन पर मीरा-भयंदर महानगरपालिका में सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण से संबंधित 100 करोड़ रुपये के घोटाले में संलिप्त होने का आरोप भी शामिल है।

बॉम्बे हाईकोर्ट में परमबीर सिंह की जमानत रद्द करने की मांग

लीलावती ट्रस्ट ने लगाए गंभीर आरोप

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

लीलावती कीर्तिलाल मेहता मेडिकल ट्रस्ट ने अपने पूर्व कार्यकारी निदेशक व पूर्व मुंबई पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह की जमानत रद्द करने की मांग को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। ट्रस्ट ने उन पर वित्तीय गड़बड़ी, आपराधिक धमकी, दस्तावेजों में कथित फजीर्वाड़ा और ट्रस्ट के ट्रस्टी व वरिष्ठ अधिकारियों को लगातार धमकाने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। ट्रस्ट का कहना है कि मई 2023 में एक अन्य मामले में जमानत मिलने के बाद भी परमबीर सिंह कथित तौर पर दबाव बनाने और गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल रहे।

कर्मचारियों व ट्रस्टियों को डराने-धमकाने का प्रयास

याचिका में आरोप लगाया गया है कि उन्होंने कथित उगाही की कोशिश की। मानहानिकारक संदेश फैलाएं और अस्पताल के कर्मचारियों व ट्रस्टियों को डराने-धमकाने का प्रयास किया। ट्रस्ट के अनुसार, इन गतिविधियों से यह स्पष्ट होता है कि अदालत से मिली जमानत का खुलेआम दुरुपयोग किया जा रहा है और इससे संस्थान की कार्यप्रणाली व सुरक्षा को लगातार खतरा बना हुआ है।

ट्रस्ट ने दर्ज कराई शिकायतें

ट्रस्ट ने बताया कि 5 फरवरी 2026 को परमवीर सिंह से उनका संबंध समाप्त कर दिया गया था। इसके अलावा, ट्रस्ट की ओर से कई पुलिस शिकायत भी दर्ज कराई गई हैं, जिनमें कथित उगाही की मांगों और स्थायी ट्रस्टी प्रशांत मेहता समेत अन्य ट्रस्टियों को जान से मारने की धमकियों का उल्लेख है। यह आपराधिक आवेदन ट्रस्ट के स्थायी ट्रस्टी प्रशांत मेहता की ओर से दायर किया गया है।

महाराष्ट्र के नगर पंचायत चुनाव में बड़ा सियासी खेल

साथ आए शिंदे शिवसेना और कांग्रेस, मिल गई जीत

हिंदमाता नेटवर्क @ रायगढ़

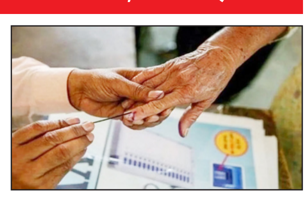

महाराष्ट्र की राजनीति में रायगढ़ जिले की म्हसला नगर पंचायत ने बड़ा सियासी संदेश दिया है। सुनील तटकरे और अदिति तटकरे का गढ़ माने जाने वाले म्हसला में पिछले 10 वर्षों से सत्ता पर काबिज कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस को जीत नहीं मिली तो उसने शिंदे की शिवसेना को समर्थन दे दिया। शिंदे की शिवसेना ने कांग्रेस के समर्थन से नगर पंचायत की सत्ता पर कब्जा जमाते हुए भगवा फहरा दिया है। गुरुवार की दोपहर विशेष सभा में नगर अध्यक्ष पद के लिए मतदान हुआ, जिस पर पूरे रायगढ़ जिले और राज्य की नजरें टिकी थीं। 17 सदस्यीय सदन में शिंदे गुट के उम्मीदवार शाहिद जंजीरकर को 9 वोट मिले और उन्होंने जीत दर्ज की। वहीं एनसीपी उम्मीदवार सुनील शेडगे को 6 वोट मिले, जबकि एक नगरसेवक अनुपस्थित रहा। इस राजनीतिक उलटफेर की पटकथा पिछले कई महीनों से लिखी जा रही थी। दिसंबर 2025 में नगर परिषद चुनाव के बाद नगराध्यक्ष पद खाली था, क्योंकि एनसीपी के सात नगरसेवकों ने शिंदे गुट की शिवसेना का दामन थाम लिया था। इसके खिलाफ एनसीपी ने दल-बदल कानून के तहत शिकायत की, जिसके बाद जनवरी 2026 में रायगढ़ जिलाधिकारी ने सात नगरसेवकों को अयोग्य घोषित कर दिया था। उस समय इसे भरत गोगावले के लिए बड़ा झटका माना गया था लेकिन बदले हुए राजनीतिक समीकरण में शिंदे गुट ने कांग्रेस के तीन नगरसेवकों का समर्थन हासिल कर लिया। शिंदे गुट के पास अपने 6 वोट थे, कांग्रेस के समर्थन से आंकड़ा 9 तक पहुंचा और सत्ता परिवर्तन हो गया।

मुंबई एयरपोर्ट पर छह घंटे चला रनवे रिपेयर वर्क

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

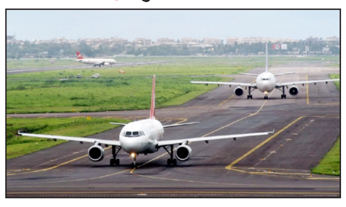

मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने गुरुवार को छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट में अपना सालाना रनवे मेंटेनेंस का काम पूरा कर लिया। जिससे मानसून से पहले ऑपरेशनल तैयारी पक्की हो गई है। गुरुवार सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक छह घंटे के काम के तहत रनवे 09/27 (3448 मीटर) और रनवे 14/32 (2871 मीटर) का पूरी तरह से इंस्पेक्शन किया गया। इसकी मरम्मत के बाद अब यह पूरी तरह से चालू हो गया है।

स्टेकहोल्डर कोआर्डिनेशन से सपोर्ट

छह महीने पहले इस रिपेयर वर्क की सूचना देने से स्टेकहोल्डर कोआर्डिनेशन से सपोर्ट मिला, जिससे एयरलाइंस ने फ्लाइट शेड्यूल पहले से प्लान कर लिया था। रोज 950 से ज्यादा एयर ट्रैफिक मूवमेंट को हैंडल करने वाले एयरपोर्ट के लिए, ऐसा प्रिवेंटिव मेंटेनेंस बहुत जरूरी है।

ट्रक ने महिला मजदूर को रौंदा

हिंदमाता नेटवर्क @ चंद्रपुर

चंद्रपुर शहर के राष्ट्रीय महामार्ग परिसर स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस चौक (बंगाली कैम्प चौक) में गुरुवार सुबह एक बेहद दर्दनाक हादसा हुआ। बल्लारपुर की ओर से आ रहे एक ओवरलोड ट्रक ने काम पर जा रही एक महिला मजदूर को टक्कर मार दी, जिससे वह ट्रक के पहियों के नीचे आ गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पिछले दो दिनों में शहर में हादसों की यह तीसरी घटना है, जिससे नागरिकों में तीव्र असंतोष और आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तुरंत उपाय योजना करने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह यह महिला मजदूर अपना टिफिन लेकर साइकिल से काम पर जाने के लिए निकली थी। बंगाली कैम्प परिसर मजदूरों का बड़ा जमावड़ा केंद्र है।

हिंदमाता एंकर: 47 साल के कालीन कारीगर ने पास की 10 वीं की परीक्षा, पेश किया उदाहरण

'पढ़ाई करने की उम्र नहीं होती'

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

वाशिम जिले में स्थित रिसोड कस्बे के लोनी फाटा इलाके में रहने वाले मोहम्मद जमील नूर मोहम्मद पेशे से गद्दे और कालीन बनाने का काम करते हैं। शुक्रवार को जब 10वीं कक्षा के परिणाम घोषित हुए, तो जमील के घर में ईद जैसा माहौल था। उनके बेटे ने जैसे ही कंप्यूटर पर पिता का रिजल्ट 'पास' देखा, पूरे मोहल्ले में खुशी की लहर दौड़ गई। 47 साल की उम्र में मिली यह कामयाबी केवल एक डिग्री नहीं, बल्कि तीन दशकों से अधूरे पड़े एक सपने की जीत है। मोहम्मद जमील ने साल 1995 में पहली बार 10वीं की परीक्षा दी थी, लेकिन पारिवारिक जिम्मेदारियों और आर्थिक तंगी के कारण वे उस समय सफल नहीं हो सके। घर चलाने के लिए उन्हें पढ़ाई छोड़कर कालीन बनाने के पुश्तैनी काम में जुटना पड़ा। वक्त बीतता गया, शादियां हुईं, बच्चे हुए, लेकिन जमील के मन में पढ़ाई का जो दीया बुझ गया था, उसकी कसक हमेशा बनी रही। उन्होंने अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाई, लेकिन खुद के 'अनपढ़' रह जाने का मलाल उन्हें बार-बार सताता था।

बच्चों की उम्र के छात्रों के साथ दी परीक्षा

जब उनके बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त करने लगे, तो जमील को लगा कि अब जिम्मेदारियां थोड़ी कम हुई हैं। उन्होंने अपने परिवार से फिर से पढ़ाई करने की इच्छा जताई। उनके बच्चों और पत्नी ने उन्हें पूरा समर्थन दिया। 47 साल की उम्र में, जब लोग रिटायरमेंट की सोचने लगते हैं, जमील ने फॉर्म भरा और अपने बच्चों की उम्र के छात्रों के साथ परीक्षा केंद्र पहुंचे। शुरूआती हिचकिचाहट के बाद, अन्य छात्रों ने भी उनके इस जज्बे को सलाम किया और उन्हें प्रोत्साहित किया।

सफलता का मंत्र : हार मत मानो

मोहम्मद जमील की सफलता उन युवाओं के लिए एक कड़ा संदेश है जो छोटी-मोटी असफलताओं से टूट जाते हैं। जमील ने कहा, जब मैं परीक्षा हॉल में बैठा था, तो मुझे लग रहा था कि मैं फिर से वही 18 साल का लड़का बन गया हूं। मेरे बच्चों के लिए यह देखना कौतूहल भरा था कि उनके पिता पास होंगे या नहीं, लेकिन मेरी सफलता ने उन्हें सबसे ज्यादा खुशी दी है।

आगे का रास्ता

जमील की यह यात्रा 10वीं तक सीमित नहीं रहने वाली है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वे अब 12वीं और उसके बाद कॉलेज की पढ़ाई भी पूरी करेंगे। उनका मानना है कि शिक्षा केवल नौकरी के लिए नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और दुनिया को देखने का नजरिया बदलने के लिए जरूरी है। रिसोड के स्थानीय लोगों ने केक काटकर और माला पहनाकर अपने इस 'छात्र' का जोरदार स्वागत किया।

'बहू के अंदर चुड़ैल है', ससुर ने चप्पलों से पीटा

तंत्र-मंत्र के नाम पर प्रताड़ित करने का भी आरोप, केस दर्ज

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई से एक बेहद शर्मनाक और रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 27 वर्षीय विवाहिता ने अपने पति और ससुराल वालों पर न सिर्फ भयानक घरेलू हिंसा का आरोप लगाया है, बल्कि 'अघोरी कृत्यों' और तंत्र-मंत्र के नाम पर प्रताड़ित करने का भी सनसनीखेज खुलासा किया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। पीड़िता के मुताबिक, उसकी शादी 2 फरवरी 2021 को अंधेरी पश्चिम में हुई थी, जिसके बाद वह भायखला स्थित ससुराल में रहने लगी। शादी के कुछ समय बाद ही उसे उसके वजन (मोटी कहकर) और ऑनलाइन बिजनेस को लेकर ताने मारे जाने लगे। हद तो तब हो गई जब कथित तौर पर झाड़-फूंक करने वाले उसके ससुर ने उसे 'भूत-प्रेत से ग्रसित' बता दिया। महिला का आरोप है कि उसके ऊपर नमक ओवाला (उतारा) जाता था। झाड़-फूंक के नाम पर उसे गीली चप्पलों और मोर पंख से पीटा जाता था। पूरे परिवार और रिश्तेदारों के सामने उसे शैतान के कब्जे में बताकर भारी जलील किया जाता था।

गर्भावस्था में भी पीटा, 2 बार हुआ गर्भपात

इस खौफनाक कहानी में दर्द यहीं खत्म नहीं होता। महिला ने अपनी शिकायत में बताया है कि उसका पति मायके से पैसे लाने का दबाव बनाता था और बात-बात पर मारपीट करता था। प्रताड़ना का स्तर इतना भयानक था कि जब महिला गर्भवती थी, तब भी उसे बख्शा नहीं गया। अत्यधिक तनाव और शारीरिक हिंसा के चलते महिला को दो बार गर्भपात का दर्दनाक सामना करना पड़ा।

विचार प्रवाह

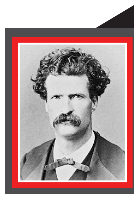

ईश्वर की कृपा से हमारे देश में तीन बेहद कीमती चीजें उपलब्ध हैं: भाषण की स्वतंत्रता, अंतरात्मा की स्वतंत्रता, और इनमे से किसी का भी प्रयोग ना करने का विवेक।
- मार्क ट्वैन

संपादकीय

बंगाल में कानूनी व्यवस्था की हो बहाली

छिटपुट हिंसा की घटनाओं के बावजूद पश्चिम बंगाल में कमोबेश शांतिपूर्ण मतदान हुआ था। लेकिन चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद हो रही हिंसा की घटनाएं परेशान करने वाली हैं। भाजपा व टीएमसी के कुछ समर्थकों में हिंसक झड़पों के अलावा राज्य में पार्टी के अगुवा रहे सुवेंदु अधिकारी के करीबी चंद्रनाथ रथ की हत्या चौंकाने वाली है। इससे दोनों दलों के बीच तनाव बढ़ा है। राज्य में मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार सुवेंदु अधिकारी का दावा है कि रथ की हत्या उनके करीबी होने के कारण की गई है। वहीं चंद्रनाथ के परिजनों का आरोप है कि यह हत्या ममता बनर्जी की भवानीपुर में अधिकारी से हुई हार का बदला लेने के लिये की गई है। उल्लेखनीय है कि इस दौरान कुछ भाजपा व टीएमसी कार्यकर्ताओं की भी हत्या की गई है। दरअसल, पंद्रह साल से सत्ता में काबिज रही टीएमसी पर भाजपा की बड़ी जीत ने दोनों पार्टियों के बीच तनाव को बढ़ाया है। यही वजह है कि भारतीय चुनाव आयोग पर हमलावर होते हुए ममता बनर्जी ने केवल चुनाव परिणामों को ही खारिज नहीं किया, बल्कि मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देने तक से मना कर दिया। उनकी इस घोषणा ने लंबे समय से जारी टकराव को बढ़ाने का काम ही किया। इस घटनाक्रम से टीएमसी कार्यकर्ताओं को आक्रामक होने का मौका मिला। निश्चय ही यह स्थिति राज्य के हित में नहीं कही जा सकती। राज्य में कानून व्यवस्था को प्राथमिकता के आधार पर बहाल किए जाने की जरूरत है। कायदे में चुनाव परिणाम सामने आने के बाद ममता को सदाशयता का परिचय देते हुए कार्यकर्ताओं से शांत रहने की अपील राज्य हित में करनी चाहिए। यही लोकतंत्र का तकाजा भी है। वहीं दूसरी ओर, भाजपा को भी अपने कार्यकर्ताओं को शांत रहने के लिये प्रेरित करना चाहिए। उन्हें चुनाव परिणाम सामने आने के बाद हिंसा से परहेज करना चाहिए। यही लोकतंत्र की प्रतिष्ठा भी है। यह विडंबना ही है कि चुनाव आयोग द्वारा राज्य के अधिकारियों को विजय जुलूसों पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश देने के बाद भी दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़पें हुई हैं। ऐसी स्थिति में राज्य पुलिस को हिंसा के प्रति जीरो टॉलरेंस दिखाते हुए, केंद्रीय बलों के साथ कानून व्यवस्था बहाल करने के लिये मिलकर काम करना चाहिए। यूं तो पूरे राज्य में ही, अन्यथा खासकर संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ायी जानी चाहिए। हिंसक वारदातों व तोड़फोड़ में शामिल लोगों की पहचान करके उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। किसी भी राजनीतिक दल से संबद्धता की परवाह किए बिना उपद्रवियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करना वक्त की जरूरत है। भाजपा व टीएमसी को अपने कार्यकर्ताओं से संयम बरतने को कहना चाहिए। वास्तव में अतीत में हिंसा का लंबा इतिहास रखने वाले पश्चिम बंगाल को अब नये सिरे से शुरूआत करके विकास के पथ पर लौटना चाहिए। यह निर्विवाद सत्य है कि किसी भी हिंसा की कीमत आखिर आम जनता को ही चुकानी पड़ती है। यदि पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो पाते हैं कि राज्य की राजनीति में अपराध जगत से जुड़े व दबंग किस्म के लोग दखल देते रहे हैं। कभी वे राजनीतिक दलों के लिए बूथ लूटने का काम किया करते थे। एक समय वामपंथी सरकार में दखल रखने वाले ये लोग कालांतर तृणमूल कांग्रेस के लिये काम करने लगे थे। दरअसल, ये लोग अपनी सुविधा के हिसाब से राजनीतिक शरण लेकर अपने मंसूबों को पूरा करते रहे हैं। जाहिर है, अब राज्य में तृणमूल कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई है तो वे भाजपा की छतरी के नीचे आने की कोशिश कर रहे होंगे। कहीं न कहीं हालिया हिंसा में उनकी भी भूमिका हो सकती है। यही वजह है कि भाजपा की तरफ से कहा जा रहा है कि अब तक टीएमसी से जुड़े रहे कुछ लोग खुद को भाजपा का बता रहे हैं। शुभेंदु अधिकारी को यहां तक कहना पड़ा कि जब तक भाजपा किसी व्यक्ति को पार्टी का सदस्य न बनाये तब तक वह व्यक्ति खुद को भाजपा का नहीं बता सकता है। बहरहाल, राज्य में शांति की स्थापना शासन-प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए।

आज का इतिहास

- 2000 - जाफना प्रायःद्वीप के एलीफेंट दर्रे पर कब्जे के लिए लिट्टे के साथ हुए संघर्ष में श्रीलंका के 358 सैनिक मारे गये।
- 2002 - कराची विस्फोट में पाकिस्तान के ही संगठन का हाथ होने के संकेत।
- 2004 - चेचेन्या में एक विस्फोट में वहां के राष्ट्रपति अखमद कादरोव का निधन।
- 2005 - मास्को में रूस द्वारा द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान जर्मनी सेना पर विजय की 60वीं वर्षगांठ के जलसों में भारत के प्रधानमंत्री डाक्टर मनमोहन सिंह ने भाग लिया।
- 2008 - अमेरिका ने पाकिस्तान को 8.1 करोड़ डॉलर की सैन्य सहायता देने से इन्कार किया।
- 2010 - भारत की वंदना शिवा को विकासशील देशों में महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सहयोग देने के लिए वर्ष 2010 के सिडनी शांति पुरस्कार के लिए चुना गया। उन्हें चार नवंबर को सिडनी ओपेरा हाउस में यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।
- 1935 - स्नेहमयी चौधरी - प्रसिद्ध हिन्दी कवयित्री।
- 1930 - रवीन्द्रनाथ त्यागी - प्रसिद्ध भारतीय व्यंग्यकार और लेखक थे।
- 1866 - गोपाल कृष्ण गोखले, स्वतंत्रता सेनानी, समाजसेवी, विचारक एवं सुधारक थे।
- 1836 - फर्डिनांड मोनोयेर - प्रसिद्ध फ़्रांसीसी नेत्र रोग विशेषज्ञ थे।
- 1661 - जहांदारशाह - बहादुरशाह प्रथम के चार पुत्रों में से एक था।
- 1540 - महाराणा प्रताप, उदयपुर, मेवाड़ में शिशोदिया राजवंश के राजा।
- 2014 - एन. जनार्दन रेड्डी - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ थे, जो आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे।
- 1999 - करमशी जेठाभाई सोमैया - भारतीय शिक्षाविद थे।
- 1959 - भवानी दयाल संन्यासी - राष्ट्रवादी, हिंदी सेवी और आर्यसमाजी थे।
- 1986 - तेनज़िंग नोर्गे - माउंट एवरेस्ट, हिमालय पर पहुंचने वाले सर्वप्रथम व्यक्ति
- 1995 - कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर - हिन्दी के जाने-माने निबंधकार।
- 1998 - तलत महमूद - प्रसिद्ध भारतीय गजल गायक और अभिनेता

युद्ध या विराम: आखिर हासिल क्या हुआ?

अमेरिका-इस्त्रायल की सैन्य कार्रवाई ने पश्चिम एशिया को अस्थिरता

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

ईरान के खिलाफ 28 फरवरी की सुबह अमेरिका और इस्त्रायल द्वारा शुरू की गई सैन्य कार्रवाई अब समाप्त हो चुकी है, ऐसा दावा हाल ही में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने किया। यह घोषणा ऐसे समय में आई, जब दुनिया को लगने लगा था कि फरवरी के अंत से जारी विनाशकारी संघर्ष पर फिलहाल विराम लगा है। रुबियो का कहना था कि युद्धविराम लंबे समय तक कायम रहा और अभियान के अधिकांश लक्ष्य पूरे हो गए, इसलिए अब लड़ाई दोबारा शुरू करने का कोई औचित्य नहीं बचता।

रुबियो के बयान के तुरंत बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' नामक नौसैनिक अभियान को स्थगित करने की घोषणा कर दी। इस अभियान का उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले तेल और व्यापारिक जहाजों को सुरक्षा प्रदान करना बताया गया था। लेकिन ईरान ने इसे सीधे हस्तक्षेप और सैन्य दबाव के रूप में देखा और जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। इससे तनाव और अधिक बढ़ गया।

अमेरिका की रणनीति में लगातार बदलाव

जब युद्धविराम टूटने के संकेत मिले, तब ट्रंप प्रशासन ने यह अभियान पीछे खींच लिया। इससे यह साफ दिखा कि अमेरिका और इस्त्रायल की पूरी सैन्य रणनीति में स्थिरता और स्पष्टता का अभाव रहा। अब दोनों पक्ष स्थायी शांति समझौते की बात कर रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि हजारों लोगों की मौत, अरबों डॉलर के नुकसान और वैश्विक तेल बाजार को अस्थिर करने के बाद आखिर हासिल क्या हुआ?

पहला हमला और अधूरे दावे

पिछले वर्ष जून में अमेरिका और इस्त्रायल ने ईरान पर संयुक्त कार्रवाई की थी। उस समय दावा किया गया था कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उसकी वायु रक्षा प्रणाली को पूरी तरह तबाह कर दिया गया है। अमेरिकी प्रशासन ने यहां तक कहा कि बंकरभेदी बमों से ईरान की परमाणु परियोजनाओं को मिट्टी में मिला दिया गया। लेकिन नौ महीने बाद फिर हमला करना पड़ा। इससे पहले दावों की विश्वसनीयता पर ही सवाल खड़े हो गए।

पांच उद्देश्यों में कितनी सफलता?

नई सैन्य कार्रवाई के पांच बड़े लक्ष्य बताए गए थे-ईरान में सत्ता परिवर्तन, ईरानी नौसेना का विनाश, ईरान समर्थित संगठनों का सफाया, मिसाइल कार्यक्रम पर रोक और परमाणु हथियार निर्माण क्षमता खत्म करना। इनमें केवल ईरानी नौसेना को भारी नुकसान पहुंचाने में ही अपेक्षाकृत सफलता मिली। अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन स्वयं मानता है कि ईरान की मिसाइल और ड्रोन क्षमता अब भी काफी हद तक सुरक्षित है।

हिजबुल्लाह, हमास और हूती अब भी सक्रिय

ईरान समर्थित संगठनों पर भी पूरी तरह नियंत्रण नहीं पाया जा सका। हिज्बुल्लाह और हमास कमजोर जरूर हुए हैं, लेकिन उनका प्रभाव खत्म नहीं हुआ। हिजबुल्लाह अब भी इस्त्रायल पर रॉकेट दाग रहा है। वहीं यमन का हूती संगठन लाल सागर के व्यापारिक मार्गों के लिए आज भी गंभीर खतरा बना हुआ है।

बाब-अल-मंदेब और होर्मुज का संकट

होर्मुज जलडमरूमध्य के साथ बाब-अल-मंदेब भी वैश्विक व्यापार और तेल आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है। यदि इन दोनों क्षेत्रों में अस्थिरता बनी रहती है, तो दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार पर गहरा असर पड़ सकता है। यही कारण है कि युद्धविराम के बावजूद वैश्विक बाजारों में चिंता खत्म नहीं हुई।

खामेनेई की मौत और सत्ता परिवर्तन का भ्रम

ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता अली खामेनेई की शुरूआती हमले में मौत के बाद अमेरिका को उम्मीद थी कि ईरान में सत्ता विरोधी आंदोलन तेज होगा और शासन बदल जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। ईरान में सरकार समर्थक और विरोधी—दोनों वर्गों में इस्त्रायल और अमेरिका के प्रति गहरी नाराजगी मौजूद है। बाहरी हमला होने पर जनता सत्ता के खिलाफ नहीं, बल्कि विदेशी हस्तक्षेप के खिलाफ अधिक एकजुट हो गई।

ईरान का प्रतिरोध उम्मीद से अधिक मजबूत

इस्त्रायल और अमेरिका को उम्मीद थी कि ईरान जल्दी झुक जाएगा, लेकिन वास्तविकता इसके उलट निकली। ईरान का प्रतिरोध अपेक्षा से कहीं अधिक मजबूत और टिकाऊ साबित हुआ। उसकी सैन्य क्षमता पूरी तरह समाप्त नहीं हुई। यही कारण है कि अब बातचीत का केंद्र ईरान के यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम पर आ गया है।

परमाणु समझौते की पृष्ठभूमि

यूरेनियम संवर्धन एक सीमा तक केवल ऊर्जा उत्पादन के लिए उपयोगी होता है, लेकिन अधिक स्तर पर पहुंचने पर वही तकनीक परमाणु बम निर्माण में इस्तेमाल की जा सकती है। इसी खतरे को रोकने के लिए वर्ष 2015 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की पहल पर परमाणु समझौता हुआ था। लेकिन ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में उस समझौते से अमेरिका को अलग कर लिया। इसके बाद ईरान ने संवर्धन की गति और क्षमता दोनों बढ़ा दीं।

सैन्य कार्रवाई भी समाधान नहीं बन सकी

ट्रंप और इस्त्रायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का मानना था कि सैन्य हमलों से ईरान को रोका जा सकता है। लेकिन जून 2025 और फिर फरवरी-मार्च 2026 के व्यापक हमलों के बावजूद ईरान की परमाणु क्षमता पूरी तरह खत्म नहीं हुई। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि दो बड़े सैन्य अभियानों के बाद भी लक्ष्य हासिल नहीं हुआ, तो भविष्य में फिर किसी नए युद्ध की संभावना से इनकार कैसे किया जा सकता है?

घरेलू राजनीति का दबाव

यह युद्ध केवल सामरिक नहीं, राजनीतिक भी बन चुका है। इस्त्रायल में अक्टूबर में चुनाव होने हैं और नेतन्याहू के लिए बहुमत हासिल करना आसान नहीं माना जा रहा। दूसरी ओर अमेरिका में नवंबर में मध्यावधि चुनाव हैं। यदि ट्रंप को झटका लगा, तो उनकी राजनीतिक पकड़ कमजोर हो सकती है। यही वजह है कि अमेरिकी प्रशासन के भीतर भी युद्ध को लेकर अलग-अलग बयान सामने आ रहे हैं।

अलग-अलग बयान, बढ़ती भ्रम की स्थिति

विदेश मंत्री रुबियो कहते हैं कि 'युद्ध समाप्त हो चुका है', रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ कहते हैं कि 'अमेरिका युद्ध के लिए तैयार है', जबकि ट्रंप लगातार दावा कर रहे हैं कि समझौता बहुत करीब है। इस विरोधाभास ने पूरी स्थिति को और भ्रमित कर दिया है।

युद्धविराम के बावजूद खत्म नहीं हुआ संकट

शांति वार्ता में अभी तक होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी का कोई स्थायी समाधान सामने नहीं आया है। ईरान परमाणु कार्यक्रम पर सीमित समझौते का संकेत दे रहा है, लेकिन समुद्री नियंत्रण के मुद्दे पर उसका रुख कठोर बना हुआ है। वहीं अमेरिका भी अपने नौसैनिक दबाव से पीछे हटने को तैयार नहीं दिखता।

अनिश्चितता का सबसे बड़ा खतरा

आज स्थिति ऐसी है कि यह तय करना मुश्किल हो गया है कि युद्ध वास्तव में समाप्त हुआ है या केवल रुका हुआ है। दोनों पक्ष लगातार युद्ध की तैयारी भी बनाए हुए हैं और शांति की बातचीत भी कर रहे हैं। यह 'न युद्ध, न शांति' जैसी स्थिति दुनिया के लिए उतनी ही खतरनाक है जितना खुला युद्ध। दुर्भाग्य यह है कि इस अनिश्चितता की सबसे बड़ी कीमत आम नागरिक, वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा बाजार चुका रहे हैं, जबकि राजनीतिक नेतृत्व अपने-अपने हितों में उलझा हुआ दिखाई देता है।

एक्स फाइल

डबल क्रॉस में दो कत्ल

●अफसर की हत्या के बाद साजिश रचने वाली युवती भी बनी कातिलों का निशाना

हिंदमाता नेटवर्क @ उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश के बागपत और सहारनपुर में सामने आए दोहरे हत्याकांड ने पुलिस के साथ-साथ आम लोगों को भी हैरान कर दिया। यह मामला सिर्फ एक हत्या का नहीं, बल्कि साजिश, ब्लैकमेल, लालच और डबल क्रॉस का ऐसा खेल निकला, जिसमें पहले एक सरकारी कर्मचारी की हत्या हुई और फिर उसी हत्या की कथित मास्टरमाइंड युवती को भी मौत के घाट उतार दिया गया। इस पूरे मामले का खुलासा होते-होते पुलिस के सामने रिश्तों और लालच का खतरनाक चेहरा सामने आया। बागपत निवासी विक्रांत कुमार जिला नगरीय विकास अभिकरण यानी डूडा में कर्मचारी थे। 16 अप्रैल को वह रोज की तरह घर से काम पर जाने की बात कहकर निकले थे, लेकिन फिर वापस नहीं लौटे। उनका मोबाइल भी बंद आने लगा। परिवार वालों ने पहले अपने स्तर पर उनकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। आखिरकार 23 अप्रैल को विक्रांत की पत्नी ने बागपत कोतवाली में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

शिकायत में सामने आया एक नाम

विक्रांत की पत्नी ने पुलिस को दी गई शिकायत में राखी कश्यप नाम की युवती पर शक जताया। उनका कहना था कि राखी लगातार विक्रांत को परेशान करती थी और उनके पति की गुमशुदगी में भी उसी का हाथ हो सकता है। यही वह बिंदु था, जहां से पुलिस की जांच राखी के इर्द-गिर्द घूमने लगी। 27 वर्षीय राखी कश्यप बागपत की रहने वाली थी। उसकी दो शादियां हो चुकी थीं और दोनों का तलाक हो गया था। सोशल मीडिया पर उसकी अलग पहचान थी। वह अक्सर रील्स बनाती थी और लगभग हर वीडियो में उसकी कमर पर लाइसेंसी पिस्टल दिखाई देती थी। इसी वजह से उसकी छवि एक दबंग और बेखौफ युवती की बन चुकी थी।

पुलिस को नहीं मिला कोई सुराग

पुलिस ने राखी से पूछताछ की। उसने विक्रांत से दोस्ती की बात तो स्वीकार की, लेकिन गुमशुदगी के बारे में कोई जानकारी होने से इनकार कर दिया। शुरुआती पूछताछ में पुलिस को उसके खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं मिला। ऐसे में मामला उलझा हुआ दिखाई दे रहा था। इसी बीच सहारनपुर के बड़गांव थाना क्षेत्र की एक नहर में गोली लगी एक अज्ञात व्यक्ति की लाश मिलने की सूचना मिली। पुलिस ने पहचान की कोशिश शुरू की और जल्द ही पता चला कि वह शव विक्रांत कुमार का ही था। शव के हाथ-पांव बंधे हुए थे और सिर तथा चेहरे पर किसी भारी वस्तु से वार के निशान भी थे। कई गोलियां मारकर उनकी हत्या की गई थी।

पुलिस को लगा दूसरा बड़ा झटका

अब मामला सीधे हत्या में बदल चुका था। पुलिस ने विक्रांत की कॉल डिटेल्स, मोबाइल लोकेशन और संपर्कों की जांच शुरू की। जांच में एक बार फिर राखी का नाम सामने आया। पुलिस अब उसे मुख्य संदिग्ध मानकर तलाश कर रही थी। लेकिन इसी दौरान मामले ने और चौंकाने वाला मोड़ ले लिया। विक्रांत की लाश मिलने के करीब दस दिन बाद 27 अप्रैल को सहारनपुर के नौगांवा जंगल में राखी की भी लाश बरामद हुई। उसकी हत्या बेहद बेरहमी से की गई थी। गला रेता गया था और शरीर पर तेजधार हथियार के कई निशान थे।

इलेक्ट्रॉनिक सुरागों ने खोला राज

जिस युवती को पुलिस विक्रांत का संभावित कातिल मान रही थी, अब वही खुद मारी जा चुकी थी। ऐसे में पुलिस के सामने दो सवाल खड़े थे-विक्रांत का हत्यारा कौन था और राखी की हत्या किसने की? क्या दोनों हत्याओं के पीछे एक ही गिरोह था या फिर राखी भी किसी बड़ी साजिश का शिकार बन गई? पुलिस ने दोनों के करीबी लोगों की जांच शुरू की। मोबाइल लोकेशन, कॉल रिकॉर्ड और सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। इसी दौरान पता चला कि राखी का संपर्क बीजेपी के एक नेता सुधारस चौहान और कारोबारी कपिल चौहान से भी था। जांच में यह भी सामने आया कि 16 अप्रैल को राखी के घर एक पार्टी हुई थी, जिसमें विक्रांत, सुधारस और कपिल तीनों मौजूद थे।

जमीन विवाद बना हत्या की वजह

पुलिस ने सुधारस और कपिल को हिरासत में लेकर पूछताछ की। सख्ती से पूछताछ में दोनों टूट गए और जो कहानी सामने आई, उसने पुलिस को भी हैरान कर दिया। दरअसल, 16 अप्रैल को राखी के घर हुई पार्टी में ही विक्रांत की हत्या कर दी गई थी। जांच में पता चला कि विक्रांत और राखी के बीच मथुरा की एक जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। राखी उस प्रॉपर्टी को अपने नाम करवाना चाहती थी, लेकिन विक्रांत इसके लिए तैयार नहीं था। पार्टी के दौरान इसी मुद्दे पर दोनों के बीच विवाद हुआ और गुस्से में राखी ने अपनी पिस्टल से विक्रांत को गोली मार दी।

मिलकर उतारा मौत के घाट

पहली गोली विक्रांत की जांघ में लगी थी। इसके बाद मामला बिगड़ता देख राखी ने सुधारस चौहान के साथ एक डील की। बताया गया कि राखी के पास सुधारस की कुछ अंतरंग तस्वीरें और वीडियो थे, जिनके जरिए वह उसे ब्लैकमेल करती थी। उसने हाल ही में उससे लाखों भी वसूले थे। राखी ने सुधारस से कहा कि अगर वह विक्रांत को खत्म करने में मदद करे, तो वह सारे वीडियो डिलीट कर देगी। इसके बाद सुधारस और कपिल ने राखी का साथ दिया। तीनों ने घायल विक्रांत के हाथ-पांव बांधे, उस पर और हमले किए और कई गोलियां मारकर उसकी हत्या कर दी। बाद में शव को कपड़े में लपेटकर बागपत से सहारनपुर ले जाया गया और नहर में फेंक दिया गया।

दूसरी पार्टी में हुआ डबल क्रॉस

विक्रांत की हत्या के बाद सुधारस और कपिल को डर सताने लगा कि कहीं राखी पुलिस के सामने सच न उगल दे। दोनों को भरोसा था कि वे खुद चुप रहेंगे, लेकिन राखी पर उन्हें विश्वास नहीं था। ऐसे में उन्होंने उसे रास्ते से हटाने की योजना बना ली। योजना के तहत सुधारस और कपिल ने राखी को सहारनपुर के नौगांवा स्थित एक फार्महाउस में बुलाया। वहां एक और पार्टी रखी गई। इसी दौरान दोनों ने मौका पाकर तेजधार हथियार से राखी की हत्या कर दी। उसका गला काट दिया गया और शव जंगल में फेंक दिया गया, ताकि किसी को भनक तक न लगे।

पुलिस ने खोली परत-दर-परत गुत्थी

हालांकि कातिलों की योजना ज्यादा दिन नहीं चल सकी। पहले विक्रांत और फिर राखी की लाश मिलने के बाद पुलिस लगातार सुराग जोड़ती रही। आखिरकार इलेक्ट्रॉनिक सबूतों और पूछताछ के आधार पर पुलिस ने सुधारस चौहान और कपिल चौहान को गिरफ्तार कर लिया।

प्रेरक प्रसंग

मन निर्मल तो तन निर्मल

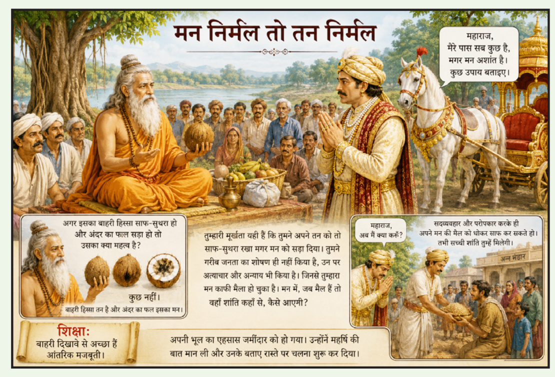

कृष्णा नदी के किनारे एक महर्षि का आश्रम था। उस आश्रम में दूर-दूर से शिष्य शिक्षा ग्रहण करने आते थे। आसपास के गांवों में उनकी काफी ख्याति थी। साल में एक बार महर्षि गांवों में जाकर लोगों के दुख दर्द को सुनते एवं उन्हें उचित सलाह भी देते। बदले में गांव वाले उन्हें कुछ-ना-कुछ चीजें उपहार में दिया करते थे। हर साल की तरह इस साल जब महर्षि गांव में पहुंचे तो लोगों को बिजली की तरह उनके आने की सूचना मिल गई। खुली जगह में एक घने पेड़ के नीचे उन्होंने अपना आसन जमाया। देखते-ही-देखते गांव वालों की भीड़ वहां जमा हो गई। एक-एक कर महर्षि सबका दुख दर्द सुनाने लगे। उन्हें उचित सलाह भी दे रहे थे। साथ ही उनके द्वारा लाए गए उपहार को स्वीकार करते जा रहे थे। काफी देर बाद एक जमींदार साहब सुसज्जित रथ पर सवार होकर वहां पहुंचे। उनके तन पर बेशकीमती वस्त्र थे। गले में मोतियों की माला और दोनों हाथों की अंगुलियों में हीरे जड़ित अंगूठियां थी। रथ से उतरकर महर्षि के करीब आकर उन्हें प्रणाम कर बोले, 'महाराज, मेरे पास सब कुछ है। मगर मन अशांत है। कुछ उपाय बताइए। जमींदार की क्रूरता और उसकी दुष्ट नीयत से महर्षि भली-भांति अवगत थे। महात्मा ने कहा, 'तुम्हारी मूर्खता की वजह से तुम्हारे मन में अशान्ति है।' कैसी मूर्खता? किसी तरह उसने अपने क्रोध को दबाकर महर्षि से पूछा। महर्षि ने अपने पास रखे नारियल को हाथ में लेकर कहा, 'अगर इसका बाहरी हिस्सा साफ-सुथरा हो और अंदर का फल सड़ा हो तो उसका क्या महत्व है?

■ 'कुछ नहीं।' बाहरी हिस्सा तन है और अंदर का फल इसका मन। तुम्हारी मूर्खता यही है कि तुमने अपने तन को तो साफ-सुथरा रखा मगर मन को सड़ा दिया। मन के मैल की वजह से तुम्हारे जीवन में 'आशांति' है। तुमने गरीब जनता का शोषण ही नहीं किया है, उन पर अत्याचार और अन्याय भी किया है। जिनसे तुम्हारा मन काफी मैला हो चुका है। मन में, जब मैल हैं तो वहां शांति कहां से, कैसे आएगी?

■ ' महर्षि ने दो टूक बात कही। जमींदार सहम गया। उसने कहा - 'महाराज, अब मैं क्या करूं?' सद्व्यवहार और परोपकार करके ही अपने मन की मैल को धोकर साफ कर सकते हो। तभी सच्ची शांति तुम्हें मिलेगी। अपनी भूल का एहसास जमींदार को हो गया। उन्होंने महर्षि की बात मान ली। और उनके बताए रास्ते पर चलना शुरू कर दिया। शिक्षा: बाहरी दिखावे से अच्छा हैं आंतरिक मजबूती।

राशिफल

मेष- नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। विरोध होगा। आर्थिक नीति में परिवर्तन होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। तत्काल लाभ नहीं होगा।

वृषभ-राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश लाभ देगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बिगड़े काम बनेंगे। जल्दबाजी से हानि संभव है। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

मिथुन- किसी व्यक्ति की बातों में न आएं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर गृहिणियां लापरवाही न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कर्क- राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार में वृद्धि होगी। स्त्री वर्ग से समयानुकूल सहायता प्राप्त होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। वाणी में शब्दों का प्रयोग सोच-समझकर

सिंह- आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कर्ज समय पर चुका पाएंगे। बैंक-बैलेंस बढ़ेगा। स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

कन्या- यात्रा लाभदायक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

तुला-व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। आय में निश्चितता रहेगी। शत्रु शांत रहेंगे। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा। थकान व कमजोरी रह सकती है। वाणी में कड़े शब्दों के इस्तेमाल से बचें। दूसरों की बातों में नहीं आएं।

वृश्चिक- थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश से लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेंगे। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। काम में मन नहीं लगेगा।

धनु- शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। बिछड़े मित्र व संबंधी मिलेंगे। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी सहयोग करेंगे। लाभ होगा। जल्दबाजी व लापरवाही से हानि होगी।

मकर- व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देगा। बुद्धि का प्रयोग करें। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण बनेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। कोई अनहोनी होने की आशंका रहेगी।

कुंभ- नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान महसूस होगी। आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचाएं। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय बनी रहेगी। सहकर्मी सहयोग नहीं करेंगे।

मीन-रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी। नौकरी में प्रभाव क्षेत्र बढ़ेगा। व्यापार-व्यवसाय में उत्साह से काम कर पाएंगे। भाग्य अनुकूल है, जल्दबाजी न करें।

सद्भावना यात्रा: राहुल गांधी का केंद्र पर हमला

युवाओं को रोजगार नहीं, सोशल मीडिया का नशा दिया जा रहा

हिंदमाता नेटवर्क @ गुरुग्राम

राहुल गांधी ने गुरुग्राम में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ साल पहले उन्होंने कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा निकाली थी, जिसमें लाखों लोग शामिल हुए थे। उस दौरान 'नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान' का नारा जनता के बीच से निकला था। राहुल गांधी ने कहा कि यह सिर्फ कांग्रेस का नहीं, बल्कि देश की भावना का नारा है और आज भी देश को इसकी जरूरत है।

■ उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ियां की जाती हैं। राहुल गांधी ने कहा कि लाखों वोटरों के नाम काटे जाते हैं और लाखों नाम जोड़े जाते हैं। उन्होंने चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जनता अब सब समझ चुकी है और आने वाले समय में इसका जवाब देगी। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि देश की संपत्तियां कुछ बड़े उद्योगपतियों को सौंपी जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता का धन छीनकर उद्योगपति गौतम अदानी और अंबानी को फायदा पहुंचाया जा रहा है।

■ राहुल गांधी ने कहा कि हरियाणा और पूरे देश में सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी है। उन्होंने कहा कि युवाओं को कॉलेजों से डिग्रियां तो मिल रही हैं, लेकिन रोजगार नहीं मिल रहा। उनके मुताबिक सरकार की नीतियों के कारण देश में चीन का सामान बिक रहा है और युवाओं को रोजगार देने के बजाय उन्हें सोशल मीडिया और इंस्टाग्राम में उलझाया जा रहा है। बता दें यह यात्रा खांडसा मंडी से शुरू हुई। इसका समापन एसडी स्कूल खांडसा सड़क हुई। सद्भावना यात्रा की शुरुआत पांच अक्टूबर को नरवाना से हुई थी। इस यात्रा को पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह के बेटे और कांग्रेस नेता बृजेंद्र सिंह ने प्रारंभ किया था। राहुल गांधी के आगमन के कारण पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा भी गुरुग्राम पहुंचे। उनके साथ कांग्रेस विधायक मामन खान और आफताब अहमद भी मौजूद रहे।

■ अभिनेता और गुरुग्राम लोकसभा से सांसद प्रत्याशी रहे राज बब्बर भी गुरुग्राम पहुंचे। चौधरी बीरेंद्र सिंह, कुलदीप शर्मा और रणदीप सिंह सुरजेवाला भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह भी गुरुग्राम पहुंचे। इन सभी प्रमुख नेताओं की उपस्थिति से सद्भावना यात्रा को मजबूती मिलेगी। यह यात्रा कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

जहां दशकों से नहीं बना कांग्रेस का कोई सीएम : अमित शाह

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में भाजपा विधायक दल की बैठक के दौरान शुक्रवार को राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में शुभेंदु अधिकारी के नाम पर मुहर लगी। इस महत्वपूर्ण बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद रहे। इस दौरान अमित शाह ने लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के साथ उनकी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। अमित शाह ने कहा कि कई साल से कांग्रेस पार्टी चुनाव नहीं जीतती है। उन्हें मालूम चल गया है कि चुनाव जीतना असंभव है तो इसकी प्रक्रिया को ही बदनाम करने में जुटे हैं। इसलिए कांग्रेस के प्रमुख नेता राहुल गांधी ने अपनी हार को छिपाने के लिए कभी ईवीएम, कभी मतदाता सूची, कभी एसआईआर, कभी वोट चोरी जैसे कीचड़ उछालने की कोशिश की है।

शुभेंदु अधिकारी की तारीफ में क्या बोले अमित शाह?

अमित शाह ने इस दौरान शुभेंदु अधिकारी की तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि भवानीपुर की जनता का मैं बहुत-बहुत धन्यवाद करना चाहता हूं। शुभेंदु दा ने गत चुनाव में दीदी को नंदीग्राम में हराया था। मैंने दीदी का एक इंटरव्यू देखा था, जिसमें उन्होंने कहा था कि मैं उनके गढ़ में लड़ने चली गई। दीदी, इस बार शुभेंदु दा ने आपको आपके घर में हराया है।

वोट चोरी करने वाले तो आपके साथ बैठे हैं : अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि हम तो 2014 में सत्ता में आए। तमिलनाडु में 1967 से अब तक कांग्रेस का कोई सीएम नहीं बन पाया। ये वोट चोरी था क्या? पश्चिम बंगाल में 49 साल से आपका सीएम नहीं बना। सिक्किम में 42 साल से आपका सीएम नहीं बना। बिहार में 36 साल से, गुजरात में 30 साल से, ओडिशा में 26 साल, नागालैंड में 23 साल और महाराष्ट्र में 12 साल से आपका सीएम नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि अगर ये सभी वोट चोरी है तो वोट चोरी करने वाले तो आपके साथ बैठे हैं। ये सभी इंडी गठबंधन के सदस्य बने बैठे हैं। मैं मानता हूं कि कांग्रेस पार्टी को अपनी हार के लिए आत्मचिंतन करने की जरूरत है। देश की जनता राहुल गांधी के नेता बनने के बाद शनैः-शनैः हर जगह कांग्रेस के खिलाफ बहुमत दे रही है। राहुल गांधी के नेतृत्व में ही इंडी गठबंधन के फिर से टूटने की शुरुआत हो चुकी है।

नौ साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या का मामला

अदालत ने सुनाई फांसी की सजा

हिंदमाता नेटवर्क @ पुडुचेरी

पुडुचेरी की फास्ट ट्रैक कोर्ट की स्पेशल जज एम.डी. सुमति ने नौ साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के मामले में दोषी 'काक्का' उर्फ करुणास को शुक्रवार को मौत की सजा सुनाई। साथ ही, पीड़ित के परिवार को 10 लाख रुपए का मुआवजा देने का भी आदेश दिया है। जज ने 30 अप्रैल को आरोपित को 2024 में हुई नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के सभी आरोपों में दोषी पाया था। साथ ही, उसे पोक्सो एक्ट के तहत भी दोषी ठहराया था। शुरुआत में, मार्च 2024 में बच्ची के अपने घर से लापता होने की रिपोर्ट दर्ज की गई थी।

■ बाद में, उसका शव नाले में मिला था। उसे आखिरी बार करुणास के साथ देखा गया था, जो उस समय 19 साल का था और पीड़ित बच्ची के घर के पास ही रहता था। पुलिस ने करुणास को गिरफ्तार किया और पूछताछ के दौरान उसके साथी विवेकानंद को भी गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, विवेकानंद ने बाद में कलापेट की सेंट्रल जेल में आत्महत्या कर ली, जहां उसे गिरफ्तारी के बाद रखा गया था। इसके चलते, उसके खिलाफ चल रही कानूनी कार्रवाई खत्म हो गई।

ममता बनर्जी ने अब तक नहीं बदली सोशल मीडिया प्रोफाइल

'मुख्यमंत्री' का टैग अभी भी बरकरार

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में 17वीं विधानसभा भंग हो गई है। इसके बावजूद भी तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल नहीं बदली है। वह आधिकारिक तौर पर पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री बन चुकी हैं, लेकिन सोशल मीडिया प्रोफाइल में अभी भी मुख्यमंत्री का टैग बरकरार रखा है।

प्रोफाइल अबतक नहीं बदला

ममता बनर्जी अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल फेसबुक और एक्स पर अभी भी 'माननीय मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल' का इस्तेमाल कर रही हैं। हार के बावजूद ममता ने मुख्यमंत्री पद छोड़ने के इनकार किया था, जिसे वे सोशल मीडिया पर बरकरार रखे हुए हैं।

17वीं विधानसभा भंग

इससे पहले, गुरुवार को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि ने 17वीं विधानसभा को भंग कर दिया। 17वीं विधानसभा का कार्यकाल 7 मई को पूरा हो चुका था। राज्यपाल ने संविधान के अनुच्छेद 174 (2) (बी) से प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए विधानसभा को भंग किया। लोकभवन, कोलकाता की तरफ से जारी पत्र में कहा गया कि राज्यपाल आरएन रवि ने विधानसभा भंग करने का आदेश दिया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

टीएमसी 15 साल सत्ता में रही

2021 में 17वीं विधानसभा का चुनाव जीतकर ममता बनर्जी तीसरी बार मुख्यमंत्री बनीं। वे 2011 से लगातार सत्ता पर काबिज रहीं। हालांकि, इस बार विधानसभा चुनाव में उन्हें करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है। तृणमूल कांग्रेस बंगाल में अपनी सत्ता को बरकरार रखने में नाकाम रही और ममता बनर्जी को भी भवानीपुर सीट पर हार का सामना करना पड़ा।

भाजपा को मिली है बड़ी जीत

2026 विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बड़ी जीत हासिल की है। भाजपा ने 293 में से 207 सीटें जीतीं, जबकि तृणमूल 80 सीटों तक ही सिमट कर रह गई। हालांकि, विधानसभा चुनाव में हार के बाद ममता बनर्जी ने भाजपा और चुनाव आयोग पर '100 सीट की चोरी' का आरोप लगाया और साथ ही, मुख्यमंत्री पद छोड़ने से इनकार कर दिया। बहरहाल, 2026 के चुनाव संपन्न होने के बाद पश्चिम बंगाल में नई विधानसभा का गठन होगा और भाजपा अपना मुख्यमंत्री चुनने की कवायद में जुटी है।

ओडिशा तट पर 'TARA' की परीक्षण उड़ान सफल

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। स्वदेशी रूप से विकसित ग्लाइड वेपन सिस्टम 'टैक्टिकल एडवांस्ड रेंज ऑग्मेंटेशन' का पहला सफल परीक्षण उड़ान किया गया है।

किसने किया तैयार?

ओडिशा तट के पास गुरुवार को किए गए इस परीक्षण को भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) और भारतीय वायुसेना (IAF) ने संयुक्त रूप से अंजाम दिया। रक्षा मंत्रालय ने इसे भारत की प्रिसिजन स्ट्राइक क्षमता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

TARA की क्या है खासियत?

- रक्षा मंत्रालय के अनुसार, TARA भारत का पहला स्वदेशी ग्लाइड वेपन सिस्टम है।
- इसे बिना दिशा-निर्देश वाले वारहेड को अत्यधिक सटीक निशाना साधने वाले प्रिसिजन गाइडेड हथियार में बदलने के लिए विकसित किया गया है।
- इस तकनीक के जरिए पारंपरिक और कम लागत वाले हथियारों की मारक क्षमता और सटीकता को कई गुना बढ़ाया जा सकता है।

क्या है इस प्रणाली का उद्देश्य?

मंत्रालय ने बताया कि इस प्रणाली को हैदराबाद स्थित डीआरडीओ की प्रमुख प्रयोगशाला रिसर्च सेंटर इमारत (RCI) ने अन्य डीआरडीओ लैब्स के सहयोग से विकसित किया है। इसका उद्देश्य कम लागत में ऐसे अत्याधुनिक हथियार तैयार करना है, जो दुश्मन के जमीनी ठिकानों को बेहद सटीकता के साथ निशाना बना सकें। विशेषज्ञों के मुताबिक, ग्लाइड वेपन सिस्टम पारंपरिक बमों को आधुनिक गाइडेंस तकनीक से लैस करता है, जिससे वे लंबी दूरी तक जाकर लक्ष्य को अधिक सटीकता से भेद सकते हैं। TARA प्रणाली में अत्याधुनिक लेकिन कम लागत वाली तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है, जिससे भविष्य में भारतीय सशस्त्र बलों को कम खर्च में उच्च क्षमता वाले प्रिसिजन हथियार उपलब्ध हो सकेंगे।

परीक्षण के दौरान किन चीजों को ध्यान रखा गया?

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस सफल परीक्षण के दौरान सिस्टम के प्रदर्शन और सभी तकनीकी मानकों का आकलन किया गया, जो पूरी तरह सफल रहा। यह उपलब्धि भारत की स्वदेशी रक्षा निर्माण क्षमता और अत्याधुनिक सैन्य तकनीक विकसित करने की दिशा में बढ़ती ताकत को दर्शाती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि पर डीआरडीओ, भारतीय वायुसेना और परियोजना से जुड़े उद्योग साझेदारों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि TARA का सफल परीक्षण भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को नई मजबूती देगा और देश को रक्षा तकनीक के क्षेत्र में और अधिक आत्मनिर्भर बनाएगा।

राहुल गांधी के नेतृत्व पर मणिशंकर अय्यर ने फिर उठाए सवाल

ममता-स्टालिन संभालें कमान

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर के एक नए बयान ने INDIA गठबंधन के भीतर सुलगती आग को हवा दे दी है। तमिलनाडु में कांग्रेस द्वारा अपने पुराने साथी DMK को दरकिनार कर सुपरस्टार विजय की पार्टी TVK का समर्थन करने के फैसले पर अय्यर ने कड़ी आपत्ति जताई है।

'राजनीतिक अवसरवाद' का लगाया आरोप

अय्यर ने तमिलनाडु के ताजा घटनाक्रम को घटिया राजनीतिक अवसरवाद यानि की Low Political Opportunism बताया है। उन्होंने कांग्रेस के फैसले को अनैतिक करारते हुए गठबंधन की मयार्दा के बताया है। अय्यर के मुताबिक, महज सत्ता के लिए दशकों पुराना साथ छोड़ना कांग्रेस की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करता है।

राहुल गांधी के नेतृत्व पर उठाए सवाल

लगातार मिल रही चुनावी हार और सांगठनिक कमजोरी का हवाला देते हुए अय्यर ने सीधे तौर पर राहुल गांधी के नेतृत्व को निशाना साधते हुए कहा कि अब समय आ गया है जब कांग्रेस को पीछे हटकर क्षेत्रीय नेताओं को आगे आने का मौका देना चाहिए। अय्यर ने ममता बनर्जी (तृणमूल कांग्रेस), एम.के. स्टालिन (DMK), अखिलेश यादव (सपा) और तेजस्वी यादव (RJD) का नाम सुझाया है।

क्षेत्रीय दलों को कमान देने की वकालत

अय्यर का मानना है कि क्षेत्रीय नेता अपनी जमीन और जनता की नब्ज को कांग्रेस की तुलना में बेहतर समझते हैं। उन्होंने कहा कि INDIA गठबंधन को बचाने और मजबूती देने के लिए इन प्रभावशाली क्षेत्रीय चेहरों को गठबंधन का नेतृत्व सौंपना ही एकमात्र विकल्प बचा है।

सीईओ ने दिए खर्चों में कटौती के सख्त निर्देश

कर्मचारियों के लिए छंटनी का कोई खतरा नहीं

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

देश के प्रमुख विमानन ब्रांड एअर इंडिया ने अपने मौजूदा वित्तीय संकट से निपटने के लिए कड़े कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। कंपनी प्रबंधन ने एक ओर जहां वित्तीय अनुशासन लागू करने के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं, वहीं दूसरी ओर अपने कर्मचारियों को नौकरी की सुरक्षा का ठोस भरोसा भी दिलाया है। यह कदम बताता है कि एयरलाइन बिना अपनी वर्कफोर्स को प्रभावित किए, खर्चों को कम करके अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है।

गैर-जरूरी खर्चों पर लगेगी लगाम

एअर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कैंपबेल विल्सन ने कंपनी में चल रहे वित्तीय संकट के मद्देनजर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने सभी कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वे तत्काल प्रभाव से गैर-जरूरी खर्चों को निलंबित कर दें और भविष्य के अनावश्यक खर्चों को भी फिलहाल टाल दें। कर्मचारियों को संबोधित करते हुए विल्सन ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि कंपनी का पूरा ध्यान अब किसी भी तरह की बबार्दी और धन के रिसाव को खत्म करने पर होना चाहिए। यह कड़ा वित्तीय अनुशासन कंपनी को मौजूदा आर्थिक संकट से उबारने के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

कौन बनेगा केरल का नया मुख्यमंत्री?

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

केरल विधानसभा चुनावों में जीत के बाद अब सबकी नजरें राज्य का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा इस पर टिकी हुई है। कांग्रेस के भीतर मचे सियासी घमासान के बीच के.सी. वेणुगोपाल का नाम सबसे आगे निकलकर सामने आया है। हाल ही में एआईसीसी (AICC) विधायकों की 'वन-टू-वन' बैठक में वेणुगोपाल ने भारी बढ़त हासिल की है। इस बीच मुकुल वासनिक के हाथ से विधायकों के समर्थन वाली चिट्ठी की फोटो भी वायरल हुई जिससे चर्चा और तेज हो गई।

दिल्ली में होगा अंतिम फैसला

हालांकि कांग्रेस विधायक दल (CLP) की बैठक में एक प्रस्ताव पारित कर मुख्यमंत्री चुनने का पूरा अधिकार कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को सौंप दिया गया है। अजय माकन और मुकुल वासनिक अपनी रिपोर्ट लेकर दिल्ली लौट चुके हैं।

किसके पक्ष में कितने?

पार्टी सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस के 63 नवनिर्वाचित विधायकों में से 47 ने वेणुगोपाल के नाम पर अपनी मुहर लगाई है। वेणुगोपाल के समर्थक में केपीसीसी (KPCC) अध्यक्ष सन्नी जोसेफ समेत संदीप जी. वारियर, सजीव जोसेफ, टी.ओ. मोहन और उषा विजयन जैसे बड़े नाम शामिल हैं। वहीं, पूर्व नेता प्रतिपक्ष Ramesh Chennithala को केवल 8 विधायकों का समर्थन मिला। उनके करीबी माने जाने वाले आई.सी. बालकृष्णन ने भी वेणुगोपाल और चेन्निथला दोनों का नाम लेकर सबको चौंका दिया। मौजूदा नेता प्रतिपक्ष सतीशन, जिन्हें जनता के बीच काफी लोकप्रिय माना जा रहा था, उन्हें केवल 6 विधायकों का साथ मिला। हालांकि, तीन पूर्व केपीसीसी अध्यक्षों ने सतीशन का पक्ष लिया है।

कब होगा शपथ ग्रहण?

संभावना जताई जा रही है कि कांग्रेस आलाकमान शनिवार या रविवार तक मुख्यमंत्री के नाम का आधिकारिक ऐलान कर देगा। घोषणा के दो दिनों के भीतर नया मुख्यमंत्री और कैबिनेट के अन्य सदस्य (UDF सहयोगियों सहित) पद की शपथ लेंगे।

शातिर ठगों का कारनामा, व्यक्ति को जाल में फंसा ठगे 65 लाख

हिंदमाता नेटवर्क @ फगवाड़ा(जलोटा)

जिला कपूरथला में अज्ञात शातिर साइबर ठगों द्वारा मासूम लोगों से लाखों रुपए की ठगियां करने का दौर निरंतर जारी हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला कपूरथला में अब एक और व्यक्ति के साथ अज्ञात साइबर ठगों द्वारा 65 लाख 5 हजार 619 रुपए की ऑनलाइन साइबर धोखाधड़ी करने की सनसनीखेज सूचना मिली है। ठगी का शिकार हुए संतोख सिंह वासी जिला कपूरथला ने साइबर क्राइम जिला कपूरथला की पुलिस को दी शिकायत में खुलासा किया है कि अज्ञात शातिर ठगों ने उसे इंटरनेट के माध्यम से अपने मकड़जाल में फंसाया। इस दौरान ठगों ने 65 लाख 5 हजार 619 रुपए की ऑनलाइन साइबर धोखाधड़ी को अंजाम दिया है।

■ खबर लिखे जाने तक साइबर क्राइम जिला कपूरथला की पुलिस ने संतोख सिंह की शिकायत पर अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ धारा 420 सहित 66 (डी) आई.टी. एक्ट 2000 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि इससे पहले भी जिला कपूरथला में फगवाड़ा, कपूरथला सहित जिले के अन्य शहरों और कस्बों में इसी तरह मासूम लोगों के साथ शातिर साइबर ठगों द्वारा लाखों रुपए की धोखाधड़ियों को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया है जिसे लेकर पुलिस जांच का दौर जारी बताया जा रहा है।

हिंदमाता एंकर: हरियाणा के लोगों के खाते में 2115 करोड़ रुपए ट्रांसफर

नायब सरकार का बड़ा तोहफा; 24 योजनाओं का मिला लाभ

हिंदमाता नेटवर्क @ चंडीगढ़

हरियाणा के करीब 59 लाख लोगों के नाम रहा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने ऑनलाइन तरीके से 24 विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं में लाखों महिलाओं, बुजुर्गों, किसानों और छात्रों के खातों में 2115.41 करोड़ रुपए की राशि डाली है। सबसे अधिक 18 सामाजिक सुरक्षा पेंशनों के 35 लाख 62 हजार लाभार्थियों के खातों में 1146 करोड़ 73 लाख रुपए की राशि भेजी गई है। लाडो लक्ष्मी योजना की सातवीं किस्त के रूप में राज्य की 9 लाख 76 लाख महिलाओं के खातों में 205 करोड़ रुपए की राशि डाली गई है। हरियाणा सरकार की ओर से दयालु योजना के अंतर्गत 5677 परिवारों को 215 करोड़ 29 लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई है। अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति को केंद्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल से जोड़ते हुए 64 हजार 923 विद्यार्थियों के खातों में 100 करोड़ 45 लाख रुपए की राशि भेजी गई है। यह छात्रवृत्ति 2 लाख 50 हजार रुपए तक वार्षिक आय वाले अनुसूचित जाति के परिवारों के कक्षा 11वीं से स्नातकोत्तर तक के विद्यार्थियों को दी जाती है। इससे पहले छात्रवृत्ति राशि वितरित करने की प्रक्रिया विभिन्न विभागीय स्तर पर आधारित थी, जिस कारण भुगतान में देरी व तकनीकी विसंगतियों का सामना करना पड़ता था।

किसानों के खातों में डाले गए 370 करोड़

प्रदेश सरकार ने 1 लाख 50 हजार 583 उन किसानों के खातों में 370 करोड़ 52 लाख रुपए का मुआवजा भेजा है, जिनकी खरीफ 2025 की फसल प्राकृतिक आपदा व जल भराव के चलते बर्बाद हो गई थी। इसके तहत भिवानी जिले के 29 हजार 539 किसानों को 66 करोड़ 88 लाख रुपए तथा हिसार जिले के 25 हजार 812 किसानों को 64 करोड़ 40 लाख रुपए जारी की गई है। इससे पहले, किसानों को 6 हजार 272 करोड़ रुपए की मुआवजा राशि जारी की जा चुकी है। हरियाणा सरकार की ओर से अनुदान और सहायता राशि देने का सिलसिला यहीं नहीं रुका। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 11 लाख 23 हजार महिलाओं के खाते में 38 करोड़ 54 लाख रुपए की राशि गैस सिलिंडर सब्सिडी के रूप में भेजी है। इस योजना में पात्र महिलाओं को हर महीने 500 रुपए में गैस सिलिंडर दिया जा रहा है।

5296 किसानों को हुआ फायदा

भावांतर भरपाई योजना के अंतर्गत आलू व फूलगोभी की फसल खराब होने से प्रभावित 5296 किसानों के खातों में मुख्यमंत्री ने 38 करोड़ 88 लाख रुपए की राशि प्रदान की है। यह राशि पांच जिलों अंबाला, करनाल, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर और पंचकूला के सब्जी उत्पादक किसानों को जारी की गई है। आज जारी की गई राशि को मिलाकर अब तक 39 हजार 557 किसानों को 196 करोड़ 3 लाख रुपए की राशि भावांतर भरपाई के रूप में जारी की जा चुकी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के अनुसार 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी' योजना के अंतर्गत अब तक सात किस्तों में 1 हजार 415 करोड़ रुपए की राशि जारी की जा चुकी है।

अयोध्या-काशी के बाद अब 'गोरखनाथ कॉरिडोर'

जुड़ेंगे ये 7 जिले; नेपाल तक होगा आध्यात्मिक सफर

हिंदमाता नेटवर्क @ गोरखपुर

उत्तर प्रदेश सरकार धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए लगातार नए प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही है। अयोध्या में राम मंदिर, काशी में शिव कॉरिडोर और मथुरा में कृष्ण सर्किट के बाद अब सरकार गुरु गोरखनाथ से जुड़े धार्मिक स्थलों को जोड़कर नया आध्यात्मिक कॉरिडोर विकसित करने जा रही है। इस परियोजना का उद्देश्य नाथ संप्रदाय से जुड़े मंदिरों, गुफाओं और ध्यान स्थलों को एक सर्किट में शामिल कर श्रद्धालुओं को बेहतर यात्रा सुविधा देना है। सरकार इस पूरे कॉरिडोर का मुख्य केंद्र गोरखपुर को बना रही है, जहां स्थित गोरखनाथ मंदिर नाथ परंपरा का सबसे प्रमुख केंद्र माना जाता है। यहां हर साल देश-विदेश, खासकर नेपाल से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रस्तावित गुरु गोरखनाथ सर्किट में उत्तर प्रदेश के कई महत्वपूर्ण जिलों को शामिल किया जाएगा। इनमें महोबा, चित्रकूट, बरेली, अमेठी, अयोध्या, गोरखपुर और बलरामपुर शामिल हैं।

गोरखगिरी पर्वत को विकसित किया

सरकार इन सभी स्थानों को बेहतर सड़क संपर्क, आधुनिक सुविधाओं और पर्यटन ब्रांडिंग के जरिए एक-दूसरे से जोड़ने की तैयारी में है। गोरखनाथ मंदिर इस पूरे धार्मिक सर्किट का प्रमुख केंद्र होगा। नाथ संप्रदाय के श्रद्धालुओं के लिए यह सबसे बड़ा आस्था स्थल माना जाता है। वहीं महोबा के गोरखगिरी पर्वत को करीब 11 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है, जहां ध्यान केंद्र और यात्रियों के लिए सुविधाएं तैयार की गई हैं।

नेपाल-भारत के बीच धार्मिक पर्यटन

इसके अलावा बरेली में अलखनाथ और त्रिवतीनाथ मंदिरों के विकास का काम चल रहा है। अमेठी में गुरु गोरखनाथ की 25 फीट ऊंची प्रतिमा भी स्थापित की जा रही है, जो इस सर्किट का बड़ा आकर्षण बन सकती है। सरकार इस सर्किट को नेपाल से जोड़ने की योजना पर भी काम कर रही है। नेपाल में नाथ संप्रदाय के अनुयायियों की बड़ी संख्या है। इससे भारत और नेपाल के बीच धार्मिक पर्यटन को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है। इस परियोजना से छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार और व्यापार के नए अवसर मिल सकते हैं। साथ ही श्रद्धालुओं को एक ही यात्रा में कई धार्मिक स्थलों के दर्शन करने की सुविधा मिलेगी। यूपी सरकार का यह नया गुरु गोरखनाथ सर्किट आने वाले समय में धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन का बड़ा केंद्र बन सकता है।

सपा दफ्तर पर चला बुलडोजर, सड़क चौड़ीकरण की जद में आए 300 से ज्यादा निर्माण ध्वस्त

हिंदमाता नेटवर्क @ चंदौली

उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले के प्रमुख शहर पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर में शुक्रवार को सड़क चौड़ीकरण के लिए प्रशासन ने बुलडोजर चलाया। पीडब्ल्यूडी विभाग पड़ाव से गोधना बाईपास तक सड़क को चौड़ा करने का कार्य कर रहा है। इसी के तहत सड़क के दोनों तरफ सरकारी जमीन पर किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए पिछले एक सप्ताह से अभियान जारी है। इस कार्रवाई में अब तक 300 से अधिक दुकानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, निजी मकानों, मस्जिदों और समाजवादी पार्टी के स्थानीय कार्यालय को ध्वस्त कर दिया गया है। एसडीएम अनुपम मिश्रा की देखरेख में मार्किंग और नोटिस की प्रक्रिया पूरी करने के बाद यह कार्रवाई की गई।

सपा कार्यालय पर चला बुलडोजर, मलबे में तब्दील हुई इमारत

शुक्रवार को चल रहे इस अभियान में सबसे ज्यादा चर्चा समाजवादी पार्टी के स्थानीय कार्यालय पर हुई कार्रवाई की रही। सड़क चौड़ीकरण के दायरे में आने के कारण प्रशासन ने भारी फोर्स की मौजूदगी में सपा दफ्तर को जमींदोज कर दिया। बुलडोजर के गरजते ही दफ्तर का वह हिस्सा ढह गया जो सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर बनाया गया था। मौके पर मौजूद भारी भीड़ और सुरक्षा की दृष्टि से तैनात पुलिस बल के बीच यह बड़ी कार्रवाई पूरी की गई।

एक सप्ताह से जारी है बुलडोजर की गरज, 300 से ज्यादा निर्माण ढहे

पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर में यह बुलडोजर एक्शन पिछले एक सप्ताह से ज्यादा समय से चल रहा है। प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार, अब तक 300 से ज्यादा छोटे-बड़े निर्माण तोड़े जा चुके हैं। इसमें व्यावसायिक प्रतिष्ठान, निजी आवास, मस्जिदों के हिस्से और कॉलेजों की बाउंड्री शामिल हैं। शहर के बीचों-बीच स्थित पुराने जीटी रोड के किनारे दशकों से जमी दुकानों पर जब प्रशासन का पीला पंजा चला, तो पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

पड़ाव से गोधना बाईपास तक बदल जाएगी शहर की सूरत

यह पूरी कवायद चंदौली-वाराणसी सीमा पर स्थित पड़ाव से लेकर गोधना बाईपास तक सड़क को चौड़ा करने के लिए की जा रही है। शहर के उत्तर और दक्षिण दोनों तरफ लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने बाकायदा नापी कर मार्किंग की थी। जिन लोगों ने मार्किंग के बाद खुद अपना अतिक्रमण नहीं हटाया, वहां प्रशासन को बलपूर्वक कार्रवाई करनी पड़ी। दशकों पुराने इन प्रतिष्ठानों के टूटने से कई लोगों की रोजी-रोटी पर असर पड़ा है, लेकिन विकास कार्यों को देखते हुए यह अभियान लगातार जारी है।

सपा का प्रदर्शन

उधर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर में सड़क चौड़ीकरण के दौरान समाजवादी पार्टी कार्यालय को जमींदोज किए जाने के बाद सियासत गरमा गई है। पूर्व सपा सांसद रामकिशुन यादव समर्थकों संग PWD दफ्तर में धरने पर बैठ गए। उन्होंने कहा कि कार्यालय टूटने का गम नहीं, लेकिन व्यापारियों के पुनर्वास और मुआवजे की चिंता सरकार को करनी चाहिए। उन्होंने विभाग से अतिक्रमण की सीमा स्पष्ट करने की मांग की, ताकि निर्दोष व्यापारियों का नुकसान न हो।

शॉर्ट स्टोरी

28 साल तक दिया चकमा, भाग जाता था मलेशिया, जयराम डकैत की कहानी

हिंदमाता नेटवर्क @ वैशाली

बिहार पुलिस ने एक ऐसे अंतरराष्ट्रीय डकैत को गिरफ्तार किया है, जो करीब दो दशक से ज्यादा समय तक भारत और नेपाल की पुलिस के लिए सिरदर्द बना रहा। नेपाल का कुख्यात डकैत जयराम पासवान डकैती डालने के बाद मलेशिया भाग जाता था। फिर कुछ समय बाद लौटकर नई वारदात को अंजाम देता था। अब वैशाली पुलिस ने उसे बिहार में हुई एक बड़ी डकैती के मामले में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, जयराम पासवान पहली बार अरेस्ट हुआ है। वह भारत और नेपाल की पुलिस को लगातार चकमा देता आ रहा था। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, उसके खिलाफ डकैती, आर्म्स एक्ट और बमबाजी जैसे कई गंभीर मामलों में दर्जनों केस दर्ज हैं। वैशाली पुलिस ने इस मामले में नेपाली नागरिक भोला साह और बिहार के शिवहर निवासी राजीव सिंह को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से चोरी की दो बाइक और चार मोबाइल बरामद किए हैं। दरअसल, 20 और 21 अप्रैल की रात बिहार में वैशाली जिले के महनार थाना क्षेत्र में एक ज्वेलर के घर डकैती की वारदात हुई थी। हथियारबंद बदमाशों ने पूरी प्लानिंग के साथ वारदात को अंजाम दिया और लाखों का सामान लेकर फरार हो गए थे। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई थी। पुलिस पर मामले को लेकर भारी प्रेशर था। मामले की गंभीरता को देखते हुए वैशाली पुलिस ने एसआईटी का गठन किया। जांच के दौरान पुलिस ने सबसे पहले शिवहर के अपराधी राजीव सिंह को पकड़ा। पूछताछ में उसने कई अहम खुलासे किए, जिसके बाद नेपाल के कुख्यात डकैत जयराम पासवान और भोला साह तक पुलिस पहुंच गई। वैशाली के एसपी विक्रम सिहाग ने बताया कि इस डकैती की पूरी साजिश बिहार के बेतिया में रची गई थी। यहां एक शादी समारोह में बिहार और नेपाल के अपराधी इकट्ठा हुए थे। वहीं बैठकर ज्वेलर के घर डकैती की प्लानिंग की गई।

'पिता के सपनों को पूरा करना लक्ष्य', मंत्रीपद की शपथ लेने के बाद बोले निशांत

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

निशांत कुमार ने मंत्री पद की शपथ ले ली है। शपथ लेने के बाद उन्होंने आजतक से बातचीत में कई अहम बातें शेयर कीं। गुरुवार को बिहार सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार हुआ, जिसमें निशांत कुमार समेत 32 नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली। निशांत कुमार, पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र हैं और अब उन्होंने राजनीति में सक्रिय रूप से कदम रख दिया है। मंत्री पद की शपथ लेने के बाद उन्होंने कहा, "सबसे पहले मैं बिहार की जनता को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने 2025 के चुनाव में एनडीए को भारी बहुमत से जीत दिलाई। पार्टी ने मुझे जो जिम्मेदारी दी है, उसे मैं पूरी ईमानदारी और सच्चाई के साथ निभाने की कोशिश करूंगा।"

निशांत ने कहा, "मेरी कोशिश रहेगी कि पिताजी ने पिछले 20 सालों में जो काम किया है, वह आगे भी जारी रहे और उनके जो अधूरे काम हैं, उन्हें मैं पूरा कर सकूं।"

उन्होंने आगे कहा, "हम लोग अब तक हुए विकास कार्यों को आगे बढ़ाएंगे। जो वादे किए हैं, जैसे अगले 5 सालों में 1 करोड़ रोजगार देने का लक्ष्य, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सुधार, आय बढ़ाने और रोजगार के अवसर पैदा करने की दिशा में काम करेंगे। समृद्धि यात्रा के दौरान जो बातें कही गई थीं, उन्हें पूरा करने की पूरी कोशिश होगी।" निशांत कुमार ने बताया, महिलाओं के लिए कई अहम कदम उठाए गए हैं। 50% रिजर्वेशन जैसी सुविधाएं दी गई हैं। पंचायती राज नगर निगम हो चाहे पुलिस में भर्ती हो, हर स्तर पर महिलाओं के लिए काम किया गया है। महिला रोजगार योजना के तहत हर घर की एक महिला को हम व्यवसाय शुरू करने के लिए 10,000 दे रहे हैं और जब व्यवसाय सफल होगा तो 2,00,000 तक दे रहे हैं तो ये सब जारी रहेगा। निशांत ने कहा, पिताजी नीतीश कुमार जी के मार्गदर्शन में और सम्राट चौधरी जी के नेतृत्व में हम काम करेंगे। उन्होंने बताया कि उनकी सम्राट चौधरी से पुरानी पहचान है। मैं उन्हें 2004 से जानता हूं। वो हमारे बड़े भाई जैसे हैं। निशांत कुमार ने साफ तौर पर कहा कि बिहार में उनके पिता नीतीश कुमार द्वारा किए गए विकास कार्यों को आगे बढ़ाना ही उनकी प्राथमिकता होगी।

टूटे विक्रमशिला पुल पर बनेगा 'बेली ब्रिज', 15 दिन में हो जाएगा तैयार

हिंदमाता नेटवर्क @ भागलपुर

बिहार के भागलपुर जिले में विक्रमशिला सेतु के क्षतिग्रस्त हिस्से पर आवागमन बहाल करने के लिए पथ निर्माण विभाग ने बड़ी तैयारी शुरू कर दी है। सेतु के पिलर संख्या 7 और 8 के बीच टूटे हिस्से पर अब टू-लेन बेली ब्रिज का निर्माण किया जाएगा। इस पुल से हल्के वाहनों और पैदल यात्रियों की आवाजाही शुरू होगी, जबकि भारी वाहनों के लिए अलग वैकल्पिक व्यवस्था लागू की जाएगी। बीआरओ को बेली ब्रिज बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। 7 दिन में निर्माण कार्य की शुरुआत करनी है और 15 दिन के अंदर कार्य को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक में आईआईटी और बीआरओ (बॉर्डर रोड्स ऑर्गेनाइजेशन) के विशेषज्ञों के साथ निर्माण कार्य की रूपरेखा तय की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि पहले अस्थायी रूप से बेली ब्रिज तैयार किया जाएगा, जिसे बाद में स्थायी संरचना का प्रारूप भी साथ में तैयार किया जाएगा। बेली ब्रिज से अभी सिर्फ हल्के वाहन बाइक, ऑटो व कार ही गुजर सकेंगे। निर्माण की सामग्री राउरकेला से मंगाई जाएगी। प्रस्तावित बेली ब्रिज स्टील संरचना पर आधारित होगा। प्रत्येक लेन की चौड़ाई लगभग 3.5 मीटर रखी जाएगी। पुल पर छोटे और हल्के वाहनों का परिचालन होगा। इसके अलावा पैदल यात्रियों के लिए अलग सुरक्षित रास्ता भी बनाया जाएगा, ताकि स्थानीय लोगों को आवाजाही में परेशानी न हो।

मुंबई के बाद बिजनौर में भी तरबूज कांड, एक ही परिवार के 3 लोगों ने खाया फल, बेटी की मौत

माता-पिता की हालत गंभीर

हिंदमाता नेटवर्क @ बिजनौर

उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के शेरनगर नरैका गांव में तरबूज खाने के बाद एक ही परिवार के तीन सदस्यों की हालत अचानक बिगड़ गई। अस्पताल ले जाते समय रास्ते में एक 22 साल की युवती ने दम तोड़ दिया, जबकि उसके माता-पिता की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। डॉ। जियाउल रहमान ने बाज़ार से लाया हुआ तरबूज अपनी पत्नी और बेटी मुस्कान के साथ खाया था। तरबूज खाने के कुछ ही देर बाद तीनों को तेज़ बेचैनी, उल्टी और पेट दर्द की शिकायत होने लगी। जैसे-जैसे समय बीता, मुस्कान की हालत तेज़ी से बिगड़ने लगी। परिजन उसे आनन-फानन में अस्पताल लेकर दौड़े, लेकिन बदकिस्मती से अस्पताल पहुंचने से पहले ही मुस्कान की मौत हो गई। मुस्कान का निकाह हाल ही में तय हुआ था, जिसके चलते घर में खुशियों का माहौल था, जो अब मातम में बदल गया है।

स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची

घटना की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। डॉ। जियाउल रहमान और उनकी पत्नी को बिजनौर केक्षएक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने मुस्कान के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजन पीएम करवाने को राजी नहीं हुए। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मौत के असली कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा। फिलहाल, इस बात की आशंका जताई जा रही है कि तरबूज में इस्तेमाल किए गए रसायनों या कीटनाशक (Pesticides) के कारण 'फूड पॉइजनिंग' हुई होगी। क्षेत्रीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने जनता से अपील की है कि वे फल खरीदते समय सावधानी बरतें। अक्सर फलों को जल्दी पकाने या लाल दिखाने के लिए खतरनाक रसायनों का छिड़काव किया जाता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए फल के सैंपल की भी जांच की जा सकती है।

सावधानी बरतने की सलाह

विशेषज्ञों का कहना है कि गर्मियों में तरबूज का सेवन करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना अनिवार्य है। तरबूज काटने से पहले उसे कम से कम एक घंटे के लिए पानी में डुबोकर रखें। बहुत अधिक गहरे लाल या इंजेक्शन के निशान वाले तरबूज न खरीदें। यदि फल खाने के बाद घबराहट या पेट में मरोड़ महसूस हो, तो बिना देरी किए डॉक्टर से संपर्क करें। इस घटना ने पूरे इलाके में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है और लोग अब बाज़ार से फल खरीदने में डर महसूस कर रहे हैं। इससे पहले मुंबई में कुछ ऐसा ही मामसा सामने आया था, जहां तरबूज खाने के बाद एक ही परिवार के लोगों की तबीयत बिगड़ गई थी, और उनकी मौत हो गई थी।

यूपी में हर महीने 10 तारीख तक आएगा बिजली बिल

बदला स्मार्ट मीटर सिस्टम; पुराना बकाया भी किस्तों में कर सकेंगे जमा

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए सभी स्मार्ट मीटरों को तत्काल प्रभाव से पोस्टपेड मोड में बदलने के आदेश दिए हैं। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बताया कि अब प्रदेश में स्मार्ट प्रीपेड मीटर व्यवस्था खत्म कर दी गई है। उपभोक्ताओं को हर महीने पोस्टपेड बिलिंग सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस नई व्यवस्था के तहत उपभोक्ताओं को हर महीने बिजली का बिल मिलेगा। सरकार ने तय किया है कि हर महीने की 10 तारीख तक बिल जारी कर दिया जाएगा। ऊर्जा विभाग का कहना है कि इस फैसले से उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी, क्योंकि अब उन्हें बार-बार रिचार्ज करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। बिलिंग सिस्टम पहले की तरह ही जारी रहेगा, जिसमें उपभोक्ताओं को बिल भरने के लिए 15 दिन का समय मिलेगा। सरकार ने यह भी बताया कि अब सभी नए बिजली कनेक्शन भी सिर्फ पोस्टपेड मोड में ही दिए जाएंगे। पहले जो सुरक्षा राशि प्रीपेड सिस्टम में एडजस्ट होती थी, उसे अब चार आसान किस्तों में बिल में जोड़ा जाएगा। अगर किसी उपभोक्ता का मोबाइल नंबर सिस्टम में सही नहीं है, तो उसे ठीक करने के लिए विशेष कैंप लगाए जाएंगे। यह कैंप 15 मई 2026 से 30 जून 2026 तक सभी अधिशासी अभियंता और उपखंड अधिकारी ऑफिस में विशेष कैंप लगेंगे।

पत्नी से अवैध संबंध के शक में दोस्त ने की दिव्यांग ई-रिक्शा ड्राइवर की हत्या

हिंदमाता नेटवर्क @ बरेली

बरेली पुलिस ने भमोरा थाना क्षेत्र में 30 मार्च को मिले दिव्यांग चंद्रप्रकाश के शव की गुत्थी सुलझा ली है। आरोपी सिंकू उर्फ मुकेश ने अपनी पत्नी के साथ मृतक के प्रेम संबंधों के शक में इस वारदात को अंजाम दिया। घटना के दिन आरोपी ने चंद्रप्रकाश को शराब पिलाई और फिर बहस के बाद रस्सी से उसका गला घोंट दिया। हत्या के बाद आरोपी मृतक का ई-रिक्शा लेकर फरार हो गया और शव को खेत में छिपा दिया।

शव को खेत में फेंका और दादरी हुआ फरार

हत्या के बाद आरोपी ने चंद्रप्रकाश के शव को खींचकर गेहूं के खेत में फेंक दिया और उसका ई-रिक्शा लेकर बरेली चला गया। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह अपनी पत्नी और बच्चों को लेकर दादरी चला गया और वहां मजदूरी करने लगा। कुछ दिन पहले वह वापस लौटा और ई-रिक्शा को बेचने या कटवाने की फिराक में था। इसी दौरान पुलिस ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी का ई-रिक्शा बरामद कर लिया है।

शराब पार्टी के बाद खूनी संघर्ष और मौत

पुलिस पूछताछ में आरोपी सिंकू ने बताया कि वह चंद्रप्रकाश के साथ ई-रिक्शा चलाता था। उसे शक था कि चंद्रप्रकाश के उसकी पत्नी से संबंध हैं। 30 मार्च की शाम सिंकू ने योजना के तहत चंद्रप्रकाश को शराब पिलाई। नशे में धुत होने के बाद जब सिंकू ने चंद्रप्रकाश को अपनी पत्नी से दूर रहने की चेतावनी दी, तो दोनों के बीच गाली-गलौज शुरू हो गई। गुस्से में आकर सिंकू ने उसे धक्का दिया और फिर रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी।

चंद्रप्रकाश के पिता ने दर्ज कराई थी रिपोर्ट

इस मामले में मृतक के पिता वीरपाल ने भमोरा थाने में अज्ञात के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। चंद्रप्रकाश मूल रूप से बदायूं के बिसौली का रहने वाला था और वर्तमान में बरेली के सुभाषनगर क्षेत्र में रहता था। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना पर इस अंधे कत्ल का खुलासा किया। एसएचओ पवन कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी को जेल भेज दिया गया है और मामले की आगे की कानूनी कार्रवाई पूरी की जा रही है।

कानपुर में बना डाली 146 करोड़ की फर्जी कंपनी

कबाड़ और बूचड़खाने वालों ने किया पूरा खेल

हिंदमाता नेटवर्क @ कानपुर

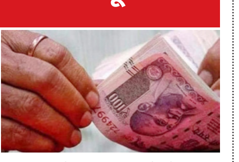

यूपी के कानपुर में पुलिस ने एक ऐसे फर्जीवाड़े का खुलासा किया है, जिसने जांच एजेंसियों को भी चौंका दिया। फर्जी कंपनियां, नकली GST रजिस्ट्रेशन, हवाला के जरिए करोड़ों रुपये का लेनदेन और अलग-अलग राज्यों में फैला नेटवर्क, यह पूरा खेल फिल्मी लग सकता है, लेकिन हकीकत में आरोपी करोड़ों का खेल कर रहे थे। पुलिस के मुताबिक, इस पूरे नेटवर्क के जरिए करीब 146 करोड़ रुपये का फर्जी कारोबार किया गया। पुलिस ने इस मामले में मास्टरमाइंड समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि इस नेटवर्क में कबाड़ कारोबारी और बूचड़खाने से जुड़े लोग शामिल थे। दरअसल, इस बड़े फर्जीवाड़े की परतें तब खुलनी शुरू हुईं, जब 1 फरवरी को हुई एक लूट की घटना की जांच पुलिस कर रही थी। शुरुआती जांच में पुलिस को कुछ संदिग्ध कैश ट्रांजेक्शन की जानकारी मिली। जब पुलिस ने पैसों के सोर्स और बैंक खातों की जांच शुरू की, तो मामला धीरे-धीरे करोड़ों के नेटवर्क तक पहुंच गया। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने बताया कि आरोपियों ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कई कंपनियां बनाई थीं। इन कंपनियों के नाम पर नकली GST रजिस्ट्रेशन कराए गए और फिर उन्हीं के जरिए बड़े पैमाने पर फर्जी लेनदेन दिखाया गया। जांच में सामने आया कि इस नेटवर्क का इस्तेमाल GST चोरी, इनकम टैक्स फ्रॉड और हवाला ट्रांजेक्शन के लिए किया जा रहा था। पुलिस के मुताबिक, कई फर्जी फर्मों और लोगों की पहचान की गई है, जिनमें ताहिर, अजमेरी, रुस्तम और उनके सहयोगियों के नाम सामने आए हैं।

ग्रेटर नोएडा में बाप की हैवानियत!

रिश्तेदार को फंसाने के लिए मार डाला अपने ही बेटे को

हिंदमाता नेटवर्क @ ग्रेटर नोएडा

दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा के कासना थाना क्षेत्र से एक बेहद सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक पिता पर अपने ही 13 साल के इकलौते बेटे की हत्या करने का आरोप लगा है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी ने प्रॉपर्टी विवाद में अपने रिश्तेदारों को फंसाने की साजिश के तहत इस वारदात को अंजाम दिया। घटना के सामने आने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।

लापता बेटे को ढूंढने का नाटक

जानकारी के मुताबिक सिरसा गांव निवासी 13 साल का बच्चा 7 मई को अचानक लापता हो गया था। परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की और बाद में पुलिस को सूचना दी गई। शुरुआत में बच्चे के पिता ने अपहरण और पारिवारिक दुश्मनी का शक जताते हुए रिश्तेदारों पर आरोप लगाए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

रिश्तेदार को फंसाने के लिए ली बेटे की जान

इसी बीच पुलिस को सिरसा गांव के एक तालाब से बच्चे का शव बरामद हुआ। शव मिलने के बाद जांच और तेज कर दी गई। पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने बच्चे के पिता को हिरासत में ले लिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि प्रॉपर्टी विवाद को लेकर परिवार में लंबे समय से तनाव चल रहा था और इसी वजह से आरोपी ने अपने बेटे की हत्या कर रिश्तेदारों को फंसाने की योजना बनाई। हालांकि पुलिस ने अभी आधिकारिक तौर पर हत्या के तरीके और अन्य तकनीकी पहलुओं का खुलासा नहीं किया है, लेकिन मामले को बेहद गंभीर मानते हुए जांच जारी रखी गई है।

पुलिस को गुमराह कर रहा था पिता

जांच के दौरान पुलिस को पिता की कहानी पर संदेह हुआ। इसके बाद पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू किए और आसपास के बच्चों से पूछताछ की। धीरे-धीरे कई ऐसे तथ्य सामने आए, जिससे शक गहराता गया। पुलिस का कहना है कि आरोपी पिता लगातार जांच को भटकाने की कोशिश कर रहा था और अलग-अलग बयान देकर पुलिस को गुमराह करता रहा।

हिंदमाता एंकर: प्रयागराज के गंगानगर जोन में एक नाबालिग लड़के ने अपनी 17 वर्षीय प्रेमिका की धारदार हथियार से गला काटकर हत्या कर दी, मृतका 10वीं की छात्रा थी

इंस्टाग्राम वाला प्यार, लव मैरजि का दबाव, फिर खूनी खेल, प्रयागराज में 12वीं के छात्र ने 10वीं की छात्रा का गला रेता

हिंदमाता नेटवर्क @ प्रयागराज

प्रयागराज के गंगानगर जोन में एक नाबालिग लड़के ने अपनी 17 वर्षीय प्रेमिका की धारदार हथियार से गला काटकर हत्या कर दी। मृतका 10वीं की छात्रा थी। उसकी दोस्ती बहरिया के एक लड़के से इंस्टाग्राम के जरिए हुई थी। आरोपी ने 20 अप्रैल को शादी के दबाव से पीछा छुड़ाने के लिए छात्रा को मऊ आइमा बुलाया और वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसकी निशानदेही पर शारदा सहायक नहर की झाड़ियों से लड़की का शव बरामद किया। शव बुरी हालत में था।

इंस्टाग्राम से शुरू हुई दोस्ती और फिर धोखे का खेल

डीसीपी कुलदीप सिंह गुनावत के मुताबिक, 17 साल की लड़की और साढ़े 17 साल के आरोपी के बीच सोशल मीडिया पर दोस्ती हुई थी। बातचीत धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। 20 अप्रैल को खुशी स्कूल जाने के बहाने घर से निकली लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने जब आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की, तो रोंगटे खड़े कर देने वाला सच सामने आया। उसने कुबूल किया कि वह मृतका से शादी नहीं करना चाहता था, इसलिए उसने उसे रास्ते से हटा दिया। आरोपी 12वीं का छात्र है, जबकि मृतका 10वीं में पढ़ती था।

शादी का दबाव बना मौत का कारण, झाड़ियों में मिला शव

आरोपी ने पुलिस को बताया कि प्रेमिका उस पर लगातार शादी के लिए दबाव बना रही थी। इसी से परेशान होकर उसने उसको अपनी बाइक पर बैठाया और मऊ आइमा ले गया। वहां सुनसान जगह देखकर उसने धारदार हथियार से प्रेमिका के गले पर वार किया और उसकी जान ले ली। हत्या के बाद उसने शव को नहर के पास झाड़ियों में छिपा दिया। शव इतने दिनों तक वहां पड़ा रहा कि वह पूरी तरह सड़ चुका था। परिजनों ने कपड़ों के आधार पर शिनाख्त की।

जेवर और नकदी लेकर गई थी छात्रा, पिता ने लगाए गंभीर आरोप

मृतका के पिता का आरोप है कि उनकी बेटी घर से लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण और नकदी लेकर निकली थी। उनका दावा है कि आरोपी ने गहने और पैसे हड़पने के बाद उनकी बेटी की निर्मम हत्या कर दी। छोटी बहन ने बताया कि परिवार ने पहले आरोपी को समझाने की कोशिश की थी, लेकिन दोनों का संपर्क नहीं टूटा। अब दुखी परिजन पुलिस प्रशासन से आरोपी को सख्त से सख्त सजा और फांसी दिलाने की मांग कर रहे हैं।

विदेशी तिजोरियों में रखा सोना लाने में जुटा भारत

अमेरिका के साथ सोने का तगड़ा खेल कर गया फ्रांस

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

हाल ही में खबर आई कि भारत समेत दुनियाभर के देश विदेशों में रखा अपना सोना बहुत तेजी से वापस मंगा रहे हैं। भारत लंदन, न्यूयॉर्क से अपना सोना वापस लाने में सबसे आगे बताया जा रहा है। इस बीच फ्रांस ने भी अमेरिका से अपना सोना 'वापस' ले लिया है। लेकिन उसका तरीका अनूठा है। फ्रांस के केंद्रीय बैंक (बैंक ऑफ फ्रांस) ने अमेरिका की निगरानी में रखे अपने सोने को बिना किसी विवाद के वापस लाने का एक अनोखा तरीका निकाला हैः न्यूयॉर्क में उसे मुनाफे पर बेच दिया और फिर यूरोप में वही सोना दोबारा खरीद लिया। वित्त वर्ष 2025 के अपने ऐलान में बैंक ऑफ फ्रांस ने एक एक्सेप्शनल आइटम यानी अलग से हुई कमाई का खुलासा किया। इसकी वजह से बैंक का 2.9 अरब यूरो का घाटा बदलकर 8.1 अरब यूरो का सालाना मुनाफा बन गया। 25 मार्च की प्रेस रिलीज में फ्रांसीसी बैंक ने कहा, 'एक विशेष वजह के कारण बैंक की अपनी संपत्तियों से होने वाली आय में 12.2 अरब यूरो की बढ़ोतरी हुई है।' बैंक ने बताया कि 2025 और 2026 की शुरूआत में तकनीकी नियमों के मुताबिक, उसे अपने रिजर्व के बचे हुए 5% हिस्से में बदलाव करना पड़ा। हालांकि, इस बदलाव से उसके गोल्ड रिजर्व की मात्रा में कोई बदलाव नहीं हुआ। बल्कि उसे फॉरेन एक्सचेंज इनकम से बड़ा मुनाफा हुआ। यह मुनाफा 2025 में कुल 11 अरब यूरो रहा। अपने सोने को अमेरिका में रख फंसा है जर्मनी, फ्रांस ने कमा लिया मुनाफा। फ्रांस ने अपना गोल्ड रिजर्व अमेरिका में रखा था और बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य, जहां अमेरिका मिडिल ईस्ट के युद्ध में फंसा है, वो अपना सोना वापस मांगता तो विवाद तय था। लेकिन फ्रांस ने चतुराई से इसका हल निकाला जो उसके लिए फायदे का सौदा साबित हुआ। वहीं, जर्मनी की बात करें तो, उसका काफी सोना अमेरिकी बैंक न्यूयॉर्क फेडरल रिजर्व के पास जमा है जिस पर देश में काफी विवाद होता है। जर्मन सांसदों को ट्रंप प्रशासन पर भरोसा नहीं है और वो चाहते हैं कि उनका सोना वापस देश आ जाए। जर्मनी ने यह मुद्दा कई बार उठाया है लेकिन उसे अपना सोना देश वापस लाने में अब तक सफलता नहीं मिली है। इधर, फ्रांस ने अपने सोने को वापस लेने या ट्रांसफर करने का मुद्दा ही नहीं उठाया।

भारत विदेशों में रखा अपना सोना तेजी से निकाल रहा

भारत के केंद्रीय बैंक रिजर्व बैंक (RBI) ने विदेशों से सोने को देश लाने की प्रक्रिया तेज कर दी है। फ्ककी रिपोर्ट (अक्टूबर 2025-मार्च 2026) के मुताबिक, भारत के कुल 880.52 टन सोने में से करीब 77% अब देश के अंदर रखा है। यानी लगभग 680 टन भारत में है, जबकि करीब 197.67 टन अभी भी बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक ऑफ इंटरनेशनल सेटलमेंट्स के पास है। करीब 2.8 टन सोना डिपोजिट के रूप में रखा गया है। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, सिर्फ 6 महीनों में ही RBI ने 104.23 टन सोना वापस मंगा लिया। इसका एक बड़ा कारण वैश्विक हालात हैं, जैसे, ईरान-अमेरिका युद्ध, रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी देशों का अफगानिस्तान की संपत्तियां फ्रीज करना। इन घटनाओं ने केंद्रीय बैंकों को सोचने पर मजबूर किया कि विदेश में रखा पैसा या सोना कभी भी राजनीतिक फैसलों के कारण फंस सकता है।

होर्मुज में फिर प्रोजेक्ट फ्रीडम शुरू करेगा अमेरिका

सऊदी और कुवैत ने एयरस्पेस इस्तेमाल करने की दी मंजूरीः रिपोर्ट

हिंदमाता नेटवर्क @ वॉशिंगटन

अमेरिका एक बार फिर होर्मुज स्ट्रेट में अपना सैन्य मिशन शुरू करने की तैयारी कर रहा है। मिशन का नाम प्रोजेक्ट फ्रीडम है, जिसका मकसद होर्मुज से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों को सुरक्षा देना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सऊदी अरब और कुवैत ने अब अमेरिका को फिर से अपने एयरस्पेस और सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल करने की अनुमति दे दी है। जिसके बाद अमेरिका इस पर विचार कर रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका इस मिशन को इसी हफ्ते दोबारा शुरू कर सकता है। हालांकि अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। इससे पहले यह ऑपरेशन सिर्फ 36 घंटे बाद रोक दिया गया था। अमेरिका का कहना है कि वह होर्मुज स्ट्रेट में व्यापारिक जहाजों के लिए सुरक्षित आवाजाही बनाए रखना चाहता है। प्रोजेक्ट फ्रीडम के तहत अमेरिका अपने युद्धपोत, लड़ाकू विमान, ड्रोन और निगरानी सिस्टम तैनात करेगा और जहाजों पर ड्रोन मिसाइल हमले होने से रोकेगा।

ट्रंप और मोहम्मद बिन सलमान की हुई थी बात

रिपोर्ट के मुताबिक, इस मामले पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के बीच सीधी बातचीत हुई। क्राउन प्रिंस ने अमेरिका को सुरक्षा खतरे की जानकारी दी थी। इसके बाद ट्रंप ने प्रोजेक्ट फ्रीडम को कुछ समय के लिए रोक दिया था। बाद में ट्रंप ने कहा कि पाकिस्तान और कुछ दूसरे देशों की अपील यह फैसला लिया गया था।

ईरान ने प्रोजेक्ट फ्रीडम को लेकर हमले किए थे

जब अमेरिका ने पहली बार यह ऑपरेशन शुरू किया था, तब ईरान ने इसका विरोध किया था। ईरान की तरफ से मिसाइल और ड्रोन हमले किए गए। इनमें यूएई के फुजैराह इलाके को निशाना बनाया गया, जो वहां का बड़ा तेल निर्यात केंद्र है। अमेरिका ने दावा किया कि उसने कई हमलों को रोक दिया और ईरान की कई तेज रफ्तार बोट्स को तबाह कर दिया। इन हमलों के बाद खाड़ी देशों में चिंता बढ़ गई थी। सऊदी अरब और कुवैत को डर था कि वे भी इस संघर्ष में फंस सकते हैं। इसी कारण उन्होंने अमेरिका को अपने सैन्य ठिकानों और एयरस्पेस के इस्तेमाल से रोक दिया था। अब नई बातचीत के बाद सऊदी अरब और कुवैत ने फिर से अमेरिकी सेना को अपने एयरस्पेस और बेस इस्तेमाल करने की मंजूरी दे दी है। हालांकि दोनों देशों ने अभी इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

बिजनेस वर्ल्ड

जेप्टो के 9300 करोड़ के आईपीओ को सेबी की हरी झंडी, बाजार में मचेगा धमाल!

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

10 मिनट में डिलीवरी करने वाली मशहूर कंपनी जेप्टो जल्द ही शेयर बाजार में अपना जलवा बिखेरने की तैयारी कर रही है। बाजार नियामक संस्था सेबी ने जेप्टो के इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ को अपनी आधिकारिक मंजूरी दे दी है। इस फैसले के बाद अब कंपनी के लिए दलाल स्ट्रीट पर लिस्ट होने का रास्ता पूरी तरह से साफ हो गया है। मनी कंट्रोल की एक खबर के मुताबिक, जेप्टो इस आईपीओ के जरिए बाजार से भारी-भरकम रकम जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी का लक्ष्य 80 करोड़ डॉलर से लेकर 1 अरब डॉलर तक का फंड इकट्ठा करना है। अगर इसे भारतीय रुपये में देखा जाए, तो यह आंकड़ा लगभग 7,500 करोड़ रुपये से लेकर 9,300 करोड़ रुपये के बीच बैठता है। इतनी बड़ी रकम का मतलब है कि जेप्टो अपने कारोबार को एक नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार है। फिलहाल कंपनी अपने अपडेटेड ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस को अंतिम रूप देने में जुटी है। सब कुछ तय कार्यक्रम के अनुसार चला, तो अगले 60 से 90 दिनों के भीतर कंपनी के शेयर बाजार में ट्रेड करते नजर आएंगे। जेप्टो की यह कामयाबी इसलिए भी बेहद खास है क्योंकि इस कंपनी की शुरूआत साल 2020 में हुई थी। महज कुछ सालों के छोटे से सफर में स्टॉक एक्सचेंज तक पहुंचना किसी भी स्टार्टअप के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। दिलचस्प बात यह है कि लिस्टिंग के बाद जेप्टो देश की इकलौती ह्याप्योर प्लेह्न क्विक कॉमर्स कंपनी बन जाएगी, जिसके शेयर सीधे तौर पर बाजार में उपलब्ध होंगे। ह्याप्योर प्लेह्न का अर्थ है कि कंपनी का पूरा ध्यान सिर्फ और सिर्फ तेज डिलीवरी वाले बिजनेस मॉडल पर ही केंद्रित है। हालांकि, आईपीओ की टाइमलाइन और लिस्टिंग को लेकर पूछे गए सवालों पर फिलहाल जेप्टो प्रबंधन ने कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। बाजार में पैसा लगाने वाले रिटेल निवेशकों के मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर जेप्टो को इतनी बड़ी रकम की जरूरत क्यों पड़ रही है। पिछले साल सितंबर में जब जेप्टो ने आईपीओ की तैयारी शुरू की थी, तब शुरूआती प्लान 50 करोड़ डॉलर जुटाने का था। लेकिन बाद में इस लक्ष्य को बढ़ा दिया गया। दरअसल, क्विक कॉमर्स का बाजार अब बेहद आक्रामक हो चुका है। कंपनी को ब्लिंकिट, स्विगी इंस्टामार्ट, एमेजॉन नाउ, फ्लिपकार्ट मिनट्स और टाटा के स्वामित्व वाली बिग बास्केट जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वियों से सीधा मुकाबला करना है। इन बड़े खिलाड़ियों के सामने मजबूती से टिके रहने और बाजार पर अपनी पकड़ बनाने के लिए जेप्टो को इस पूंजी की सख्त जरूरत है। कंपनी के ग्राहकों की संख्या और दैनिक ऑर्डर बुक में जबरदस्त इजाफा देखने को मिला है। एक समय था जब यह क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म हर दिन करीब 15 से 17 लाख ऑर्डर की डिलीवरी करता था।

ईरान का यूएई पर मिसाइल और ड्रोन से हमला

30 दिन की शांति के बाद मिडिल ईस्ट में फिर बढ़ा तनाव

हिंदमाता नेटवर्क @ न्तेहरान

ईरान ने एक बार फिर यूएई बड़ा हमला किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने कई बैलिस्टिक मिसाइल, क्रूज मिसाइल और ड्रोन दागे हैं। यूएई के एयर डिफेंस सक्रिय हैं और मिसाइलों को लगातार इंटरसेप्ट कर रहे हैं। यूएई की नेशनल इमरजेंसी क्राइसिस एंड डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने लोगों से सुरक्षित जगहों पर रहने और सिर्फ सरकारी अपडेट पर भरोसा करने की अपील की है। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब एक रात पहले ही अमेरिका और ईरान के बीच मिसाइल झड़प हुई थी। इससे पहले सोमवार को भी ईरान ने यूएई पर 15 मिसाइल और 4 ड्रोन से हमला किया था। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत दुनिया के कई नेताओं ने यूएई पर हुए हमले की निंदा की थी। अमेरिका और ईरान के बीच 8 अप्रैल को सीजफायर हुआ था, 30 दिन की शांति के बाद अब मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ता दिख रहा है।

2000 से ज्यादा ड्रोन दागने का दावा

यूएई के मुताबिक, ईरान ने युद्ध के दौरान 2000 से ज्यादा ड्रोन, सैकड़ों बैलेस्टिक मिसाइल और कई क्रूज मिसाइल दागीं। ज्यादातर हमलों को एयर डिफेंस सिस्टम ने रोक लिया, लेकिन फिर भी 13 लोगों की मौत हुई और 200 से ज्यादा लोग घायल हुए। कई तेल और ऊर्जा ठिकानों के साथ अहम इमारतों को भी नुकसान पहुंचा।

ईरानी हमलों का रिकॉर्ड जुटाएगा यूएई

यूएई ने ईरान के हमलों से हुए नुकसान का पूरा रिकॉर्ड तैयार करने के लिए एक नई कमेटी बनाई है। इस कमेटी का काम हमलों में हुए जान-माल के नुकसान और सबूतों को इकट्ठा करना होगा। बाद में इन्हीं सबूतों के आधार पर यूएई कानूनी कार्रवाई और इंसाफ की मांग करेगा। सरकारी समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएम के मुताबिक, इस कमेटी की अगुवाई यूएई के अटॉर्नी जनरल करेंगे। इसमें कई मंत्रालयों और सरकारी एजेंसियों के अधिकारी शामिल होंगे। जरूरत पड़ने पर विदेशी एक्सपर्ट्स की मदद भी ली जाएगी। कमेटी तस्वीरें, तकनीकी रिपोर्ट और दूसरे सबूत जमा करेगी।

मुआवजे की मांग करेगा यूएई

यूएई पहले भी ईरान से हमलों की जिम्मेदारी लेने और नुकसान की भरपाई करने की मांग कर चुका है। अब यह कमेटी इंसानी, आर्थिक और संपत्ति के नुकसान का पूरा हिसाब तैयार करेगी, ताकि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत कार्रवाई की जा सके। यूएई ने ईरान के उन बयानों पर भी नाराजगी जताई, जिनमें कहा गया था कि अमेरिका के साथ यूएई का सहयोग ईरान की सुरक्षा के खिलाफ है। यूएई विदेश मंत्रालय ने कहा कि किसी भी देश के साथ रक्षा सहयोग करना उसका अपना अधिकार है।

बाइनेंस का सुरक्षा फीचर, आपकी मर्जी के बिना नहीं निकलेगा क्रिप्टो फंड

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

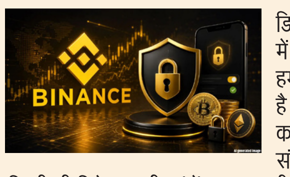

डिजिटल एसेट्स यानी क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करने वालों के लिए सुरक्षा हमेशा से सबसे बड़ी चिंता का विषय रही है। एक गलत लिंक पर क्लिक, फोन का गुम होना या फिर अकाउंट में कोई संदिग्ध गतिविधिह्व ये ऐसे पल होते हैं जब किसी भी निवेशक की सांसें अटक जाती हैं और रातों की नींद उड़ जाती है। इसी डर को दूर करने और ग्राहकों के फंड को हैकर्स से बचाने के लिए दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टो एक्सचेंजों में से एक, बाइनेंस ने एक अहम कदम उठाया है। कंपनी ने ह्यविथड्रॉल प्रोटेक्शनह्न नाम से एक नया सुरक्षा कवच पेश किया है। यह फीचर ग्राहकों को अपने अकाउंट से ऑन-चेन निकासी को कुछ समय के लिए लॉक करने की ताकत देता है, जो संकट के समय आपके पैसों को सुरक्षित रखने में एक बड़ा गेम-चेंजर साबित हो सकता है। बाइनेंस का यह नया टूल खास तौर पर उन घबराहट भरे पलों के लिए डिजाइन किया गया है, जब आपको अचानक से लगता है कि आपका अकाउंट सुरक्षित नहीं है। इस फीचर की मदद से आप अपने डिजिटल एसेट्स को एक से लेकर सात दिन की अवधि के लिए पूरी तरह से लॉक कर सकते हैं। इस लॉक पीरियड के दौरान, आपके एक्सचेंज अकाउंट से कोई भी पैसा या क्रिप्टो ऑन-चेन ट्रांसफर नहीं किया जा सकेगा। सीधा सा मतलब यह है कि अगर आपको अपने फंड पर अतिरिक्त नियंत्रण की जरूरत महसूस होती है, तो आप निकासी प्रक्रिया में जानबूझकर ब्रेक लगा सकते हैं। आप इस सुविधा को अपनी जरूरत के हिसाब से कभी भी चालू कर सकते हैं। इसके साथ ही, आपको यह तय करने का भी अधिकार मिलता है कि लॉक की गई अवधि से पहले फंड को अनलॉक करने की अनुमति दी जाए या नहीं। अगर आप समय से पहले अर्ली अनलॉकिंग का विकल्प चुनते हैं, तो सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम से गुजरना होगा। इसके लिए एक ऑथेंटिकेटर ऐप और एक सिक्योरिटी की दोनों का चालू होना अनिवार्य है। इसके अलावा, खाते की एक्स्ट्रा जांच के लिए ईमेल कंफर्मेशन और फोन या एसएमएस ऑथेंटिकेशन को भी जोड़ा जा सकता है। वहीं, जो निवेशक अपने फंड को लेकर बिल्कुल भी जोखिम नहीं लेना चाहते, उनके लिए एक ह्यसख्त लॉकडाउनह्न विकल्प भी मौजूद है। इस मोड में समय से पहले अनलॉकिंग की सुविधा पूरी तरह से बंद हो जाती है। इसका मतलब है कि एक बार फंड लॉक होने के बाद, आपको तय की गई अवधि खत्म होने तक इंतजार करना ही होगा।

अब होर्मुज पार करना पड़ेगा महंगा! ईरान ने बनाई नई एजेंसी

हर जहाज से होगी टोल वसूली

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

ईरान ने दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों में से एक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अपने नियंत्रण को औपचारिक रूप देने की दिशा में एक बड़ा और विवादास्पद कदम उठाया है। ईरान ने एक नई सरकारी एजेंसी का गठन किया है, अब इस जलमार्ग से गुजरने वाले जहाजों की जांच करेगी, उन्हें अनुमति देगी और उन पर टोल टैक्स भी लगाएगी। शिपिंग डेटा फर्म लॉयड लिस्ट इंटेलिजेंस के अनुसार, ईरान ने 'पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी' नामक एक नई एजेंसी स्थापित की है। यह एजेंसी खुद को इस मार्ग से गुजरने वाले जहाजों को अनुमति देने वाली एकमात्र वैध संस्था के रूप में पेश कर रही है। ईरान के इस कदम ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार जगत में नई चिंता पैदा कर दी है, क्योंकि फारस की खाड़ी में सैकड़ों व्यावसायिक जहाज फंसे हुए हैं और खुले समुद्र तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। हालांकि, इस संभावना ने कि दो महीने से जारी युद्ध जल्द खत्म हो सकता है, अंतरराष्ट्रीय बाजारों को कुछ राहत दी और वैश्विक बाजारों में सकारात्मक असर देखा गया। इस बीच तेहरान ने कहा है कि वह अमेरिका की ओर से युद्ध समाप्त करने के लिए भेजे गए ताजा प्रस्तावों की समीक्षा कर रहा है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने गुरुवार को कहा कि वह पाकिस्तान के जरिए भेजे गए संदेशों की समीक्षा कर रहे हैं। पाकिस्तान इस समय अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। बघाई ने ईरानी सरकारी टीवी से कहा कि ईरान अभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा है और अमेरिकी पक्ष को अभी तक कोई जवाब नहीं दिया गया है। गुरुवार देर शाम ईरानी सरकारी मीडिया ने बताया कि देश की सशस्त्र सेनाओं ने होर्मुज में स्थित केश्म द्वीप पर दुश्मन के साथ गोलीबारी की। केश्म द्वीप फारस की खाड़ी में ईरान का सबसे बड़ा द्वीप है, जहां लगभग डेढ़ लाख लोग रहते हैं। यहां एक बड़ा समुद्री वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट भी मौजूद है। हालांकि गोलीबारी के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी गई। व्हाइट हाउस और अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने भी इस संबंध में तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसियों फार्स और तस्नीम ने दक्षिणी ईरान में बंदर अब्बास के पास विस्फोटों की आवाज सुनाई देने की खबर दी। हालांकि इन धमाकों के स्रोत की पुष्टि नहीं की गई। उधर, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने वेटिकन में पोप लियो 14वें के साथ मध्य पूर्व में शांति प्रयासों पर चर्चा की। पोप ने ईरान युद्ध का विरोध किया है, जिसके कारण उनका अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ सार्वजनिक मतभेद भी सामने आया है। वहीं, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने टेलीविजन पर दिए अपने संबोधन में कहा कि इस्लामाबाद युद्ध को रोकने और युद्धविराम को आगे बढ़ाने के लिए ईरान और अमेरिका के साथ दिन-रात लगातार संपर्क में है। पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार ने भी अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से फोन पर बात की।

19,684 करोड़ के मुनाफे के बाद भी औंधे मुंह क्यों गिरा भारतीय स्टेट बैंक का शेयर?

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक ने वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। आंकड़ों के लिहाज से बैंक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हजारों करोड़ रुपये की कमाई की है, लेकिन शेयर बाजार के निवेशकों को बैंक का यह प्रदर्शन रास नहीं आया। एक तरफ बैंक का मुनाफा बढ़ा है, तो दूसरी तरफ इसके शेयरों में भारी बिकवाली देखने को मिली है। सवाल उठना लाजमी है कि जब बैंक मुनाफे में है, तो शेयर बाजार में ऐसी घबराहट क्यों है? स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने मार्च तिमाही में अपने स्टैंडअलोन शुद्ध मुनाफे में 5.6 फीसदी का सालाना इजाफा दर्ज किया है। बैंक ने इस दौरान 19,684 करोड़ रुपये का भारी-भरकम नेट प्रॉफिट कमाया है। पहली नजर में यह आंकड़ा बहुत शानदार लगता है, लेकिन शेयर बाजार की नजरें कुछ और ही तलाश रही थीं। रॉयटर्स-एलएसईजी के जुटाए गए डेटा के मुताबिक, जानकारों ने अनुमान लगाया था कि बैंक का मुनाफा 20,312 करोड़ रुपये के पार जाएगा। ठीक इसी तरह, बैंक की शुद्ध ब्याज आय यानी ब्याज से होने वाली मुख्य कमाई भी सालाना आधार पर 4.1 फीसदी बढ़कर 44,380 करोड़ रुपये हो गई है, जो पिछले साल इसी अवधि में 42,618 करोड़ रुपये थी। मुनाफा और ब्याज से होने वाली कमाई बढ़ने के बावजूद, यह बाजार के अनुमानों से काफी पीछे रह गई। यही वजह है कि शानदार कमाई के बाद भी दलाल स्ट्रीट पर निराशा का माहौल देखने को मिला। बाजार की उम्मीदों पर खरा न उतरने का सीधा और तत्काल असर एसबीआई के शेयरों पर पड़ा। कारोबारी सत्र के दौरान एसबीआई का शेयर लगभग 5 फीसदी टूटकर 1,037.5 रुपये के स्तर पर आ गया।

किम जोंग की हत्या मतलब परमाणु युद्ध

न्यूक्लियर अटैक के नियमों में उत्तर कोरिया ने किया बदलाव

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

ईरान के सुप्रीम लीडर की हत्या के बाद उत्तर कोरिया अपने नेता किम जोंग उन की सुरभा को लेकर ज्यादा सतर्क हो गया है। उत्तरी कोरिया ने अपने संविधान में बदलाव किया है, जिसके तहत अगर किसी विदेशी दुश्मन की ओर से किम जोंग-उन की हत्या कर दी जाती है, तो उसकी सेना को जवाबी परमाणु हमला करना जरूरी होगा। ये बदलाव ईरान पर अमेरिकी-इजराइली हमले के बाद हुआ है। यह संशोधन 15वीं सुप्रीम पीपल्स असेंबली के पहले सत्र में अपनाया गया था, जो 22 मार्च को प्योंगयांग में शुरू हुआ था। गुरुवार को दक्षिण कोरियाई सरकार के वरिष्ठ सदस्यों को अपनी नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस की ओर से दी गई एक ब्रीफिंग में इसे सार्वजनिक किया गया।

संविधान में कौन से बदलाव किए गए?

नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस की ब्रीफिंग के मुताबिक किम के पास उत्तरी कोरिया की परमाणु सेनाओं की कमान है, लेकिन ये बदलाव उस स्थिति में जवाबी हमलों की प्रक्रियाओं को तय करते हैं, जब किम किसी कारणवश काम करने में असमर्थ हो जाएं या उनकी हत्या हो जाए। परमाणु नीति कानून के संशोधित अनुच्छेद 3 में कहा गया है, यदि दुश्मन ताकतों के हमलों से देश की परमाणु सेनाओं पर कमान और नियंत्रण प्रणाली खतरे में पड़ जाती है। तो एक परमाणु हमला अपने आप और तुरंत शुरू किया जाएगा।

उत्तर कोरिया के इस कदम से बढ़ गया परमाणु युद्ध का खतरा

उत्तर कोरिया लगातार अपनी मिसाइल प्रणाली को उन्नत बना रहा है, जिससे आस-पास के देशों के साथ अमेरिका तक को खतरा बना हुआ है। उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग को एक सनकी शासक माना जाता है, जो परमाणु शक्ति का इस्तेमाल कभी भी कर सकते हैं। देश में इस कानून के आने से दुनिया परमाणु युद्ध का खतरा बढ़ गया है। ऐसा जब हो रहा है जब परमाणु शक्ति ईरान युद्ध की मुख्य वजहों में से एक बना हुआ है।

'कश्मीर की 6 नदियों पर होगा हमारा अधिकार'

पाकिस्तानी जनरल लगा शेखी बघारने

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद

पाकिस्तानी सेना के जनसंपर्क विभाग के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने सिंधु जल संधि को लेकर अपनी मंशा जाहिर की। उन्होंने कहा कि मौजूदा संधि के तहत 6 में से तीन नदियां पाकिस्तान को दी गई हैं क्योंकि वे एक विवादित क्षेत्र (कश्मीर) से होकर आती हैं। चौधरी ने विवादित बयान देते हुए कहा कि कश्मीर आखिरकार पाकिस्तान का ही हिस्सा बनेगा। जब यह विवाद सुलझ जाएगा, तो सभी छह नदियों पर पाकिस्तान का अधिकार होगा। उन्होंने यहां तक कह दिया कि भविष्य में पाकिस्तान यह तय करने की स्थिति में होगा कि भारत को पानी की आपूर्ति की जाए या नहीं।

सेना को बताया 'आखिरी साधन'

शरीफ चौधरी ने अपने संबोधन में पाकिस्तानी सेना की भूमिका को लेकर भी एक गंभीर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान राज्य के पास 'हिंसा का आखिरी साधन' पाकिस्तानी सेना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सेना एक हथियार की तरह है, जिसका इस्तेमाल कब, कहां और कैसे करना है, इसका फैसला पाकिस्तान की जनता और वहां की चुनी हुई सरकार करेगी। यह बयान ऐसे वक्त में आया है, जब भारत ने हमेशा से यह स्पष्ट किया है कि कश्मीर उसका अभिन्न अंग है और सिंधु जल संधि के प्रावधानों का वह कड़ाई से पालन करता रहा है। चौधरी ने बार-बार कश्मीर विवाद को नदियों के पानी से जोड़ते हुए इसे पाकिस्तान के अस्तित्व का सवाल बताया है।

हिंदमाता एंकर वैज्ञानिकों का कहना है कि शहर पिछले 100 साल से धीरे-धीरे धंस रहा है, लेकिन अब इसकी रफ्तार ज्यादा बढ़ गई है

हर महीने 2 सेमी. धंस रही मेक्सिको सिटी, नासा-इसरो के सैटेलाइट से खुलासा

हिंदमाता नेटवर्क @ मेक्सिको सिटी

मेक्सिको की राजधानी मेक्सिको सिटी धीरे-धीरे जमीन में धंसती जा रही है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, शहर के कुछ हिस्से हर महीने 2 सेंटीमीटर तक नीचे जा रहे हैं। अब इस खतरे पर नजर रखने के लिए नासा और भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो के जॉइंट सैटेलाइट मिशन निसार का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह सैटेलाइट जमीन में होने वाले बहुत छोटे बदलावों को भी पकड़ सकता है। मेक्सिको सिटी के बीच का इलाका इस समस्या की सबसे बड़ी मिसाल बन गया है। यहां का मशहूर कैथेड्रल एक तरफ झुक गया है, जबकि उसके पास मौजूद चर्च दूसरी तरफ झुका हुआ दिखाई देता है। नेशनल पैलेस की इमारत भी टेढ़ी नजर आती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि शहर पिछले 100 साल से धीरे-धीरे धंस रहा है, लेकिन अब इसकी रफ्तार ज्यादा बढ़ गई है।

जमीन धंसने की वजह से सीढ़ियां जोड़नी पड़ी

नासा के मुताबिक, निसार सैटेलाइट ने पाया कि मेक्सिको सिटी के कुछ इलाके हर महीने 2 सेमी से ज्यादा नीचे जा रहे हैं। यह दुनिया में जमीन धंसने की सबसे तेज रफ्तार में से एक मानी जा रही है। शहर का मशहूर एंजेल ऑफ इंडिपेंडेंस स्मारक भी इस समस्या का बड़ा उदाहरण है। यह स्मारक 1910 में बनाया गया था, लेकिन आसपास की जमीन नीचे जाने की वजह से अब तक इसके नीचे 14 नई सीढ़ियां जोड़नी पड़ी हैं।

क्यों धंस रहा है ये शहर?

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, मेक्सिको सिटी एक पुरानी झील के ऊपर बसा है। यहां की मिट्टी बहुत नरम और चिकनी है। शहर की करीब आधी पानी की जरूरत भूजल से पूरी होती है। लगातार बड़ी मात्रा में पानी निकालने से जमीन अंदर की तरफ सिकुड़ रही है और शहर धंस रहा है। नासा के वैज्ञानिक मारिन गोवोरचिन ने बताया कि जितनी तेजी से भूजल निकाला जा रहा है, उतनी तेजी से बारिश का पानी जमीन के अंदर वापस नहीं पहुंच पा रहा। इसी वजह से जमीन लगातार दबती जा रही है।

सड़कें, पाइपलाइन और मेट्रो पर असर

जमीन धंसने का असर पूरे शहर पर दिख रहा है। कई सड़कें टूट रही हैं, इमारतें टेढ़ी हो रही हैं और पानी की पाइपलाइन फट रही हैं। इससे शहर का करीब 40% पानी लीकेज में बर्बाद हो जाता है। मेट्रो सिस्टम को भी नुकसान पहुंच रहा है। कम बारिश और बढ़ते जल संकट ने हालात और मुश्किल बना दिए हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर भूजल का इस्तेमाल कम नहीं हुआ तो आने वाले समय में शहर के कई हिस्सों में पानी की भारी कमी हो सकती है। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि निसार सैटेलाइट से मिलने वाली नई जानकारी से इस समस्या को बेहतर तरीके से समझने और भविष्य के खतरे को कम करने में मदद मिलेगी। सवाल है कि दुनिया के अन्य शहर क्या इससे कोई सबक लेंगे?

ब्रिटानिया के बिस्किट होंगे महंगे, पैकेट का वजन भी घटेगा! ये है वजह

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अगर आपकी सुबह की शुरूआत चाय और बिस्किट के बिना अधूरी है, तो अब आपको अपना बजट बढ़ाना पड़ सकता है। पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) में चल रहे तनाव का असर अब सिर्फ अंतरराष्ट्रीय स्तर की चिंताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी आंच आपकी रसोई तक पहुंच चुकी है। देश की सबसे बड़ी बिस्किट निर्माता कंपनी ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज ने अपने उत्पादों के दाम बढ़ाने और पैकेट का वजन कम करने का अहम फैसला किया है। ब्रिटानिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ रक्षित हरगवे ने निवेशकों के साथ हुई अर्निंग कॉल में स्पष्ट किया है कि कंपनी इस तिमाही से कीमतों में धीरे-धीरे बढ़ोतरी करने जा रही है। इसका सीधा मतलब यह है कि 10 रुपये से ज्यादा कीमत वाले बिस्किट के पैकेट अब और महंगे हो जाएंगे। वहीं, छोटी कीमत वाले पैकेट्स के दाम न बढ़ाते हुए उनके अंदर मिलने वाले बिस्किट की मात्रा (ग्रामेज) कम की जाएगी। दरअसल, फैसला कंपनी के हालिया वित्तीय नतीजों के बाद आया है। चौथी तिमाही में ब्रिटानिया का शुद्ध मुनाफा 21 फीसदी बढ़ा है, लेकिन राजस्व (4,686 करोड़ रुपये) बाजार के जानकारों की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाया। इसके चलते शेयर बाजार में कंपनी के शेयरों में 4 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई और शेयर 5,571 रुपये पर आ गए। ये सवाल उठना स्वाभाविक है कि सात समंदर पार चल रहे युद्ध से भारत में बिस्किट के दाम क्यों बढ़ रहे हैं। दरअसल, बिस्किट बनाने में इस्तेमाल होने वाले पाम ऑयल (ताड़ का तेल), पैकेजिंग के लिए लैमिनेट्स, ईंधन और मालभाड़े की लागत तेजी से बढ़ी है। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय सप्लाई चेन बाधित हुई है, जिससे ट्रांसपोर्टेशन और कच्चे माल का खर्च बढ़ गया है।

हिंदमाता मिरर
दैनिक ठाणे, शनिवार 9 मई, 2026
पैनी नजर, पुख्ता खबर

GAME & GLAMOUR

‘आखरी सवाल’ का ट्रेलर रिलीज

अपनी प्रभावशाली घोषणा और बोल्ड टीजर के बाद, संजय दत्त स्टारर ‘आखरी सवाल’ 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक बनकर उभरी है। यह फिल्म राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) से जुड़ी ऐतिहासिक घटनाओं पर गंभीर सवाल उठाकर पहले ही चर्चा छेड़ चुकी है, और अब इसका ट्रेलर देश को और भी हिला देने के लिए आ गया है। फिल्म महात्मा गांधी की हत्या में फ्रर की कथित संलिप्तता, बाबरी मस्जिद विध्वंस और आपातकाल जैसे संवेदनशील विषयों को छूती है, जिसने दर्शकों के बीच पहले ही तीखी बहस शुरू कर दी है।

■ ट्रेलर इन घटनाओं से जुड़ी कथित साजिशों और जवाब न मिलने वाले सवालों की गहराई में जाकर छिपे हुए सच को सामने लाने की कोशिश करता है। निडर और बेबाक, यह ट्रेलर एक ऐसी गहन बहस का दरवाजा खोलता है जो दर्शकों के सामने अनसुने पहलुओं को लाने का वादा करती है। जो दमदार डायलॉग्स बोल रहे हैं और RSS पर लगे आरोपों का जवाब देते हुए इस तीखी बहस को आगे बढ़ा रहे हैं। यह फिल्म समीरा रेड्डी की वापसी का भी गवाह है, जो अपनी परफॉरमेंस से एक गहरा प्रभाव छोड़ती हैं।

■ नमाशी चक्रवर्ती, अमित साध, नीतू चंद्रा और त्रिधा चौधरी जैसे कलाकार इस रोमांचक ट्रेलर की इंटेंसिटी को और बढ़ा देते हैं। इसके अलावा, नेशनल अवार्ड विजेता फिल्म मेकर अभिजीत मोहन वारंग का शानदार निर्देशन साफ झलकता है, जिन्होंने इस कहानी को पूरी ईमानदारी, निडरता और भरोसे के साथ पेश किया है।

सयानी को मिला ‘पर्सन ऑफ द ईयर’ का अवॉर्ड

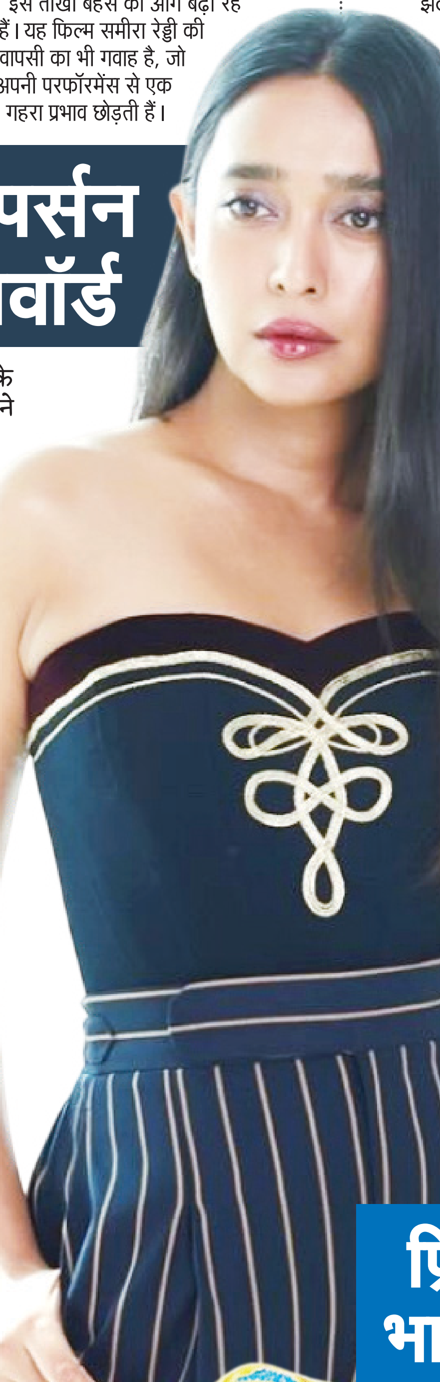

सयानी गुप्ता को बड़ी उपलब्धि मिली है। उन्हें कहानी कहने के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए हार्वर्ड साउथ एशियन एसोसिएशन ने ‘पर्सन ऑफ द ईयर’ अवॉर्ड से नवाजा है। अभिनेत्री का ग्लोबल लेवल पर सांस्कृतिक प्रभाव बढ़ा है। यह सम्मान अलग-अलग क्षेत्रों में साउथ एशियन लोगों की बड़ी उपलब्धियों के लिए दिया जाता है। यह सम्मान उन लोगों को पहचान देता है जिनके काम ने वैश्विक स्तर पर पहचान बनाई हो। इस सम्मान के जरिए, एसोसिएशन ने स्क्रीन पर सच्ची और सबको साथ लेकर चलने वाली कहानियों को लाने के लिए सराहा है।

एसोसिएशन का बयान

एसोसिएशन ने एक ऑफिशियल बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि हम हर साल ऐसे किसी व्यक्ति को सम्मानित करते हैं, जिसके काम ने सार्वजनिक जीवन में साउथ एशियन पहचान को व्यक्त करने के तरीके को आकार दिया हो।

एसोसिएशन ने की तारीफ

उनके काम की तारीफ करते हुए एसोसिएशन ने कहा कि सयानी की एक्टिंग ने लगातार पुरानी सोच को चुनौती दी है। वह आज के दौर की कहानियों में गहराई, बेबाकी और सच्चाई लाई हैं। वह सबको साथ लेकर चलने वाली कहानियों को आकार देने में एक दमदार आवाज बन गई हैं।

इन फिल्मों में नजर आईं सयानी

बता दें कि सयानी ने अपनी एक्टिंग के दम पर अपने लिए एक मजबूत जगह बनाई है। वह गहराई और लीक से हटकर चुने गए किरदारों के लिए जानी जाती हैं। सयानी ‘फोर मोर शॉट्स प्लीज!’, ‘एक्सोन’, ‘आर्टिकल 15’, ‘इनसाइड एज’ और ‘दिल्ली क्राइम’ जैसे प्रोजेक्ट्स में अपने काम के लिए काफी मशहूर हैं।

निर्देशक बनेंगी सयानी

एक्टिंग के अलावा, सयानी अब अपने करियर में एक नए क्रिएटिव दौर की शुरुआत कर रही हैं। अब वह लेखक और निर्देशक की भूमिका निभाएंगी।

2026 की टॉप बॉक्स ऑफिस स्टार्स में दीपिका शामिल

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने एक बार फिर अपनी स्टार पावर साबित करते हुए 2026 की भारत के टॉप 10 अंडर 50 बॉक्स ऑफिस स्टार्स की प्रतिष्ठित सूची में जगह बनाई है। यह रिपोर्ट एक प्रमुख पब्लिकेशन और Ormax Media की साझेदारी में तैयार की गई है। इस सूची में उन सितारों को शामिल किया गया है जिन्होंने अपनी फिल्मों और लगातार सफलता के जरिए भारतीय सिनेमा में मजबूत पकड़ बनाई है।

दीपिका के करियर की लगातार बढ़ती ताकत की सराहना

रिपोर्ट में दीपिका पादुकोण के लंबे और प्रभावशाली करियर की खास तौर पर तारीफ की गई है। इसमें कहा गया है कि उन्होंने अपनी फिल्मों में व्यावसायिक सफलता और क्रिटिकल एक्लेम के बीच शानदार संतुलन बनाए रखा है। उनके करियर की खास बात यह रही है कि उन्होंने हर दौर में खुद को नए अंदाज में पेश किया है और दर्शकों के साथ अपना मजबूत जुड़ाव बनाए रखा है।

पीकू से पठान तक: लगातार बदलता लेकिन मजबूत सफर

रिपोर्ट में दीपिका की कुछ यादगार फिल्मों का भी जिक्र किया गया, जिनमें पीकू, पदमावत और पठान शामिल हैं। इन फिल्मों के जरिए उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाकर अपनी एक्टिंग रेंज साबित की है। चाहे इमोशनल ड्रामा हो या एक्शन से भरपूर ब्लॉकबस्टर, दीपिका हर जॉनर में फिट बैठती हैं।

इंडस्ट्री में स्थिरता और भरोसे का बड़ा नाम

लगातार बदलती और प्रतिस्पर्धा से भरी फिल्म इंडस्ट्री में दीपिका पादुकोण का करियर स्थिरता और विश्वसनीयता का प्रतीक बन चुका है। उन्हें ऐसी अभिनेत्री बताया गया है जिन्होंने बिना अपनी पहचान खोए, लगातार खुद को बेहतर और मजबूत बनाए रखा है। यही वजह है कि उनकी लोकप्रियता आज भी बरकरार है।

लगातार 14वीं बार बनीं नंबर 1 हीरोइन

अपनी उपलब्धियों में एक और बड़ा रिकॉर्ड जोड़ते हुए दीपिका को हाल ही में लगातार 14वीं बार एक द्विवार्षिक पोल में देश की नंबर 1 हीरोइन चुना गया है। यह उपलब्धि यह साबित करती है कि उनका स्टारडम केवल फिल्मों तक सीमित नहीं है, बल्कि देशभर के दर्शकों के साथ उनका गहरा जुड़ाव भी है।

आने वाली बड़ी फिल्मों में नजर आएंगी दीपिका

वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका पादुकोण जल्द ही King में Shah Rukh Khan के साथ नजर आएंगी, जिसका निर्देशन Siddharth Anand कर रहे हैं। वह RaaKa में Allu Arjun के साथ भी दिखाई देंगी, जिसका निर्देशन Atlee कर रहे हैं।

पृथ्वी शॉ दिखाएंगे कोलकाता के खिलाफ दम!

एक समय भारत का भविष्य माने जाने वाले और दिल्ली कैपिटल्स का अभिन्न अंग पृथ्वी शॉ इस समय नदारद हैं। वह आईपीएल-2026 में दिल्ली टीम का हिस्सा हैं, लेकिन अभी तक उनको एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला है। आज दिल्ली को अपने घर अरुण जेटली स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ उतरना है और सवाल ये है कि क्या लड़खड़ाती दिल्ली इस युवा बल्लेबाज को मौका देगी? पृथ्वी शॉ को पिछले सीजन में खरीदार नहीं मिला था। इस सीजन हुई नीलामी में पहले दौर में वह बिके नहीं थे। फिर दिल्ली ने उन्हें नीलामी के अंत में अपने साथ जोड़ा। हालांकि, अभी तक शॉ बेंच पर ही हैं और अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं।

दिल्ली का हालत खराब

दिल्ली का स्थिति देखी जाए तो वह गणित के हिसाब से प्लेऑफ की रेस से बाहर नहीं हुई है, लेकिन उसका प्रदर्शन और बाकी की टीमों की स्थिति को देखते हुए दिल्ली का अंतिम-4 में जगह बनाना मुश्किल दिख रहा है। वह 10 मैचों में चार जीत और छह हार के साथ आठ अंक लेकर सातवें स्थान पर है। ऐसे में सवाल ये है कि इस स्थिति में क्या फ्रेंचाइजी पृथ्वी को मौका देगी? रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ खेले गए मैच में दिल्ली ने अभिषेक पोरेल को मौका दिया था। यहां सवाल उठे थे कि पोरेल से बेहतर विकल्प पृथ्वी शॉ हो सकते थे। शॉ की आक्रामक बल्लेबाजी किसी भी टीम को परेशान कर सकती हैं और वह टी-20 में टीम के लिए वो टेम्पो सेट कर सकते हैं जिसकी जरूरत टीम को होती है।

निसंका और राहुल की जोड़ी असरदार

दिल्ली की ओपनिंग का जिम्मा केएल राहुल और पाथुम निसंका ने संभाला है और दोनों ने अभी तक अच्छा किया है। राहुल को बाहर करना नामुमकिन है अगर उनको चोट न लगे तो। कुछ यही बात निसंका पर भी लागू होती है। वहीं दिल्ली की स्थिति देखी जाए तो उसे प्लेऑफ की रेस में बने रहने के लिए अब हर मैच जीतना होगा। इस स्थिति में टीम कोई प्रयोग नहीं करना चाहेगी। पृथ्वी शॉ शानदार बल्लेबाज हैं और उनके अंदर प्रतिभा की कमी नहीं है, लेकिन निरंतरता के मामले में पृथ्वी पीछे रहते हैं। उन पर भरोसा करना टीम के लिए मुश्किल हो सकता है और संभवत: इसी कारण वह अभी तक बेंच पर हैं। अब जब टीम के लिए हर मैच करो या मरो है तो ऐसे में पृथ्वी आज के मैच में प्लेइंग-11 का हिस्सा हों इसकी संभावना नहीं लग रही है। अगर दिल्ली प्लेऑफ की रेस से पूरी तरह से बाहर हो जाती है तो फिर पृथ्वी को मौका मिल सकता है।

व्यक्तिगत टैक्सदाताओं में सबसे आगे धोनी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह क्रिकेट नहीं बल्कि टैक्स भुगतान है। आयकर विभाग के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में झारखंड और बिहार क्षेत्र में धोनी सबसे बड़े व्यक्तिगत टैक्सदाता रहे। यह जानकारी आयकर विभाग के प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त (बिहार-झारखंड) डॉ. डी. सुधाकर राव ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत के दौरान दी।

झारखंड से आया 12,000 करोड़ रुपए टैक्स

डॉ. राव ने बताया कि बिहार और झारखंड से कुल टैक्स संग्रह लगभग 20,000 करोड़ रुपए रहा। इसमें सबसे बड़ा योगदान झारखंड का रहा। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में बिहार और झारखंड से कुल लगभग 20,000 करोड़ रुपए टैक्स संग्रह हुआ, जिसमें से 12,000 करोड़ रुपए सिर्फ झारखंड से प्राप्त हुए। उन्होंने यह भी बताया कि कुल टैक्स संग्रह का करीब 70 प्रतिशत हिस्सा टीडीएस (टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स) के जरिए आया।

व्यक्तिगत टैक्सदाताओं में सबसे आगे धोनी

जब सबसे बड़े व्यक्तिगत टैक्सदाता का नाम पूछा गया तो डॉ. राव ने साफ तौर पर धोनी का नाम लिया। उन्होंने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में बिहार और झारखंड को मिलाकर एमएस धोनी सबसे बड़े व्यक्तिगत टैक्सदाता रहे। हालांकि उन्होंने धोनी द्वारा चुकाई गई टैक्स राशि का खुलासा नहीं किया।

कॉरपोरेट टैक्सदाताओं में ये कंपनियां आगे

कॉरपोरेट श्रेणी में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड और सीएमपीडीआई सबसे बड़े टैक्सदाताओं में शामिल रहे। अधिकारियों के मुताबिक, पिछले साल भारी बारिश के कारण खनन गतिविधियों पर असर पड़ा, जिससे टैक्स संग्रह भी प्रभावित हुआ। डॉ. राव ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में भारी बारिश के कारण माइनिंग गतिविधियां प्रभावित हुईं। हमें उम्मीद है कि मौजूदा वित्त वर्ष में 20,000 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार करेंगे।

नए आयकर कानून पर भी बैठक

डॉ. राव ने आयकर अधिकारियों के साथ नए आयकर अधिनियम 2025 पर बैठक भी की। यह नया कानून 1 अप्रैल से लागू होगा और 1961 के पुराने आयकर कानून की जगह लेगा। उन्होंने कहा कि नया कानून सरल भाषा, सुव्यवस्थित ढांचे और आसान प्रस्तुति के जरिए अनुपालन को और सरल बनाएगा।

धोनी की लोकप्रियता बरकरार

धोनी लंबे समय से झारखंड की पहचान माने जाते हैं। क्रिकेट से संन्यास के बाद भी उनकी ब्रांड वैल्यू और लोकप्रियता कायम है। अब सबसे बड़े टैक्सदाता बनकर उन्होंने मैदान के बाहर भी मिसाल पेश की है।

प्रिंस यादव जल्द ही भारतीय टीम में डेब्यू कर सकते हैं: अंबाती रायुडू

पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू का मानना है कि प्रिंस यादव बहुत खास प्रतिभा वाले गेंदबाज है और वह जल्द ही भारतीय टीम के लिए पदार्पण करेंगे।

भारत के लिए जल्द ही डेब्यू कर सकते हैं प्रिंस यादव

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ प्रिंस यादव के मैच जिताऊ प्रदर्शन के बाद अंबाती रायुडू ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि मुझे लगता है कि वह जल्द ही भारत के लिए पदार्पण करेंगे। प्रिंस यादव बेहद खास प्रतिभा हैं। उनका रन अप देखकर ही लगता है कि वह लड़ने आए हैं। उनकी ज्यादातर गेंदें स्टंप्स की लाइन में रहती हैं। यही उनकी सबसे बड़ी खासियत है।

बेहद खास थी विराट कोहली को आउट करने वाली गेंद

रायुडू ने कहा कि कोहली को आउट करने वाली गेंद बेहद खास थी। सीम सीधी रही। यह बहुत बड़ा विकेट था। प्रिंस भी दिल्ली से आते हैं, दिल्ली के लिए खेलते हैं, और उन्होंने अपने ही दिल्ली टीममेट को आउट किया।

करिश्मा तन्ना का ट्रेडिशनल लुक

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना फिलहाल अपना प्रेगनेंसी टाइम एन्जॉय कर रही हैं। इसी के साथ वो समय-समय अपनी फोटोज डाल कर अपने फैंस को अपडेट देती रहती हैं। करिश्मा तन्ना हमेशा से ही अपने शानदार फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। अब जल्द ही वो इस साल के अंत तक अपने बच्चे का स्वागत कर सकती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वो बहुत सुंदर लग रही हैं। तो चलिए देखते हैं उनकी फोटोज। इन तस्वीरों में करिश्मा ने एक बेहद खूबसूरत रानी पिंक रंग की साड़ी पहनी हुई है, जो उनके ऊपर बेहद जंच रही है। आपको बता दें कि उन्होंनेवाइब्रेंट पिंक कलर की साड़ी पहनी है जिस पर बारीक सुनहरे बूटी का काम किया हुआ है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।
दूरध्वनि: 0251- 3238100, **कार्यकारी संपादक:** पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। hindmatamirror1@gmail.com RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 **स्थानीय संपादक:** शिवप्रताप